हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,सोमवार | 09 सितम्बर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :118 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

बजरंग पूनिया को जान से मारने की मिली धमकी, व्हाट्सएप पर भेजा गया मैसेज, पुलिस ने शुरू की जांच,

एजेंसी

नई दिल्ली:किसान कांग्रेस के वर्किंग चेयरमैन बने बजरंग पूनिया को जान से मारने की धमकी मिली है।जानकारी के मुताबिक, एक विदेशी नंबर से बजरंग के व्हाट्सएप पर धमकी भरा मैसेज भेजा गया है। मैसेज में लिखा था कि बजरंग कांग्रेस छोड़ दो वरना तेरे और तेरे परिवार के लिए अच्छा नहीं होगा, ये हमारा आखिरी संदेश है। चुनाव से पहले हम दिखा देंगे हम क्या चीज हैं। जहां शिकायत करनी है करले ये हमारी आखिरी और पहली चेतावनी है।धमकी भरा मैसेज मिलते ही बजरंग पुनिया ने सोनीपत के बहालगढ़ थाना में शिकायत दर्द करा दी है और पुलिस ने जांच भी शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बजरंग की सुरक्षा को बढ़ाया जा रहा है। इसके अलावा पुलिस का कहना है कि वह इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और जरूरी कदम उठाए जाएंगे।बजरंग पुनिया ने शुक्रवार को विनेश फोगाट के साथ कांग्रेस पार्टी ज्वाइन की थी। इसके बाद पार्टी ने उन्हें अखिल भारतीय किसान कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया था।

बिहार में बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल, 41 IAS Office का तबादला

जिन अधिकारियों का तबादला किया गया है, उनमें से अधिकांश विभिन्न जिलों के जिलाधिकारी हैं।

सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से शनिवार देर रात जारी एक अधिसूचना के मुताबिक, भारतीय प्रशासनिक सेवा के जिन अधिकारियों का तबादला किया गया है, उनमें से अधिकांश विभिन्न जिलों के जिलाधिकारी हैं।

एजेंसी

बिहार:पटना। बिहार सरकार ने बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 41 आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है।सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से शनिवार देर रात जारी एक अधिसूचना के मुताबिक, भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के जिन अधिकारियों का तबादला किया गया है, उनमें से अधिकांश विभिन्न जिलों के जिलाधिकारी (डीएम) हैं।अधिसूचना के अनुसार, भोजपुर के जिलाधिकारी राज कुमार को बिहार राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (कॉम्फेड) का प्रबंध निदेशक बनाया गया है, जबकि शिवहर के डीएम पंकज कुमार को शिक्षा विभाग में निदेशक (प्राथमिक शिक्षा) पद पर नियुक्त किया गया है। अधिसूचना के मुताबिक, खान एवं भूतत्व विभाग के निदेशक मोहम्मद नैयर इकबाल को विशेष सचिव के रूप में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग में स्थानांतरित किया गया है। वहीं, जमुई के डीएम राकेश कुमार को भूमि अभिलेख एवं सर्वेक्षण निदेशालय में निदेशक (चकबंदी) नियुक्त किया गया है।अधिसूचना के अनुसार, शिक्षा विभाग में निदेशक (मध्याह्न भोजन) मिथलेश मिश्रा को लखीसराय का डीएम बनाया गया है, जबकि पंचायती

राज विभाग में उपनिदेशक विद्यानंद सिंह को योजना विभाग में निदेशक नियुक्त किया गया है। अधिसूचना के मुताबिक, बेगुसराय के डीएम रोशन कुशवाहा को समस्तीपुर का डीएम बनाया गया है। वहीं, शेखपुरा की डीएम जे प्रियदर्शनी को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है।सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से शनिवार देर रात जारी एक अधिसूचना के मुताबिक, भारतीय प्रशासनिक सेवा के जिन अधिकारियों का तबादला किया गया है, उनमें से अधिकांश विभिन्न जिलों के जिलाधिकारी हैं।

पितृपक्ष मेले की महत्ता को देखते हुए इसे अंतर्राष्ट्रीय मेला घोषित कराने की मांग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से लगातार किया।लेकिन उसे आज तक पूरा नहीं किया जा सका।इसी तरह गया विष्णुपद शमशान घाट में पिछले पांच साल से 5 करोड से बना विद्युत शवदाहगृह बेकार पड़ा हुआ है।इसमें भी सुधार की मांग पूरी नहीं हुई।

गंगाजल योजना का आज भी सही उपयोग गया में नहीं हो पा रहा है। गंगाजल के नाम पर एक बहुत बड़ी राशि खर्च हुई।लेकिन उसका समुचित उपयोग नहीं है।रबर डैम की भी सही उपयोगिता नहीं है।मांझी ने कहा कि इस कार्यक्रम में अगर मीडिया बंधु प्रश्न करते तो मैं क्या जवाब देता। यही कारण है कि कार्यक्रम में शामिल नहीं होना ही अच्छा समझा।किसान कांग्रेस के वर्किंग चेयरमैन बने बजरंग पूनिया को जान से मारने की धमकी मिली है। जानकारी के मुताबिक, एक विदेशी नंबर से बजरंग के व्हाट्सएप पर धमकी भरा मैसेज भेजा गया है।मैसेज में लिखा था कि बजरंग कांग्रेस छोड़ दो वरना तेरे और तेरे परिवार के लिए अच्छा नहीं होगा, ये हमारा आखिरी संदेश है।चुनाव से पहले हम दिखा देंगे हम क्या चीज हैं।जहां शिकायत करनी है करले ये हमारी आखिरी और पहली चेतावनी है।धमकी भरा मैसेज मिलते ही बजरंग पुनिया ने सोनीपत के बहालगढ़ थाना में शिकायत दर्द करा दी है और पुलिस ने जांच भी शुरू कर दी है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, बजरंग की सुरक्षा को बढ़ाया जा रहा है। इसके अलावा पुलिस का कहना है कि वह इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और जरूरी कदम उठाए जाएंगे।बजरंग पुनिया ने शुक्रवार को विनेश फोगाट के साथ कांग्रेस पार्टी ज्वाइन की थी। इसके बाद पार्टी ने उन्हें अखिल भारतीय किसान कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया था। बता दें, 4 सितंबर को राहुल गांधी से मुलाकात के बाद दोनों पहलवानों ने कांग्रेस में शामिल होने का फैसला किया था।पुनिया ने रविवार को कांग्रेस में शामिल होने पर हो रही राजनीति पर कहा, 'मैं एक एथलीट और किसान का बेटा हूं, पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है, उसके अनुसार मुझे लगता है कि मैं किसानों की चिंताओं को बेहतर तरीके से उठा सकता हूं। बृजभूषण और भाजपा को दिक्कत है (कि हम कांग्रेस में शामिल हो गए)। अगर हम भाजपा में शामिल होते तो हम देशभक्त बन जाते,।

दिल्ली पहुंचे अबू धाबी के मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, गर्मजोशी किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली: अबू धाबी के वली अहद (युवराज) शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा के तहत रविवार को नयी दिल्ली पहुंचे, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।नाहयान अपने भारत प्रवास के दौरान पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ऊर्जा और संपर्क सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे।केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने हवाई अड्डे पर अबू धाबू के वली अहदकी अगवानी की, जिसके बाद उनका औपचारिक स्वागत किया गया। यह उनकी इस यात्रा को भारत द्वारा दिए गए महत्व को दशार्ता है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर जारी पोस्ट मेंकहा, ह्यऐतिहासिक संबंधों में एक नया मील का पत्थर। महामहिम शेख खालिद बिन जायद अल नाहयान भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर दिल्ली पहुंचे।ह्लह्ल उन्होंने कहा, ह्यवाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयलने गर्मजोशी से एवं औपचारिक स्वागत किया।ह्लह्ल वली अहद अल नाहयान के साथ संयुक्त अरब अमीरात सरकार के कई मंत्री और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी आया है। अपनी यात्रा के दिल्ली चरण के समापन के बाद अल नाहयान एक व्यापार मंच में भाग लेने के लिए मुंबई जाएंगे। दोनों देशों के शीर्ष व्यापार नेता मंगलवार को होने वाले इस बैठक में हिस्सा लेंगे।विदेश मंत्रालय ने कहा कि अल नाहयान की यात्रा से भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच संबंध और मजबूत होंगे तथा नए और उभरते क्षेत्रों में साझेदारी के रास्ते खुलेंगे।प्रधानमंत्री मोदी और वली अहद अल नाहयान सोमवार को वार्ता करेंगे। अगस्त 2015 में मोदी की यूएई की ऐतिहासिक यात्रा के बाद, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया है। दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार के लिए भारतीय रुपये और दिरहम (संयुक्त अरब अमीरात की मुद्रा) के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए फरवरी 2022 में एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) और जुलाई 2023 में एक स्थानीय मुद्रा निपटान (एलसीएस) प्रणाली पर हस्ताक्षर किए।

दिग्विजय ने मध्यप्रदेश भाजपा प्रमुख शर्मा पर निशाना साधा, वाकयुद्ध छिड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली:वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने शनिवार को भाजपा की मध्यप्रदेश इकाई के प्रमुख वी.डी. शर्मा पर निशाना साधते हुए नपुंसकता का तंज कसा तो शर्मा ने सिंह पर उनकी ह्यह्यअस्वीकार्य के लिए पलटवार किया।सिंह ने शर्मा के खिलाफ यह टिप्पणी एक पत्रकार वार्ता के दौरान की, जब एक पत्रकार ने उनसे यह कहते हुए प्रतिक्रिया मांगी कि शर्मा ने दावा किया है कि ह्यवह (सिंह) आतंकवादियों के समर्थक हैं।कांग्रेस नेता ने जवाब दिया, ह्यह्यकेंद्र, राज्य और नगर निगम तथा स्थानीय निकायों के स्तर पर ट्रिपल इंजन वाली सरकार होने के बावजूद, अगर वह (शर्मा) मुझे आतंकवादियों का सहयोगी कहते हैं, लेकिन फिर भी मेरे खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करते हैं, तो मैं उनकी ह्यनपुंसकता से निराश हूं।शर्मा ने पलटवार करते हुए कहा कि सिंह न केवल आतंकवादियों का समर्थन करते हैं, बल्कि तुष्टीकरण की राजनीति के जरिए अनुसूचित जातियों और

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बंद कर दे तो हम बातचीत के लिए तैयार हैं: राजनाथ सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली:बनिहाल । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि अगर पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बंद कर दे तो भारत उसके साथ बातचीत शुरू करने के लिए तैयार है। रामबन जिले के बनिहाल विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार मोहम्मद सलीम भट के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को लोगों की परेशानी दूर करने और क्षेत्र को

समृद्ध बनाने के लिए हटाया गया।सिंह ने रैली में कहा,पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देना बंद करे। कौन पड़ोसी देशों के साथ संबंध सुधारना नहीं चाहेगा? क्योंकि मैं इस वास्तविकता को जानता हूं कि आप अपने मित्र को बदल सकते हैं।

दुनिया अमेरिका और चीन के बीच और कड़ी प्रतिस्पर्धा देख रही: जयशंकर

एजेंसी

नई दिल्ली:विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि दुनिया अमेरिका और चीन के बीच कई क्षेत्रों में और कड़ी प्रतिस्पर्धा देख रही है। उन्होंने कहा कि भारत विशिष्ट एजेंडे पर समान विचारधारा वाले साझेदारों के साथ काम करने को तैयार है और ह्यक्वाडह्ल समूह में भारत की भूमिका इस तरह के दृष्टिकोण का एक उदाहरण है।एफपीसीआई ग्लोबल टाउन हॉल में वर्चुअल संबोधन के दौरान जयशंकर ने प्रमुख भू-राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा करते हुए कहा कि दुनिया कई क्षेत्रों में अमेरिका और चीन के बीच

और ह्यह्यकड़ी प्रतिस्पर्धा देख रही है। भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान की सदस्यता वाला ह्यक्वाडह्ल एक प्रमुख गठबंधन के रूप में उभरा है, जो क्षेत्र में चीन के बढ़ते दबदबे की पृष्ठभूमि में एक स्वतंत्र, खुला और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने की दिशा में काम करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।पिछले कुछ दशकों में अंतरराष्ट्रीय संबंधों से

कोलकाता कांड पर अपनी ही सरकार के खिलाफ हुए जवाहर , बनर्जी को पत्र लिखकर टीएमसी से दिया इस्तीफा

एजेंसी

पश्चिम बंगाल:तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद जवाहर सरकार ने रविवार को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इसी के साथ उन्होंने राजनीति छोड़ने की भी घोषणा की है। जवाहर ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर अपने इस फैसले की जानकारी दी है। उन्होंने अपने पत्र में आरजी कर अस्पताल में हुई भयावह घटना का जिक्र भी किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि घटना को लेकर सरकार के कदम अपर्याप्त हैं, जिससे वह आहत

हैं। इसके अलावा भी उन्होंने अपने पत्र में कई कारणों का जिक्र किया है, जिनकी वजह से उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दिया है।सरकार ने रविवार को 'एक्स' पर अपने पत्र को साझा करते हुए लिखा, 'मैं मुख्य रूप से आरजी कर अस्पताल में हुए भयानक बलात्कार-हत्या मामले के बाद सबसे स्वतःस्फूर्त जन आंदोलन को पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा गलत तरीके से संभालने के कारण सांसद के रूप में इस्तीफा दे रहा हूँ।' उन्होंने आग कहा, 'राजनीति छोड़ रहा हूँ, न्याय के लिए लोगों के संघर्ष में उनके साथ खड़ा होने के लिए। मूल्यों के प्रति मेरी प्रतिबद्धता अपरिवर्तित है।' आरजी कर अस्पताल में हुई भयावह घटना का जिक्र करते हुए सरकार ने अपने पत्र में लिखा, 'अपने पूरे कार्यकाल में मैंने सरकार के खिलाफ ऐसा गुस्सा और पूर्ण अविश्वास नहीं देखा।

ममता सोमवार को बंगाल सचिवालय में प्रशासनिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगी

एजेंसी

पश्चिम बंगाल:पश्चिम बंगाल सरकार सोमवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में राज्य सचिवालय में एक प्रशासनिक समीक्षा बैठक आयोजित करेगी, जिसमें विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और नागरिक-केंद्रित सेवाओं की समीक्षा की जाएगी।एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुख्य सचिव मनोज पंत ने शनिवार को सचिवालय से जारी एक ज्ञापन में कहा, ह्यह्यस्थायी प्रभाव के लिए नियमित समीक्षा और निगरानी महत्वपूर्ण है और

इस संबंध में, 9 सितंबर 2024 को दोपहर 1 बजे नबान्न (राज्य सचिवालय) में प्रशासनिक समीक्षा बैठक तय की गयी है।इसमें कहा गया है, ह्यह्यमार्च से जून महीने तक संसदीय चुनाव, जून-जुलाई 2024 में कुछ जिलों में उपचुनाव और आदर्श आचार संहिता लागू रहने के कारण कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं और कई सार्वजनिक सेवाओं के कार्यक्रमों का कार्यान्वयन वांछित गति से आगे नहीं बढ़ सका।ह्लह्ल ज्ञापन में कहा गया है उक्त अवधि के दौरान कुछ जिले प्राकृतिक आपदाओं से भी प्रभावित हुए थे।जून-जुलाई 2024 में कुछ जिलों में उपचुनाव और आदर्श आचार संहिता लागू रहने के कारण कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं और कई सार्वजनिक सेवाओं के कार्यक्रमों का कार्यान्वयन वांछित गति से आगे नहीं बढ़ सका।

फारूक अब्दुल्ला का भाजपा पर आरोप, कहा- हिंदू मतदाताओं को डराने की कोशिश कर रही

एजेंसी

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेता झूठा डर पैदा करके जम्मू-कश्मीर के हिंदू मतदाताओं को डराना चाहते हैं और इसलिए अपना चुनाव अभियान जम्मू पर केंद्रित कर रहे हैं। अब्दुल्ला ने कहा कि भाजपा यह दावा करके लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रही है कि यदि नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन जम्मू-कश्मीर में सत्ता में आया तो आतंकवाद फिर से सिर उठा लेगा।अब्दुल्ला ने आरोप लगाया, 'वह (भाजपा) हिंदू समुदाय को डराना चाहती है। उन्हें लगता है कि हिंदू उन्हें वोट देंगे, लेकिन आज हिंदू बदल गए हैं। पहले उसने (भाजपा ने) राम के नाम पर वोट मांगे और अब वे उन्हें डराना चाहते हैं।' वह नेशनल कॉन्फ्रेंस के संस्थापक शेख मुहम्मद अब्दुल्ला की 42वीं पुण्यतिथि पर नसीमबाग में स्थित समाधि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'उन्होंने (संविधान के) अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया लेकिन क्या आतंकवाद खत्म हो गया? आतंकवाद दोबारा सिर उठा रहा है ।

पांच सीटों पर चुनाव लड़ेगी आप, कांग्रेस के साथ बनी सहमति

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) ने हरियाणा में पांच अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया है। आप पांच सीटों पर चुनाव लड़ने पर सहमत हो गई है। पार्टी सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। आम आदमी पार्टी के सूत्रों ने बताया कि गठबंधन सोमवार को हो सकता है। आप के एक सूत्र ने बताया, ह्यह्यकांग्रेस नेता दीपक बाबरिया और आप नेता राघव चड्ढा के बीच बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। संभावना है कि कल तक गठबंधन को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। आप ने राज्य में पांच सीटों पर चुनाव लड़ने पर सहमति जताई है।ह्लह्ल इससे पहले, आप के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने कहा कि कांग्रेस और उनकी पार्टी दोनों अपनी

व्यक्तिगत आकांक्षाओं को अलग रखकर हरियाणा चुनावों के लिए गठबंधन करने की कोशिश कर रहे हैं।चड्ढा ने कहा कि दोनों दलों के बीच गठबंधन पर आम सहमति नहीं बन पाई है, लेकिन बातचीत ह्यह्यसकारात्मकह्लह्ल दिशा में आगे बढ़ रही है और उन्हें अच्छे नतीजे की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि ह्यह्यअगर दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद स्थिति नहीं बनती हैह्लह्ल तो आम आदमी पार्टी गठबंधन के वास्ते आगे नहीं बढ़ेगी।चड्ढा ने कहा, ह्यह्यबातचीत सकारात्मक माहौल में हो रही है। दोनों दल अपनी और उम्मीदवार की आकांक्षाओं को अलग रखकर एकजुटता और हरियाणा के लोगों की मांगों को प्राथमिकता देते हुए साथ मिलकर चुनाव लड़ने की दिशा में काम कर रहे हैं।ह्लह्ल उन्होंने कहा, ह्यह्यसीट बंटवारे को लेकर हर ब्योरे पर टिप्पणी नहीं की जा सकती। दोनों ही दलों की गठबंधन करने की इच्छा है और ऐसा होने की उम्मीद है। हरियाणा में 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान पांच अक्टूबर को होगा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 12 सितंबर है। मतगणना आठ अक्टूबर को होगी। सूत्रों के अनुसार, आप जहां 10 सीट की मांग कर रही है, वहीं कांग्रेस उसे सिर्फ सात सीट देने को तैयार है।

भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने हरी झंडी दिखाकर किया सदस्यता अभियान किट वाहन रवाना

सदस्यता अभियान में भाजपा से बड़ी संख्या में लोग जुड़ रहे : डॉ. दिलीप जायसवाल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 8 सितंबर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने आज प्रदेश के कई जिलों में सदस्यता अभियान किट के वाहनों को पार्टी का झंडा दिखाकर रवाना किया। भाजपा प्रदेश कार्यालय से चार वाहनों को रवाना किया गया जो प्रदेश के मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, शिवहर, ढाका, बेतिया, रक्सौल और बगहा भेजा गया है।

इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के मंत्री डॉ. जायसवाल ने कहा कि इस अभियान को सभी कार्यकर्ता पूरी तन्मयता से सफल बनाने में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि राष्ट्रवादी विचारधारा और भारतीय संस्कृति का पोषक है।उन्होंने बताया कि यह खुशी की बात है कि बिहार में सभी जाति, सभी धर्म और वर्ग के लोग बड़ी संख्या में भाजपा से जुड़ रहे हैं। इस मौके पर सांसद धर्मशीला गुप्ता, प्रदेश मंत्री रत्नेश कुशवाहा, मुख्यालय प्रभारी अरविंद शर्मा, मीडिया सह प्रभारी अमित प्रकाश बबलू, ब्रजेश रमण, सुग्रीव कुमार, ज्ञान प्रकाश ओझा, सतपाल नरोत्तम, लाजवंती झा, ओम प्रकाश भुवन, अनामिका पासवान सहित बड़ी संख्या में प्रदेश के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राजद ने बिहार में अपराध पैदा किया उसे इस पर बोलने का हक नहीं : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना 8 सितंबर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने राजद पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जिसने बिहार में अपराध पैदा किया हो उसे अपराध पर बोलने का हक नहीं है। उन्होंने विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव द्वारा हाल में जारी आपराधिक घटनाओं की सूची जारी करने पर कहा कि पहले उन्हें राजद काल के अपराधिक घटनाओं की सूची जारी करनी चाहिए। डॉ. जायसवाल ने प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि राजद को पहले की गई गलतियों के लिए बिहार की जनता से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि देश की सुरक्षा सबसे जरूरी है और इसके लिए जो भी करना पड़े उसे करना चाहिए। इससे भाजपा कभी पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कश्मीर से जुड़े एक प्रश्न के उत्तर कहा कि 75 वर्षों तक राहुल गांधी के पिता, दादी, नाना सत्ता में रहे, उन्होंने कश्मीर के लिए क्या किया? दरअसल, राहुल गांधी के पास कुछ काम नहीं है। जनता ने इन्हें नकार दिया है। आम आदमी पार्टी से जुड़े एक प्रश्न के उत्तर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि इस पार्टी की स्थापना भ्रष्टाचार और घोटाले की बुनियाद पर हुआ था और अब इसके ही नेता इन्हीं आरोपों में जेल जा रहे हैं। पार्टी कहां जा रही है, यह समझा जा सकता है।

चलते-चलते 2 भागों में बंटी मगध एक्सप्रेस, बिहार के बक्सर में यात्रियों की हालत हुई खराब!

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मची आफरा तफरी, मौके पर पहुंचे रेलवे अधिकारी

बिहार : बक्सर से बड़ी खबर सामने आ रही है, दरअसल दिल्ली से इस्लामपुर जा रही मगध एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 20802 चलते- चलते 2 भागों में बंट गयी है। मिली जानकारी के अनुसार मगध एक्सप्रेस ट्रेन बक्सर के टुडीगंज स्टेशन से थोड़ा आगे चलते-चलते 2 हिस्सों में हो गयी, मगध एक्सप्रेस की इंजन से कुछ कोच पीछे अलग हो गए, बताया जा रहा है कि मगध एक्सप्रेस ट्रेन की प्रेशर पाइप पोलिंग टूटने से ट्रेन दो भागों में बंट गयी है। वहीं मगध एक्सप्रेस ट्रेन के दो भागों में बंट जाने के कारण यात्रियों की हालत खराब हो गयी, ट्रेन में बैठे यात्री घबरा गए, हालांकि, इस दौरान राहत की बात यह है कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, फिलहाल किसी भी तरह के जान माल की नुकसान की खबर नहीं आई है। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के सीनियर अधिकारी मौके पर रवाना हो चुके हैं। वहीं इस हादसे के बाद से रेलवे विभाग में हड़कंप मच गया है। घटना के बाद रेलवे अधिकारी, ऋक्क्ष, पढत्रपुलिस मौके पर पहुंच गयी, रेलवे मंत्रालय ने हादसे की जांच के आदेश देकर जांच रिपोर्ट मांगी है। इस घटना के बाद से मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गयी, इस तरह की लापरवाही के लिए लोग रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों को कोसने लगे.ट्रेन नंबर 20802 नई दिल्ली से पटना जा रही थी। ट्रेन डुमरांव रेलवे स्टेशन से 8 मिनट की देरी से सुबह के करीब 11 बजे रवाना हुई थी, लेकिन 5 मिनट बाद ही जब ट्रेन टुड़ीगंज स्टेशन पहुंची और वहां से थोड़ा आगे निकली तो गांव धरौली के पास ट्रेन का प्रेशर पाइप पोलिंग टूट गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किया गया जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
राजेश कुमार चौधरी,

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवान के तत्वाधान में एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवान की अध्यक्षता में बिरला ओपन माइंड इंटरनेशनल स्कूल जुड़कन में संपन्न हुआ. कार्यक्रम का मुख्य बिंदु बाल विवाह एवं बाल मजदूरी पर चर्चा की गई जिसमें कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवान श्री राकेश कुमार सिंह ने कहा कहा कि जब तक मनुष्य के अंदर जागरूकता नहीं आएगी तब तक लाख कानून बनते रहे इससे समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता.श्री सिंह ने कहा कि अभी बंगाल में एक डॉक्टर के बलात्कार की घटना हुई थी जिसमें सरकार ने एक नया कानून ही बना दिया जबकि पहले से बलात्कार को रोकने के लिए बहुत से कानून बनाए गए हैं. वहीं श्री सिंह ने कहा कि जिन बच्चों के हाथों में कलम और कॉपी होनी चाहिए उन बच्चों के हाथों में लोग हथौड़े और कुदाल थमा देते हैं जिस उम्र में बालक के कंधे पर स्कूल के बस्ता का बोझ होना चाहिए उस उम्र में उसके कंधे पर परिवार का बोझ दे दिया जाता है जिससे उन बच्चों का सर्वांगीण विकास ही बंद हो जाता है. इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम श्री बीके सिंह ने कहा कि आज हम सभी लोगों को एक दूसरे के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए अगर आपके अड़ोस पड़ोस में कोई अप्रिय घटना हो रही हो तो इसमें आपको बढ़-चढ़कर के सहयोग करके उसको रोकने का प्रयास करना चाहिए.कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पंचम श्री उमाशंकर बाबू ने कहा कि आज समाज में संवेदना की कमी के कारण आज न्यायपालिका के लोगों को गांव और शहर में घूम-घूम कर जागृति फैलानी पड़ रही है. उमाशंकर बाबू ने यह भी कहा कि जब तक समाज के बुद्धिमान लोग इसमें सकारात्मक सहयोग नहीं करेंगे तब तक कानून सचमुच धरातल पर फली भूत नहीं होगा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पैनल अधिवक्ता गणेश राम उर्फ ज्ञान रत्न ने कहा की मां-बाप का काम केवल बच्चे पैदा करना नहीं बल्कि उन बच्चों को पढा लिखा करके एक अच्छा इंसान बनकर समाज के मुख्य धारा से जोड़ना भी होता है श्री ज्ञान रत्न ने कहा की हर मां बाप की यह तमन्ना होती है कि अपने बच्चों को पढा लिखा करके अच्छा से अच्छा इंसान बनाएं ऊंचे से ऊंचे पदों पर पहुंचाएं जिससे गांव का नाम रोशन हो माता-पिता का नाम रोशन हो देश का नाम रोशन हो इस प्रकार हर बच्चे और बच्चियों का कर्तव्य बनता है।

धनबाद के मदरसा जामिया उम्मे हनी लिल्बनात की 32 छात्राओं ने पूरी की आलिमा शिक्षा, भव्य सम्मान समारोह आयोजित

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

धनबाद, तेतुलियाः मदरसा जामिया उम्मे हनी लिल्बनात में शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की गई, जब मदरसे की 32 छात्राओं ने अपनी आलिमा शिक्षा पूरी की। इस महत्वपूर्ण अवसर पर मदरसे में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को उनकी मेहनत और उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। यह समारोह न केवल इन छात्राओं के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण था, जिसने धार्मिक और सामाजिक शिक्षा के प्रति नई जागरूकता का संदेश दिया।

कुरान की तिलावत से हुई कार्यक्रम की शुरूआत

सम्मान समारोह का शुभारंभ पवित्र कुरान की तिलावत से हुआ, जिसे मदरसे की ही छात्राओं ने प्रस्तुत किया। इसके बाद कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रमुख अतिथियों और शिक्षकों ने छात्राओं को उनकी आलिमा शिक्षा पूरी करने के लिए बधाई दी। समारोह में मदरसे के प्रधानाचार्य मौलाना मो समीउल्लाह ने कहा, "यह हमारे लिए एक गर्व का अवसर है। इन छात्राओं ने न केवल धार्मिक शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, बल्कि नैतिकता और समाज सेवा में भी अपनी छाप छोड़ी है। हमें उम्मीद है कि ये छात्राएं आगे चलकर समाज में एक सकारात्मक बदलाव का हिस्सा बनेंगी।"

शिक्षा के महत्व पर वक्ताओं का जोर

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने इस्लामी शिक्षा और आलिमा पाठ्यक्रम के महत्व पर विशेष जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि आलिमा शिक्षा महिलाओं को सशक्त बनाती है, उन्हें धार्मिक ज्ञान से समृद्ध करती है, और समाज में एक प्रभावशाली भूमिका निभाने के लिए तैयार करती है। उन्होंने कहा कि इन छात्राओं ने जिस प्रकार इस्लामी ज्ञान में महारत हासिल की है, वह समाज के लिए प्रेरणादायक है और इनसे क्षेत्र में शिक्षा के प्रति एक नई प्रेरणा का संचार हुआ है।

सम्मानित छात्राओं के भविष्य के लिए शुभकामनाएं

कार्यक्रम में उपस्थित स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों और अभिभावकों ने भी छात्राओं की उपलब्धियों की सराहना की। इस अवसर पर इन छात्राओं को प्रमाणपत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। साथ ही, उन्हें आगे की शिक्षा और समाज सेवा के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्रधानाचार्य मौलाना मो समीउल्लाह ने कहा, "ये छात्राएं न केवल धार्मिक ज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी रही हैं, बल्कि नैतिक मूल्यों और समाज कल्याण की भावना से भी जुड़ी हुई हैं। हमें उम्मीद है कि ये भविष्य में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान देंगी।

कार्यक्रम की सफलता में स्थानीय लोगों और संगठन का योगदान

इस कार्यक्रम की सफलता में कई प्रमुख व्यक्तियों और संगठनों का योगदान रहा। अमाल खान (सदर, इस्लाहिया कमिटी, शेख बिरादरी), जनाब मो मुस्ताक (सदर, भिखराजपुर), मो जाहिर खान (सचिव, तेतुलिया), मो अख्तर (सचिव, इस्लाहिया कमिटी, शेख बिरादरी), अनवर खान (सदर, तेतुलिया), नसीम खान (तेतुलिया), हुसैन खान (डूबी), जनाब अजमेर खान (तेतुलिया), मो तनवीर आलम (तेतुलिया), हाजी शमीम शेख, कलाम शेख, नूरुल हुसैन, अशफाक, अब्दुर रहीम, इमरान खान, अमजद शेख, नादिर शेख, हन्नान खान, सदाकत खान और इंडियन रिपोर्टर्स असोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद जहांगीर की विशेष भूमिका रही।

महिलाओं की धार्मिक शिक्षा में बढ़ी रुचि

यह कार्यक्रम क्षेत्र में धार्मिक शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता का प्रतीक बन गया है, विशेषकर महिलाओं की धार्मिक शिक्षा में। समारोह में उपस्थित लोगों ने इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं को धार्मिक और नैतिक रूप से सशक्त बनाना समय की मांग है, और आलिमा शिक्षा इस दिशा में एक बड़ा कदम है। इस कार्यक्रम ने न केवल शिक्षा को बढ़ावा दिया, बल्कि समाज में महिलाओं के सम्मान और उनकी भूमिका को और मजबूती दी है।

गैर कश्मीरी भारतीयों को अपने ही देश में बाहरी कहकर सत्ता की भूख में देश के विभाजन का साजिश रच रहा इंडी गठबंधन :- अरविन्द सिंह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 8 सितम्बर :- भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि अगर कश्मीर के अंदर बिहार के मजदूर को सिर्फ इसलिए गोली मारते हैं कि वह बाहरी है और राहुल गांधी भी जब गैर कश्मीरी भारतीयों को कश्मीर में बाहरी कहेंगे तो यह उनकी देश के विभाजन की मानसिकता को दशार्ता है। श्री राहुल गांधी कश्मीर को भारत का हिस्सा नहीं मानते हैं, कश्मीर को भारत से अलग करके देखते हैं और गैर कश्मीरी भारतीयों को बाहरी कह कर संबोधित करते हैं। तो यह उनका कश्मीर में वोट पाने के लिए भारत को तोड़ने की मानसिकता को दशार्ता है।जबकि जम्मू कश्मीर से धारा 370 को समाप्त करके मोदी सरकार ने एक देश एक निशान एक विधान को स्थापित करने का काम किया हैं। लेकिन जम्मू कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस धारा 370 को पुनः जम्मू कश्मीर में लागू करना चाहता है। और जम्मू कश्मीर में देश से अलग संविधान, निशान और विधान स्थापित करना चाहती है जो कि आरक्षण और राष्ट्रवाद के खिलाफ हैं। कांग्रेस को चुनाव में जाने से पहले अनुच्छेद 370 पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।श्री अरविन्द ने कहा कि कांग्रेस की मानसिकता देश की जनता को समझ में आ रही है की कैसे कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद और सज्जन सिंह वर्मा बांग्लादेश की तरह हालात देश में देखना चाहते हैं। कांग्रेस के नेता हमेशा मोहब्बत की दुकान के नाम पर सिर्फ नफरत की बात करते हैं। इस बात को सलमान खुर्शीद की बातों से साफ पूर्व के दिनों से समझा जा सकता है, जिनका कहना था कि जो बांग्लादेश में जो हुआ है वह भारत में भी हो सकता है। वो विघटनकारी शक्तियां जो देश को खंडित करना चाहती हैं, उनके साथ प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप में विपक्ष को देखकर ये संशय होने लगा है कि क्या इन राष्ट्रीय और प्रादेशिक पार्टियों का एजेंडा देश को कमजोर करने का बन गया है।दूसरी ओर कांग्रेस की शुरू से ही देश को तोड़ने की मानसिकता रही है। 1947 में धर्म के आधार पर देश का विभाजन इतिहास में एक काला अध्याय है। जिसने लाखों लोगों की जान ली और करोड़ों लोगों को विस्थापित किया। उस समय भी कांग्रेस अपने फायदे की राजनीति कर रही थी और आज भी कर रही है।जबकि तीन बार लोकसभा चुनाव हारने के बाद राहुल गांधी में अब ताकत नहीं बचा हैं, चुनाव लड़कर जीतने का तो पुनः कांग्रेस ने विभाजन की राह पर चलते हुए गैर कश्मीरी भारतीयों को जम्मू कश्मीर अपने ही देश में बाहरी घोषित कर दिया। *इससे यह स्पष्ट है कि कांग्रेसी राजनीति के इतने निम्न स्तर पर आ गए हैं कि वो पार्टी एवं व्यक्ति का विरोध करते-करते अब देश का विरोध करने लगे हैं। आर्टिकल 370 बनाकर कांग्रेस ने देश के संविधान का अपमान करने का काम किया था।वहीं मोदी सरकार ने धारा 370 खत्म कर के एक भारत, श्रेष्ठ भारत बनाने का काम किया और एक देश, एक निशान एक विधान और एक संविधान के संकल्प को पूरा करने का काम किया हैं, आज घाटी में अमन चैन के साथ शान से लहरा रहा है हमारे देश का तिरंगा।*

SC/ST थाना के पदाधिकारी अखिलेश माझी ने दिखाया अपने वर्दी का धोस,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान :- एस सी एस टी ,थाना के पदाधिकारी अखिलेश माझी,ग्राम पंचायत राज बडरम के दाता नगर पूर्व सरपंच के घर पहुंच कर किया अभद्र व्यवहार, 70 वर्षीय पूर्व सरपंच कुतुबुद्दीन अहमद को जेल भेजने का धमकी देते हुए कहा कि दो दिनों के अंदर अपने बच्चों को अगर हाजिर नहीं करते तो आपको भी उठकर बंद कर देंगे, तथा अनेक प्रकार की बातें कहीं जब पूर्व सरपंच ने उनसे जानना चाहा कि मामला किस प्रकार की है मुझे बताया जाए तो पुलिस पदाधकरी ने कहा कि मैं कुछ नहीं बता सकता आपके बच्चों के ऊपर रंगदारी का मुकदमा दर्ज है, सरपंच साहब ने कहा कि मुझे अपना नंबर दे दिया जाए मैं अपने बच्चों को दूंगा तो अखिलेश माझी पुलिस पदाधिकारी ने अपना नंबर देने से मना कर दिया, पुलिस पदाधिकारी को जाने के बाद पूर्व सरपंच कुतुबुद्दीन अहमद ने अपने दूसरे नंबर के लड़के डॉक्टर सरवर जमाल से फोन पर बात की और उन्होंने बताया कि कोई पुलिस वाले लोग अपने घर आए हुए थे और उन्होंने कहा कि आपके बच्चों के ऊपर रंगदारी का मामला न्यायालय में दर्ज है इसलिए आप लोग मामले को समझें, किस तरह का मामला है कि घर पर पुलिस आई थी,तभी डॉक्टर सरवर जमाल ने पुलिस पदाधिकारी का नंबर सिवान के किसी पदाधिकारी से लेकर श्री अखिलेश माझी रउ,रळ थाना के मोबाइल नंबर 9771324808 पर अपने मोबाइल नंबर 9472871824, से दोपहर लगभग 3:28 बजे बात किया तो अखिलेश माझी ने डॉक्टर सरवर जमाल से भी अभद्र व्यवहार करते हुए मामले को बताने से इनकार कर दिया, और फोन को कट कर दिया ,तभी डॉक्टर सरवर जमाल ने लगातार उनसे चार बार बात करने की कोशिश की लेकिन अपने वर्दी के रौब को दिखाते हुए अखिलेश माझी ने फोन को कट करके बात नहीं किया, बताते चलें कि डॉक्टर सरवर जमाल एक समाजसेवी के साथ-साथ मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (आरएसएस)के बिहार प्रदेश संयोजक हैं एक प्रतिनिधि से इस तरह की व्यवहार करना पुलिस प्रशासन से यह उम्मीद नहीं किया जा सकता है, पुलिस का कार्य बनता है कि अगर कोई गरिमाई व्यक्ति है तो वहां के क्षेत्रीय चौकीदार से खबर करके और उस व्यक्ति से बात करें लेकिन अपने नजदीकी चौकीदार को भी अखिलेश माझी ने ना लेकर यह दिखाया कि पुलिसिया रौब क्या होता है, बताते चले कि डॉक्टर सरवर जमाल पटना में रहते हैं और उनके बुढ़े माता और पिता गांव में रहते हैं पिछले वर्ष 23 दिसंबर को उनके छोटे भाई आरिफ जमाल को अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी तभी से यह परिवार डरा और सहमा रहता है, पुलिस के इस रवैया को देखते हुए डॉक्टर सरवर जमाल ने अपने अधिवक्ता श्री विजय कुमार सिंह,

श्रीमद् भागवत कथा कलश यात्रा से कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- 9 तारीख सोमवार संध्या 3 :00 बजे से प्रतिदिन कथा 15 सितंबर रविवार तक चलेगी
- 16 सितंबर सोमवार हवन एवं भंडारे का आयोजन
- व्यास पीठ पर कथा वाचिका साध्वी अंजू देवी वृंदावन

स्थानीय काठिया बाबा का मंदिर साहेबगंज सोनार पट्टी से कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ जो शिव मंदिर साहिबगंज चौक भारत मिलाप चौक सरकारी बाजार मौना चौक मौना नीम हनुमान मंदिर,मेवालाल चौक कटहरी बाग हनुमान मंदिर होकर नारायण पैलेस में पहुंची । आगे आगे घोड़ा बैंड बाजा डंका ढोल ताशा चल रहे थे वही काशी से आए हुए कलाकार झांकियां प्रस्तुत कर रहे थे हजारों की संख्या में महिलाएं पुरुष बच्चे ने भाग लिया पूरा शहर राधे राधे श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी से भक्ति में हो गया में । मुख्य जजमान बने वीरेंद्र ब्याहूत शंकर टी छपरा। शोभा यात्रा के संचालन में मुख्य रूप से वैश्य महासभा अध्यक्ष सुपन बिहारी, महापौर लक्ष्मी नारायण गुप्ता, अरुण पुरोहित धर्म प्रचारक , समाजसेवी धर्मेंद्र शाह, पूर्व मेयर राखी गुप्ता,उपमेयर रागिनी गुप्ता धर्मनाथ पिंटू , जया गुप्ता ,वीरेंद्र प्रसाद ब्याहुत, राजेंद्र प्रसाद ब्याहुत गंगोत्री प्रसाद अधिवक्ता राजेश डाबर,सुधाकर प्रसाद विक्की ,संजय जी, रमाशंकर जी ,केदार जी चिछ्श्वेर जी ,सीताराम पांडे ,महेश जी वार्ड पार्षद पप्पू चौहान हजारों हजार की संख्या में महिलाएं पुरुष बच्चों ने भाग लिया

अरुण पुरोहित धर्म प्रचारक ने बताया 9 सितंबर सोमवार संध्या 3:00 बजे से श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ होगा जो 15 सितंबर रविवार तक प्रतिदिन चलेगा 16 सितंबर को हवन एवं भंडारे के संपन्न होगा सभी सनातन धर्मावलंबियों से आग्रह है कि वह समय पर आकर श्रीमद् भागवत कथा का आनंद उठावे

जन सुराज विचार मंच की बैठक संवाद सारथी दिवाकर लाल दास के द्वारा आयोजित की गई ।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

मधुबनी जिला बिस्फी प्रखंड क्षेत्र के सिमरी पंचायत स्थित अमित चौधरी मार्केट कैंपस में जन सुराज विचार मंच की बैठक संवाद सारथी दिवाकर लाल दास के द्वारा आयोजित की गई ।

प्रखंड क्षेत्र के सिमरी पंचायत स्थित अमित चौधरी मार्केट कैंपस में जन सुराज विचार मंच की बैठक संवाद सारथी दिवाकर लाल दास के द्वारा आयोजित की गईबैठक की अध्यक्षता समाजसेवी अमित चौधरी ने की ।बैठक में प्रखंड की समस्या और जन सुराज पर विशेष रूप से चचाएं की गई । बैठक में उपस्थित प्रबुद्ध लोगो के बीच जिला संवाद सारथी श्यामानंद मिश्रा ने बिहार की राजनीतिक दिशा और दशा तथा जन सुराज की भागीदारी के बारे में लोगों से सुझाव मांगे ।वंही बतौर मुख्य अतिथि मुखिया महासंघ के प्रखंड अध्यक्ष सह नाहस रुपौली उत्तरी पंचायत के मुखिया बशिष्ठ नारायण झा ने जन सुराज की सोच पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला तथा जन सुराज के विचारों से लोगो को अवगत कराते हुए कहा कि जन सुराज का संविधान जनता का होगा ,सरकार भी जनताए की होगी और शासन करने वाले भी जनता ही होंगे ।उन्होंने प्रशांत किशोर के जन सुराज अभियान को समर्थन करने एवं उनके अभियान को घर-घर पंहुचाने की अपील लोगों से की । बैठक को संवोधित करते हुए मुखिया प्रत्याशी अमित चौधरी ने कहा कि जन सुराज का मूल रूप से बिहार में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा युवाओं के पलायन पर रोक ,बुजुर्गों को प्रतिमाह दो हजार पेंशन ,किसानों को खेती से बेहतर कमाई ,महिलाओं को सस्ते ऋण के अलावे सड़क ,स्वास्थ्य आदि जैसे मूलभूत सुविधा देने का अभियान है । कार्यक्रम को शुभद्र झा , गणेश मल्लिक , शंकर यादव ,संजीव कुमार झा ,बिनय कुमार झा ,रामस्वार्थ शर्मा ,अखिलेश पंजियार ,संतोष कर्ण ,कंचन मिश्रा ,रिंकू देवी ,कुंदन कर्ण सहित दर्जनों लोगों ने अपने अपने सुझाव दिए ।

14 वीं हॉकी बिहार सब जूनियर बालक राज्य चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुँचा सहरसा एवं मुजफ्फरपुर ।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मैरवा । हॉकी बिहार द्वारा मैरवा प्रखंड स्थित आदर्श राजकीय मध्य विद्यालय मैरवा एवं हरिराम उच्च विद्यालय मैरवा के खेल मैदान में 5 सितंबर से चल रहे हॉकी राज्य बालक सब जूनियर चैंपियनशिप के सेमीफाइनल का शुभारंभ उत्क्रमित उच्च विद्यालय सह इंटर कॉलेज के प्रधानाध्यापक विकास कुमार दिक्षित ने खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर किया । सेमीफाइनल में दोनों मैचों का मुकाबला काफी रोमांचक रहा । 8 सितंबर को खेले गए मैच में सहरसा एवं मुजफ्फरपुर जिले की टीम फाइनल में पहुंच चुकी है ।दोनों ही टीमों के बीच किताबी मुकाबला आज सुबह 7:00 से खेला जाएगा हॉकी सिवान के सचिव संजय पाठक ने बताया कि इस प्रतियोगिता से प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन कर बिहार टीम का गठन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता से 30 खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें हॉकी बिहार के प्रशिक्षण शिविर मे शामिल कर खेल की बारीकियां को सिखाते हुए उन्हें धारदार बनाया जाएगा ताकि राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें।सेमीफाइनल मैच में मुजफ्फरपुर भोजपुर को 4-0 से जबकि सहरसा ने पटना को 2-1 से हराते हुए फाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में मैच का अंपायरिंग मुस्तकीम, शिवानी कुमारी ,पल्लवी कुमारी ,विकास कुमारऔर राजू कुमार ने किया ।इस अवसर पर हॉकी बिहार के पदाधिकारी मुन्नेंद्र कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

फ्लिपकार्ट के स्टाफ से 40 हजार की लूट मामले में 3 धराए

बेगूसराय। बेगूसराय पुलिस को 2 बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने लाखो थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई कर 2 लाख 7 हजार रुपए के जाली नोट के साथ 1 व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। दूसरी ओर गढ़पुरा थाना की पुलिस ने फ्लिपकार्ट कंपनी के कर्मचारी से लूट मामले का खुलासा करते हुए 3 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। SP मनीष ने आज आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि लाखो थाना क्षेत्र में नकली नोटों का कारोबार किया जा रहा है। बाइक सवार युवक किसी को नोट पहुंचाने आया है। इसी सूचना पर पुलिस ने शाहपुर गांव के पास NH-31 के किनारे बगीचे में छापेमारी कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक भगवानपुर थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव निवासी अमर कुमार उर्फ मृत्युंजय कुमार है। तलाशी में इसके पास से पुलिस ने 2 लाख 7 हजार रुपए का नकली नोट बरामद किया है। पूछताछ में मिले सभी इनपुट और आउट-पुट की जांच की जा रही है। पता किया जा रहा है कि इसके तार कहां-कहां से जुड़े हुए हैं। रैकेट का खुलासा किया जाएगा। SP ने बताया कि दूसरा मामला गढ़पुरा थाना क्षेत्र का है। 11 अगस्त को दिन में फ्लिपकार्ट कंपनी का डिलीवरी ब्याय मनिकपुर से रक्सी चौक होते हुए बखरी जा रहा था। इसी दौरान डिलीवरी ब्वॉय की गाड़ी को रोककर कलेक्शन का 40 हजार रुपए और फ्लिपकार्ट कंपनी का कुछ सामान लूट लिया गया था। इस घटना को लेकर पुलिस की टीम द्वारा लगातार विभिन्न तरीके से अनुसंधान किया जा रहा था। अनुसंधान के दौरान एक युवक को रक्सी गांव से पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपने अन्य साथियों का नाम बताया। इसके बाद पुलिस टीम द्वारा नावकोठी थाना क्षेत्र के वृंदावन निवासी कुणाल कुमार, बखरी थाना क्षेत्र के सोनमा निवासी रंजन कुमार और गढ़पुरा थाना क्षेत्र के विजय नारायण निवासी सौरभ कुमार उर्फ सोल्जर को पकड़ा। एसपी ने बताया कि तलाशी की दौरान सौरभ कुमार के घर से घटना में प्रयुक्त देसी कट्टा और बाइक बरामद किया गया। इसके बाद पूछताछ और आगे की कार्रवाई चल रही है। इस मामले में एक नाबालिग को निरुद्ध भी किया गया है। प्रेसवार्ता में सदर-वन डीएसपी सुबोध कुमार और बखरी डीएसपी कुंदन कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

शराब पीकर कर रहा था हल्ला, मना करने पर घर में घुसकर बेरहमी से पीटा

समस्तीपुर। समस्तीपुर में एक महिला की कुछ लोगों ने जमकर पिटाई कर दी। घायल महिला साजिदा खातून को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना समस्तीपुर के हथौड़ी थाना क्षेत्र के बल्लीपुर गांव की है। यहां शराब पीकर गांव में हल्ला करने से मना करने पर अल्पसंख्यक समाज की एक महिला की जमकर पिटाई की गई। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना के संबंध में घायल महिला साजिदा खातून की सास रूही खातून ने बताया कि गांव के ही मनोज मंडल, सुनील मंडल आदि के बेटों द्वारा हर दिन रात में दारू पीकर हंगामा किया जाता है इस कारण लोगों को काफी परेशानी होती है। इसी बात को लेकर उन लोगों ने सभी को समझाया कि दारू मत पियो पढ़ाई लिखाई करो। इससे नाराज होकर 10-15 की संख्या में लोग उनके घर में घुस आए और घर की महिलाओं के साथ जमकर मारपीट की। महिला का आरोप है कि वहां पर अल्पसंख्यक समाज का मात्र एक ही घर है, इस कारण आए दिन लोग परिवार की महिलाओं और अन्य लोगों के साथ मारपीट किया करते है। वायरल हो रहा है मारपीट का वीडियो वायरल हो रहे मारपीट के वीडियो में दिख रहा है कि आधा दर्जन से अधिक युवक हाथ में लाठी डंडा लेकर घर में घुसकर महिलाओं से मारपीट कर रहे हैं। मारपीट करने में ज्यादातर किशोर लड़के ही दिख रहे हैं जो हाथों में डंडा लिए हुए हैं। इस दौरान कुछ लोगों द्वारा बीच बचाव भी किया गया है। हथौड़ी थाना अध्यक्ष मोनू राय ने बताया कि 1 दिन पहले साजिदा खातून का बेटा और मनोज मंडल के बेटे के बीच मारपीट की घटना हुई थी। इस घटना के बाद मनोज मंडल के बेटे और उनके समर्थकों द्वारा साजिदा खातून के घर पर लड़ाकों द्वारा लाठी डंडे से हमला किया गया। इसमें महिला घायल हो गई है। इस मामले में दोनों ओर से प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। गांव में पुलिस की गश्त भी बढ़ा दी गई है।

नीतीश के वादे पर रोहिणी ने कसा तंज

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के सामने मंच पर कहा कि दो बार गलती कर चुका हूं। अब और कहीं नहीं जाऊंगा। नीतीश कुमार के इस संकल्प के बाद लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्या ने सोशल मीडिया पर कमेंट किया है- 'कल तीज के दिन किसी ने फिर से झूठी कसम खाई, अब कहीं नहीं जाएंगे, तेरे नाम का ही सिंदूर लगाएंगे, तेरे साथ ही निभाएंगे... कौन विश्वास करेगा ! जो करेगा वो धोखा खाएगा !' आप ही कसम खा लें कि आने नहीं देंगे रोहिणी की इस तल्ख टिप्पणी पर लोग अलग-अलग तरह से कमेंट कर रहे हैं। अमन कुमार सिंह ने लिखा है- 'चलो आप ही कमस खा लो दीदी कि अब वो अगर आएंगे तो आने नहीं दीजिएगा।' अभिनव कुमार सिंह ने लिखा है- तो आप क्यों इंतजार में हैं कि चचा एक बार फिर से रोहिणी आचार्य ने सारण से लोकसभा का चुनाव लड़ा था। बीजेपी के राजीव प्रताप रूढ़ी से चुनाव हार गईं। उन्होंने लालू प्रसाद को अपनी किडनी डोनेट की है। साथ नहीं लेने का संकल्प आरजेडी ने नहीं लिया गठबंधन इंडिया का साथ छोड़ने के बाद जब से नीतीश कुमार एनडीए के साथ गए हैं आरजेडी ने नहीं कहा है लालू प्रसाद ने तो उसी समय कहा था राजनीति में किसी के लिए दरवाजा बंद नहीं होता। हां तेजस्वी प्रसाद यादव नीतीश कुमार की आलोचना लगातार कर रहे हैं। जदयू प्रवक्ता ने किया पलटवार जेडीयू के प्रदेश प्रवक्ता अरविंद निषाद ने रोहिणी आचार्य की टिप्पणी पर कहा है कि जिस प्रकार की भाषा आरजेडी के नेताओं की रही है। वह ऐसी ही रही है। रोहिणी आचार्य की टिप्पणी अशोभनीय है। अशोभनीय आचरण ही राष्ट्रीय जनता दल की पहचान बन गई है।

शाही जामा मस्जिद महाराजगंज मे जुलुस ए मोहम्मदी को लेकर बैठक करते मेंबरान ।

जुलूस मे कोई ऐसा गलती न हो जिसे किसी को तकलीफ हो ये इस्लाम धर्म एजाजत नही देता ह

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज 8 सितम्बर रविवार ।महाराजगंज मे पैगम्बर हजरत मोहम्मद सल्ललाहो अलैहे वसल्लम की यौमे पैदाइश पर जुलूस व ईद मिलादुन नबी की तैयारी के सिलसिले मे महाराजगंज शाही जामा मस्जिद के ईमाम मौलाना असरारुल हक साहब के नेतृत्व इंतजामिया कमिटी के मेमब्रानो ने एक बैठक मस्जिद के अहाते मे की। जिसमें 16 सितम्बर को मनाए जाने वाले मोहम्मदी जुलूस व जसने ईद मिलादुन्नाबी मनाने का निर्णय शांति सौहार्द पूर्ण रूप मे निर्णय लिया गया। वही ईमाम मौलाना असरारुल हक साहब ने बताया की डीजे साउंड पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा ।और जुलूस मे कोई ऐसा गलती न हो जिसे किसी को तकलीफ हो ये इस्लाम धर्म एजाजत नही देता है। जिनके याद मे यह प्रोग्राम किया जाता है वे शांति के उपासक थे। वही बैठक में जुलूस का रूट और समय पर चर्चा हुई जिसमे महाराजगंज और दुरौंधा प्रखण्ड के कई गावों से लोग भारी तादाद मे, जुलूस मे शिरकत करते है। जिन्हे तबरुख, का भी इंतजाम करने का निर्णय लिया। और गर्मी को देखते हुए शहर मे जगह जगह पानी का स्टाल लगाने की जिमेवारी जुलुस ए महम्मदी के सदस्यों को दी गई।और दूर दराज से आने वाले जायरीन को शाही जामा मस्जिद के अहाते मे 9 बजे तक पहुंचने का गुजारिश किया गया ताकि समय से जुलूस निकाला जाय। बैठक मे, पूर्व प्रमुख इम्तेयाज अहमद, पूर्व मुखिया जलील अहमद, मैनुद्दीन, निजामुद्दीन अंसारी, गौहर अली शेख रौशन अली, मास्टर शमशुद्दीन, अब्दुल्लाह अंसारी, कमालुद्दीन कुरैशी, शमीउल्लाह कुरैशी,शेख रिजवानुल्लाह, अशरफ खान, तौकीर अली, अब्दुल्लाह कुरैशी, अब्दुल्लाह अंसारी इत्यादि मौजूद थे ।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का करेंगे उद्घाटन, 150 करोड़ की लागत से बना है हॉस्पिटल

दरभंगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा पहुंच गए हैं। नड्डा सड़क मार्ग से शोभन पहुंचे। जहां एम्स निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद DMCH पहुंचे। यहां सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। डीएमसीएच परिसर में करीब 150 करोड़ की लागत से सुपर स्पेशलिटी अस्पताल बना है। डीएमसीएच में उपलब्ध स्वास्थ्य व्यवस्था की तस्वीर बदलने की उम्मीद जताई जा रही है। इससे मिथिला के सुपौल, सहरसा, मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर आदि जिलों के साथ नेपाल के मरीजों को भी लाभ मिलेगा। सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में आउटडोर और इंडोर सेवा सुचारू होने से गंभीर, असाध्य रोगियों को पटना की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। 210 बेड के इस अस्पताल में न्यूरोलाजी, गैस्ट्रोलाजी, इनफर्टिलिटी, पीडियाट्रिक सर्जरी, नेफ्रोलाजी, बर्न प्लास्टिक सर्जरी, न्यूरोलाजी सर्जरी और कार्डियोलाजी सहित कुल आठ विभाग हैं। जिसमें से सात विभागों में ओपीडी सेवा आरंभ है और डॉक्टरों को तैनात किया जा चुका है। यहां गैस्ट्रोलॉजी विभाग खुलने से लोगों एडवांस उपचार पद्धति का लाभ मिलेगा। साथ ही लीवर, पीत थैली, आंत की समस्या आदि बीमारियों के मरीजों का संपूर्ण उपचार यहां उपलब्ध है। इसके अलावा किडनी, मस्तिष्क, नस, पाचन तंत्र, हार्ट, बर्न आदि के मरीज भी लाभान्वित होंगे। मरीजों को रेफर कर दिया जाता है बर्न प्लास्टिक सर्जरी विभाग की मिथिला क्षेत्र में सख्त जरूरत थी। डीएमसीएच का बर्न यूनिट वर्षों से बंद है। जबकि मधुबनी, सुपौल, सहरसा आदि जिलों में भी बर्न के मरीजों की चिकित्सा व्यवस्था नहीं है। डीएमसीएच पहुंचते ही बर्न मरीज को सीधे पटना रेफर कर दिया जाता है। सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में उन्नत आईसीयू, ऑपरेशन थिएटर, कैथलैब के साथ एडवांस तकनीक की उपचार का बंदोबस्त है। हालांकि लोकार्पण के बावजूद इंडोर सुविधा के लिए लोगों को अभी इंतजार करना पड़ेगा। टेक्निशियन और स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती के बाद पूरा लाभ मिलेगा बताया जाता है कि इंडोर उपचार के लिए दक्ष टेक्निशियन और कर्मियों की जरूरत है। बिना टेक्निशियन की तैनाती के यहां की जांच मशीनों और कैथलैब का संचालन नहीं हो पाएगा। इसे लेकर डीएमसीएच प्रशासन ने स्वास्थ्य विभाग से कर्मियों को बहाल करने की डिमांड की है। विभाग की ओर से टेक्निशियन और स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती के बाद ही सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का पूर्णरूपेण लाभ मिथिला के लोगों को मिलेगा।

बासोपट्टी पूर्वी में एक आवासीय घर में चल रहे दुकान से भारी मात्रा में दवा जब्त, प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

मधुबनी जिला के बासोपट्टी पूर्वी में एक आवासीय घर में चल रहे दुकान पर पुलिस ने तलाशी के दौरान भारी मात्रा में कई कार्टून प्रतिबंधित नशीली दवा जब्त किया.एसआई मुन्ना कुमार के नेतृत्व में पीएसआई राजेश कुमार के साथ पुलिस बल के जवानो ने दिलीप महतो के आवासीय घर पहुंची.मिली जानकारी के अनुसार पुलिस बाईक की सत्यापन के लिए दिलीप महतो के घर पर पहुंची हुई थीं.इसी क्रम में पुलिस को भनक मिली कि नशीली दवा का कारोबार चल रहा है.जिसके बाद पुलिस ने इस पर आगे की जांच पड़ताल एवं कारवाई शुरू किया.पुलिस ने इसकी सूचना बीडीओ को दिया.सूचना पाकर बीडीओ भी पहुंचे.पाया कि आवासीय घर के अंदर खुली दुकान में भारी मात्रा में प्रतिबंधित दवा का कार्टून है.दवाएं मिलने के बाद फौरन थानाध्यक्ष अरविंद कुमार,एसआई कंचन कुमार सिंह,राजकिशोर कुंवर,पीएसआई राजेश कुमार सहित कई पुलिस पदाधिकारी दल बल के साथ आवासीय घर के चारों तरफ घेरकर भारी मात्रा में सामान जब्त किया है.करीब छह हजार बोतल का कई कार्टून एवं भारी मात्रा में टेबलेट जब्त कर थाना पर लाया गया.जिसके बाद पुलिस आगे की कारवाई में जुट गई.पुलिस के कारवाई से कारोबारियों में हड़कंप मच गई.पुलिस ने कई घंटो तक मकान की सघन तलाशी लिया.भारी मात्रा में कई कार्टून नशीला पदार्थ को आवासीय घर से निकाला.इस मामले को लेकर एसआई मुन्ना कुमार के लिखित प्रतिवेदन पर दिलीप महतो के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज हुई.पुलिस के पहुंचने से पहले दिलीप महतो घर से फरार हो गए.।

घर की सफाई के दौरान निकला सांप, अस्पताल पहुंचते ही बेहोश हुआ पीड़ित

समस्तीपुर। समस्तीपुर में शनिवार सुबह एक युवक को कोबरा ने डस लिया। युवक कोबरा को लेकर सदर अस्पताल पहुंच गया। डॉक्टर से कहा इसी सांप ने मुझे डसा है। मेरा इलाज कीजिए। इतना कहते-कहते वो बेहोशी की स्थिति में आ गया। युवक को 4 वायल स्नेक बाइट इंजेक्शन दिया गया। अभी वो सामान्य है। पीड़ित जगन्नाथ कुमार है। जगन्नाथ सुबह घर की सफाई कर रहा था। इसी दौरान हादसा हुआ। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लगूनिया सूरजकंठ गांव की है। कोबरा को जंगल में छोड़ा गया पीड़ित ने बताया कि घर के अंदर कोबरा सांप दिखा। बाहर भगाने की कोशिश करने लगा, इसी दौरान अचानक कोबरा ने डस लिया। इसके बाद सांप को प्लास्टिक के डिब्बे में बंद किया और परिवार के सदस्यों के साथ अस्पताल पहुंच गया। सदर अस्पताल के कर्मियों का कहना है कि सांप विषैला था, जिस कारण उसका जहर फैल रहा था। अस्पताल आते-आते उसकी बेहोशी की स्थिति बन गई थी। तत्काल उसका उपचार शुरू हुआ।

उर्दू-मैथिली में सहायक प्राध्यापकों को महाविद्यालय आवंटित

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के अधीन अंगीभूत कॉलेजों में बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग (बीएसयूएससी) से बहाल उर्दू और मैथिली विषय के सहायक प्राध्यापकों को कॉलेज आवंटित कर दिए गए हैं। विश्वविद्यालय के अधीन दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर और बेगूसराय के अंगीभूत कालेजों में 17 उर्दू और 17 मैथिली के सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति की गई है। किनकी कहां दी गई पोस्टिंग उर्दू विषय के प्राध्यापक सबा मामू रहमानी को आरबी कॉलेज दलसिंहसराय, जावेद अख्तर मिल्लत कॉलेज दरभंगा, मो. आफताब आलम को एमकेएस कॉलेज चंदौना, सुफैया फातमी को एमआरएम कॉलेज दरभंगा, शबनम को सीएम कॉलेज दरभंगा, ऐमन ओबैद को यूआर कॉलेज रोसड़ा, इलियास अहमद को केवी साइंस कॉलेज बेनीपट्टी, मो. फारूक को जीडी कॉलेज बेगूसराय, राशदा अमजदी को गजाला तसलीम को एसकेएम कॉलेज बेगूसराय, आबिद करीम को जेके कॉलेज बिरौल, मसरूर अहमद हैदरी को जीडी कॉलेज बेगूसराय, अब्दुर्रहीम को एपीएसएम कॉलेज बरौनी और कुर्रतुल अलीन को एमएलएसएम कॉलेज दरभंगा में पोस्टिंग की गई है।

बेगूसराय में आरोपी गड़ासा से खून साफ कर रहा था; ग्रामिणों ने पकड़कर की पिटाई

बेगूसराय। बेगूसराय में शनिवार को एक 10 साल के बच्चे का शव मिला है। बच्चे का सिर धड़ से अलग था। जानकारी के मुताबिक, आरोपी ने धारदार हथियार से बच्चे का गला काटकर उसकी हत्या कर दी। फिर वहीं पास के झाड़ी में छिप गया। आरोपी वहां छिपकर गड़ासा से खून साफ कर रहा था, इसी बीच ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और जमकर उसकी पिटाई कर दी। फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बच्चे की हत्या क्यों की गई, इसका पता अभी नहीं चल पाया है। मृतक की पहचान अनिल कुमार महतो के बेटे अंकुश कुमार(10) के रूप में की गई है। आरोपी विजय कुमार महतो (35) भी उसी गांव का रहने वाला है। घटना मंसूरचक थाना क्षेत्र के साठा बरकुरवा गांव की है। डीएसपी डॉ. रविंद्र मोहन प्रसाद ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। सभी पहलुओं पर मामले की छानबीन चल रही है। लोगों को समझा-बुझाकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। लोगों के हल्ला करने पर घटना की हुई जानकारी पिता अनिल कुमार महतो ने बताया, 'बच्चे आए दिन इधर खेलने आते हैं। आज भी सभी बच्चे खेलने आए थे। इसके कुछ देर बाद जब मेरा बच्चा नहीं मिला तो उसको ढूंढना शुरू किए। इस दौरान बहियार से लोगों की आवाज आई की यहां एक बच्चे का सिर धड़ से अलग मिला है। जब जाकर देखे तो मेरा ही बच्चा था। आरोपी को जब हमलोगों ने खोजने की कोशिश की तो देखा वो झाड़ियों में छिपकर गड़ासा में लगा खून साफ कर रहा था। एक भतीजे का हाथ भी कटा मिला है। उसने एक-दो और आदमी का भी हाथ काटा है। फिर ग्रामीणों ने उसे पकड़ पिटाई कर दी और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। अनिल कुमार महतो ने कहा कि आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। प्रशासन हमारी परिस्थिति को देखते हुए मदद करे। स्पीडी ट्रायल के माध्यम से फांसी की सजा दी जाए घटना को लेकर लोगों में काफी आक्रोश है, घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी को स्पीडी ट्रायल के माध्यम से फांसी की सजा दी जाए। मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुटी हुई है। आरोपी की मानसिक स्थिति टीक नही ग्रामीणों के मुताबिक, आरोपी विजय की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है।

आरोपी 3 साल पहले अचानक घर से लापता हो गया था। काफी खोजबीन के बाद भी वह नहीं मिला। वहीं, चार महीना पहले वह अचानक गांव आया, लेकिन आने के साथ ही वह ज्यादातर घर में ही बंद रहता था। तीन-चार दिन में कभी एक बार बाहर निकलता था। मृतक के परिवार से उसका कोई विवाद भी नहीं था।

समाजवादी पार्टी की जिला कार्यकारिणी की मासिक बैठक हुई सम्पन्न

मथुरा । समाजवादी पार्टी के नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी की मासिक बैठक होटल मुकुंद पैलेस सौख अड्डा मथुरा पर आयोजित हुई इस नव निर्मित कार्यकारिणी में जिला अध्यक्ष के अलावा जिला महासचिव जिला कोषाध्यक्ष आठ जिला उपाध्यक्ष 15 जिला सचिव 27 कार्यकारिणी सदस्य एवं 26 विशेष आमंत्रित सदस्य बनाए गए हैं। बैठक की अध्यक्षता नवनियुक्त जिला अध्यक्ष वीरेंद्र यादव जी द्वारा तथा संचालन पूर्व महानगर अध्यक्ष डॉ अबरार हुसैन द्वारा किया गया बैठक में मुख्य रूप से मनोनीत सभी जिला पदाधिकारी का माला टोपी एवं अंग वस्त्र प्रदान कर स्वागत किया गया इस अवसर पर जिला अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने समस्त पदाधिकारी को एवं उपस्थित सभी समाजवादी साथियों को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी ने बहुत गंभीरता से समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मानित करते हो जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया है पिछड़े दलित अल्पसंख्या के के साथ-साथ नौजवान किसान तथा समान वर्ग के समाजवादियों को भी कार्यकारिणी में स्थान मिला है आज प्रदेश में चारों ओर अराजकता का माहौल है ।

समाज का प्रत्येक वर्ग भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार की जन विरोधी नीतियों से बुरी तरह से त्रस्त हैं किसी वर्ग को भी कोई लाभ या सुविधा इन बीजेपी की सरकारों से नहीं मिल पा रही है पूरा उत्तर प्रदेश माननीय अखिलेश यादव जी की ओर टकटकी लगाकर नजर बनाए बैठा है अखिलेश यादव जी को 2027 में उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाना समाजवादी पार्टी का लक्ष्य है सभी साथी आज ही से गांव गरीब की झोपड़ी तक जाकर मोहल्ले और नगरों में भ्रमण कर जनता के लिए संघर्ष की रूपरेखा तैयार करें इस अवसर पर वरिष्ठ नेता प्रदीप चौधरी ने कहा समाजवादी पार्टी केवल राजनीतिक पार्टी नहीं है बल्कि एक आंदोलन है एक ऐसा आंदोलन जो इस देश में समता

मूलक समाज की स्थापना करने के उद्देश्य से निरंतर संघर्ष कर रहा है देश में किसानों गरीबों मजनू बेसहारों की लड़ाई माननीय अखिलेश यादव जी के नेतृत्व में केवल समाजवादी पार्टी लड़ रही है इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष तनवीर अहमद एडवोकेट ने कहा समाजवादी पार्टी छात्रों नौजवानों महिलाओं को उनके हक और अधिकार दिलाने के लिए निरंतर सड़कों पर संघर्ष कर रही है मथुरा से भी भूगोल बच चुका है और इस बार समाजवादी पार्टी मथुरा में भी खाता खोलकर 2027 में माननीय अखिलेश यादव जी की बनने वाली

सरकार में अपनी सहभागिता ने भाई की कार्यक्रम में समस्त नवनियुक्त पदाधिकारी को नियुक्ति पत्र सौंप कर उन्हें शपथ दिलाई गई कि वह पार्टी की रीती नीतियों एवं पार्टी के दिशा निदेशों को मानते हुए जान-जनता पहुंचने का काम करेंगे और पीड़ित वर्ग के व्यक्तियों को उनका हक अधिकार और दिलाने के लिए संघर्ष करेंगे कार्यक्रम संचालन करते हुए पूर्व महानगर अध्यक्ष डॉ अबरार हुसैन ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारी का स्वागत करते हुए उनसे अपेक्षा की कि वह लोग पार्टी के लिए रात दिन तन मन धन से कार्य करेंगे पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के लिए अथक प्रयास करते रहेंगे जिला माताजी सुभाष पाल जी ने मुलायम सिंह जी डॉक्टर लोहिया जी जनेश्वर जी और तमाम उन मा मानवों का जीवन चित्रण प्रस्तुत किया जिन्होंने समाजवादी पार्टी की मजबूती के लिए कार्य किया सुभाष पाल जी ने कहा कि युवाओं को सड़कों पर उतरना होगा छात्र नौजवान जो समाजवादी पार्टी के कार्यकताएं उन्हें निरंतर पार्टी की मजबूती के लिए कार्य करना है नवनियुक्त कोषाध्यक्ष श्री मनीष अग्रवाल जी ने कहा समाजवादी पार्टी क्रांतिकारियों की पार्टी रही है और समाजवादी पार्टी ने हमेशा दवे कुचले मजदूरों दलितों के साथ-साथ व्यापारियों का सहयोग किया है ।

व्यापारियों के पक्ष में जब भी कोई फैशन लेने की बात आई है तो समाजवादी पार्टी ने दिल खोलकर व्यापारियों के हित में कार्य किया है इस देश के नवयुवक अब समझ चुके हैं कि उनको नौकरी दिलाने का काम सिर्फ अखिलेश यादव जी कर सकते हैं हम पूरे मथुरा में सर्व समाज में माननीय श्री अखिलेश यादव जी के संदेश को पहुंचाने का कार्य करते रहेंगेइस अवसर पर नवनियुक्त कार्यकारिणी की पदाधिकारी सर्वश्री चौधरी भगवान सिंह गगन रावत डॉक्टर आजाद भाई गौरव गोस्वामी शिवचरण तोमर शिवदीप अग्रवाल ओम प्रकाश विधानसभा अध्यक्ष चौधरी सतवीर सिंह राजेंद्र सिकरवार कोप्सी जादौन विशेष आमंत्रित सदस्यों में यादुराज यादव दलबीर यादव एडवोकेट बच्चू सिंह श्याम मुरारी चौहान भूरी सिंह विभोर गौतम रवि यादव मुन्ना मलिक पवन चौधरी रवि दिवाकर पूरन सिंह दिनेश मोहित धर्मेंद्र चौधरी हरेंद्र चौधरी शिवकुमार चौधरी सुभाष चौधरी धारा चौधरी कृष्ण मुरारी मैथिली महेंद्र चौधरी सचिन पहलवान कृपाल चौधरी प्रेमपाल चौधरी तुलसीराम धनगर शिव सिंह धनगर इस राणा जी अखिलेश कुमार सिंह दिगंबर सिंह आदि मौजूद रहे।

केएम परिवार को बारिश के बीच आशीर्वाद देने पहुंचा पार्वती देवी का लाडला

मथुरा। केएम विश्वविद्यालय में गणेश चतुर्थी पर्व को लेकर धूम मची हुई है, शनिवार की शाम गणपति बप्पा मोरिया और तेज बारिश के बीच बैंड बाजों की धुन और एमबीबीएस के छात्र-छात्राओं के नाच गाने के बीच गणेशजी की प्रतिमा विवि के परिसर स्थित पंडाल में विराजित की गई। उल्लेखनीय रहे कि यह गणेश महोत्सव समापन 09 सितम्बर को गणेश विसर्जन के साथ होगा। बारिशों की झमाझम के बीच आज केएम विवि में गौरा के लाल गणेशजी ने अपना आशीर्वाद विश्वविद्यालय परिवार को दिया। गणपति को वैदिक मंत्रों के बीच पंडाल में विराजित किया गया। गणपति बप्पा मोरिया के उद्घोष से पूरा केएम विश्वविद्यालय का परिसर गुंजेमान हो उठा। डाक्टर की शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्र-छात्राओं ने इस अवसर पर

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विशाल गणेशजी भगवान की प्रतिमा को देखकर पूरे परिसर में मौजूद छात्र-छात्राएं, पीजी डाक्टर सहित अस्पताल का समस्त स्टाफ पार्वती के लाड़ले की अलौकिक छवि को निहारते रह गए। पंडाल में विराजमान गणेशजी अलौकिक छवि सभी को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। इस बीच मेडीकल के 2020-22 के बैंच के स्टूडेंटों सहित यूजी, पीजी के डाक्टरों ने पूजा अर्चना में बढ़चढ़कर भाग लिया। गणेश जी प्रतिमा स्थापित करने के कार्यक्रम में मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी, कुलपति डा. डीडी गुप्ता, प्रतिकुलपति डा. शरद अग्रवाल, रजिस्ट्रार डा. पूरन सिंह, सब रजिस्ट्रार सुनील अग्रवाल, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे, एडिशनल मेडीकल सुपरिटेंडेंट आरपी गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक डा. मनोज कुमार, सब रजिस्ट्रार सुनील अग्रवाल, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ प्रमोद कुमार, एएमएस डॉ आरपी गुप्ता, आर्ट्स एंड साइंसेज के डीन, डॉ धर्मराज सिंह, मैनेजमेंट एंड कॉमर्स के डीन डॉ सीपी वर्मा, एग्रीकल्चर के डीन प्रो संजीव शर्मा, एजुकेशन के डीन डॉ जेएस राठौर, वोकेशनल के डीन डॉ सुनील कुमार सिंह, चीफ प्रॉक्टर डॉ विपिन सोलंकी, डा. दाऊदयाल, डा. कमल पांडे, डॉ प्रीति पोरवाल, अनिल चतुर्वेदी, श्रीमती संजू बाला, रूपकिशोर शर्मा, सुमित शर्मा, शैलेन्द्र शर्मा, करन सिंह, जगवीर सिंह, चन्द्रेश कुमार, नवनीत सिंह, भूपेंद्र सिंह, ललित कुमार, मनीष कुमार, मुदित कुमार, राजेश कुमार (बाबू जी), अजय कुमार तौमर आदि के साथ-साथ यूजी, पीजी के डाक्टर, मेडीकल के छात्र-छात्राएं तथा हॉस्पिटल का समस्त स्टाफ मौजद रहे।

औरंगाबाद रामलीला कमेटी की प्रथम वार्षिक बैठक सम्पन्न

मथुरा । औरंगाबाद ामलीला कमेटी औरंगाबाद रजिस्टर्ड की प्रथम वार्षिक बैठक मुंबई वालों की धर्मशाला औरंगाबाद में रामलीला कमेटी के संरक्षक श्री विष्णु स्वरूप निषाद जी की अध्यक्षता में आयोजित की गई बैठक का संचालन कमेटी के सचिव राजेश सैनी ने किया ।\

उक्त बैठक में सर्वप्रथम कमेटी के महामंत्री ताराचंद अग्रवाल द्वारा आए व्यय का विवरण दिया गया साथ ही सर्वसम्मति से रामलीला कमेटी का अध्यक्ष नंदलाल उपाध्याय को चुना गया अध्यक्ष का कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा पटका पहनाकर स्वागत किया बैठक में पार्षद बंटी सैनी, बालकिशन अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, ताराचंद सैनी, पवन शर्मा, पाठक जी, जगदीश सैनी, लक्ष्मी नारायण शर्मा, मुरारी लाल अग्रवाल, योगेश चौधरी, विशंबभर दयाल शर्मा, जसवंत सिंह कुशवाहा, शिवराम यादव, ओम प्रकाश मल, राकेश गोयल, अमित शर्मा, जितेंद्र सिंह कुशवाहा, आदि लोग उपस्थित रहे।

श्री गिरिधर नारायण सेवा ट्रस्ट के द्वारा रसरानी महाआरती घाट पर धूमधाम से किया गया गया श्रीयमुना महारानी का चुनरी मनोरथ

वृन्दावन। केशीघाट क्षेत्र स्थित रसरानी महाआरती घाट पर श्री गिरिधर नारायण सेवा ट्रस्ट के द्वारा हरितालिका तीज एवं वामन जयंती के उपलक्ष्य में श्रीयमुना महारानी का दिव्य व भव्य चुनरी मनोरथ प्रख्यात धमार्चार्य पं. रामप्रपन्नाचार्य महाराज के पावन सानिध्य में अत्यंत श्रद्धा और धूमधाम के साथ संपन्न हुआ।जिसके अंतर्गत समस्त भक्तों-श्रद्धालुओं ने आचार्य भुवनेश शुक्ला के आचार्यत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य श्रीयमुना महारानी का पूजन करके दीप दान किया गया।साथ ही 251 मीटर चुनरी से श्रीयमुना महारानी का मनोरथ किया।तत्पश्चात धूनी आरती व महाआरती आदि के कार्यक्रम किए गए।साथ ही प्रख्यात भजन गायकों द्वारा यमुना महारानी की महिमा से ओतप्रोत भजनों का गायन किया गया। श्री गिरिधर नारायण सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष पंडित राम प्रपन्नाचार्य महाराज ने कहा कि यमुना महारानी समस्त ब्रजवासियों की परमाराध्य हैं।उनकी महिमा वेदों व पुराणों में भी कहीं गई है।गर्ग संहिता के अनुसार श्री यमुना महारानी गोलोक से ही आयी हैं और गोलोक ही पहुंचती हैं। इन्होंने

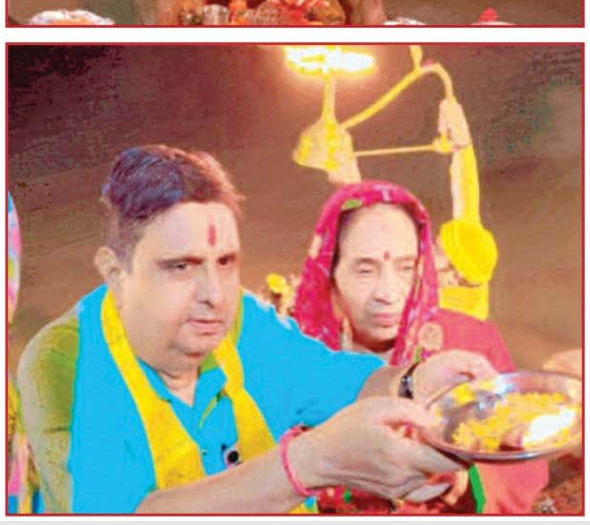

सदियों और सभ्यताओं के उत्थान-पतन देखे, लेकिन इनका प्रवाह कभी बाधित नहीं हुआ।यमुना महारानी ने अपने पिता सूर्यदेव और भ्राता शनिदेव को भी ब्रज में ही बसाया है।जिनके दर्शनों के लिए यहां देश-विदेश के श्रृद्धालु ब्रज में आते हैं। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे ब्रज सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने कहा कि यमुना महारानी सप्त नदियों में से एक हैं।ये अत्यंत चमत्कारी व पुण्यदाई हैं। इनकी पूजा व आराधना करने से व्यक्ति को मनवांछित फल की प्राप्ति होती है।प्राचीन काल के वेदव्यास, सौभर ऋषि, गगार्चार्य,पाराशर, अत्रि, दुवार्सा आदि की विद्या का विकास भी यमुना महारानी की धारा के संस्पर्श से ही हुआ है। इस अवसर पर मुख्य यजमान अजय सोनथलीया (मुंबई), गौदास महाराज, मनोज तोड़ी, श्रीमती मानसी तोड़ी, श्यामजी निहोतिया, करन पंजाबी, आकाश आचार्य, भागवताचार्य ध्रुव कृष्ण महाराज, डॉ. राधाकांत शर्मा, श्याम दीक्षित आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों से आए तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

छाता में ढोल नगाड़ों के साथ धूमधाम से निकली गणपति जी की भव्य शोभायात्रा

मथुरा। छाता समाजसेवी संस्था द स्मार्ट ग्रुप के द्वारा स्वर्गीय मुरली पाटिल की याद में सप्तम गणपति महोत्सव शोभायात्रा का शुभारंभ शेरगढ़ रोड से प्रारम्भ कर नगर में बैंड बाजो के साथ भृमण करती हुई रत्नेस्वर महादेव मंदिर पर गणपति बप्पा जी को विराजमान किया गौरव अविरल शास्त्री द्वारा भाद्रपद मास की चतुर्थ को गणपति स्थापना पूजा विधि विधान से सम्पन्न कराई गई संस्था के मीडिया प्रभारी जयन्त वार्ष्णेय ने बताया गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर गणपति जी की स्थापना की गई जिसमें सनातन धर्म प्रेमी महिला पुरुषों ने गणपति पूजा में पूजन कर गणपति बप्पा से आशीर्वाद प्राप्त किया सुख समृधि की कामना की शोभायात्रा में आदित्य वार्ष्णेय शुभम वार्ष्णेय निखिल गुप्ता पवन सोनी ललित सोंनी गौरव गुप्ता भारत सोंनी छोटू वार्ष्णेय। प्रदीप कुमार मुकेश जादौन विष्णु सिंह आदि भक्तो ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

मंडलायुक्त और एडीजी ने राधाष्टमी मेला की तैयारियों की समीक्षा की

मथुरा । बरसाना में तीन दिन बाद राधाष्टमी मेला का आयोजन होगा। इसकी तैयारियों को परखने के लिए मंडलायुक्त और एडीजी दोनों अधिकारियों के काफिला के साथ शनिवार को बरसाना पहुंची। जहां उन्होंने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हए पार्किंग स्थल व मंदिर में प्रवेश व निकास द्वारों पर भीड़ एकत्र न हो इसके लिए अधीनस्थों को निर्देश दिए। जन्मोत्सव दर्शनों मंदिर जाने का मार्ग वनवे रहेगा। शनिवार को मंडलायुक्त रितु महेश्वरी एडीजी अनुपमा कुलश्रेष्ठ,आईजी दीपककुमार, डीएम शैलेश कुमार सिंह, एसएसपी शैलेंद्र कुमार पांडेय सुबह 11.30 बजे जिले के तमाम विभागों के अधिकारियों के साथ बरसाना स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में राधाष्टमी मेला की तैयारियों की समीक्षा बैठक लेने पहुंची। दोनों अधिकारियों ने एक एक करके सभी विभागों की तैयारियों की जानकारी ली । जिसमें मंडलायुक्त ने कुछ बिंदुओं पर सुधार करने के निर्देश देते हुए कहा कि राधा रानी के जन्म दर्शनों के लिए सभी श्रद्धालु के लिए मंदिर जाने के लिए एकल मार्ग की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालु सीढ़ियों सुदामा चौक के रास्ते राधा रानी मंदिर जाएंगे। मंदिर के निकास द्वार से जयपुर मंदिर होते हुए गाड़ियों वाले रास्ते से नीचे उतारे जाएंगे। वन-वे रास्ते को सुचारू रखना प्रशासन की प्राथमिकता रहेगी । मंन्दिर के अंदर बैरिकेटिंग लगाकर दर्शन कराए जाएंगे। श्रद्धालुओं को रास्ते में बैरिकेटिंग के माध्यम से रोक-रोककर टुकड़ियों में दर्शनों को भेजा जाएगा। मन्दिर के मुख्य द्वार पर भीड़ का दवाब ना बढ़े इसलिए श्रद्धालुओं को बीच-बीच में रोका जाएगा ताकि मन्दिर में भीड़ एक साथ एकत्रित ना होने पाए। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से अपील की कि वे धैर्य के साथ दर्शन करें किसी प्रकार धक्का मुक्की नहीं करें। मंन्दिर परिसर में जितना स्थान है उतने श्रद्धालुओं को टोलियों में दर्शन कराया जाएगा। सेवायतों के द्वारा राधाजी के जन्माभिषेक दर्शन करीब एक घंटे कराए जाएंगे। इसके बाद आधा से पौन घंटे मंदिर बंद होगा। तदोपरांत श्रृंगार के बाद पुनः दर्शन होंगे। फिर सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक निरंतर राधा रानी के दर्शन होते रहेंगे। एडीजी अनुपमा कुलश्रेष्ठ -भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के प्रबंध के संबंध में बताया कि बरसाना राधाष्टमी मेले में 10 तारीख से जोनल स्कीम लागू की जाएगी। करीब 6 जोन 18 सेक्टरों में बरसाना के बांटा जाएगा।47 पार्किंग स्थल 85 बैरियर 21 होल्डिंग एरिया प्रबंध एकल मार्ग की की गई। पिछ्ले साल की कमियों को ध्यान में रखते हुए इस बार कुछ प्रमुख पाइंटों पर सुधार किया गया है। बरसाना में राधाष्टमी के दिन लगभग 11 लाख की भीड़ जुटना स्वाभाविक है। इसके लिए प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा प्रबंधन के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं । उनको और बेहतर करने के निर्देश एसएसपी को दिए । उन्होंने बताया कि बड़ी परिक्रमा के पहाड़ी वाले रास्ते में जैसी जरूरत होगी वहां पुलिस बल तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को सुरक्षा देना हमारी प्राथमिकता है, हर संभव श्रद्धालुओं को सुरक्षा देने के प्रयास किए जाएंगे। आवश्यकता पड़ने पर हर तरह से कदम उठाए जाएंगे। इसके बाद मंडलायुक्त व एडीजे व आई जी ने राधा रानी के दर्शन कर पार्किंग स्थलों व बैरियर पाइंटों को चेक किया।

बांके बिहारी की नगरी वृंदावन में मचेगी राधाष्टमी की धूम

मथुरा। रसेश्वर श्री कृष्ण की आल्हादिनी शक्ति राधा रानी के जन्मोत्सव को लेकर कान्हा की नगरी में भारी उत्साह है। ठाकुर श्रीबाँकेबिहारी जी महाराज की बाँकी नगरिया में 11 सितंबर को श्रीराधाअष्टमी पर्व व स्वामी हरिदास महोत्सव के आयोजित होने वाले दोहरे पर्व की तैयारियों में ब्रजवासी अपूर्व उत्साह के साथ जुटे हुये हैं। इस दिन 487 वें श्रीस्वामी हरिदास पाटोत्सव एवं 5252 वें श्रीराधा जन्मोत्सव के संयुक्त आयोजन पर अदभुत आभा बिखरेगी। श्रीराधाअष्टमी 11 सितंबर के दिन ब्रज के दोनों ही परम्परागत त्यौहारों को बड़े उत्साह के साथ मनाये जाने की जोरदार तैयारियां चल रहीं हैं। इनमें एक ओर ब्रज की अधिष्ठात्री श्रीराधामहारानी के 5252 वें जन्मोत्सव की और दूसरी ओर श्रीस्वामीहरिदास महाराज के 487 वें पाटोत्सव की तैयारियां द्रुत गति से चल रहीं हैं। इस विषय में श्री बांके बिहारी मंदिर के सेवायत प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी ने बताया कि स्वामीहरिदास महाराज के परम्परागत पाटोत्सव के उपलक्ष में राधाअष्टमी पर साल में मात्र एक ही दिन राजभोग आरती के पश्चात श्रीबिहारीजी महाराज के मन्दिर प्रांगण (चौक) में ललिताजी के प्राकट्योत्सव की भाव प्रदर्शिका बैनीगूंथन नामक निकुंज रासलीला आयोजित होगी। संध्या को बिहारीजी मन्दिर से चाव बधाई की भव्य शोभायात्रा सवारी नगर भ्रमण करती हुई रात्रि करीबन 1 बजे के आसपास निधिवन में पहुँचकर सम्पन्न होगी। श्रीराधाअष्टमी महोत्सव पर ठाकुर श्रीराधावल्लभ मंदिर से श्रीराधा जन्मोत्सव के उपलक्ष में ठाकुरजी की सवारी निकाली जायेगी, जो रासमण्डल में सम्पन्न होगी।

वृंदावन में गोली चलने की झूठी सूचना पर दौड़ी पुलिस

मथुरा। वृंदावन कोतवाली की मथुरा दरवाजा चौकी क्षेत्र स्थित गोरा नगर कॉलोनी में शुक्रवार की देर शाम को पुलिस को सूचना मिली कि कॉलोनी में कुछ युवकों ने फायरिंग की है मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी।` गौरा नगर कालोनी के रामानुज नगर क्षेत्र में रहने वाले निखिल तोमर पुत्र किशोर का कालोंनी में ही रहने वाले बलराम ठाकुर पुत्र ब्रजेश से किसी बात को लेकर मामूली विवाद हो गया था। जिसे लेकर बलराम और निखिल के बीच फोन पर गाली गलौज हो गई थीं। जिससे उग्र होकर बलराम` देर रात्रि अपने एक साथी के साथ निखिल के घर पर पहुंचा और गेट में लात मारने लगा। निखिल की बहन नेहा तोमर ने बताया की घटना लगभग साढ़े आठ बजे की है। उक्त युवक द्वारा की गई कई राउंड फायरिंग के बाद भी लगातार उसके भाई को फोन पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। जिससे उसके परिवार में भय व्याप्त है। पीड़िता ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है।

महंगा होगा चावल, एक्पोर्ट में राहत देने की तैयारी में मोदी सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। उपभोक्ताओं के लिए चावल महंगी कीमत पर मिल सकता है क्योंकि मोदी सरकार एक्पोर्ट में राहत देने की तैयारी कर रही है। दरअसल, वरिष्ठ मंत्रियों की एक समिति चावल की कुछ किस्मों पर लगे प्रतिबंध की समीक्षा की जरूरत पर विचार कर रही है। अगर बैन हटा तो फिर चावल की कीमत में बढ़ौतरी होना तय है। वहीं, आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल जुलाई-अगस्त में चावल निर्यात पर लगे प्रतिबंधों से बासमती की तुलना में गैर-बासमती चावल पर ज्यादा असर पड़ा है।

खुले बाजार में चावल बेचना शुरू करने जा रही सरकार

सूत्रों ने कहा कि समिति जल्द ही चावल की कुछ किस्मों के निर्यात पर प्रतिबंधों में ढील देने को लेकर दिए गए सुझावों पर विचार करेगी, क्योंकि इसका केंद्रीय पूल में भंडार जरूरत से ज्यादा हो गया है। कुछ पर्यवेक्षकों का मानना है कि समिति प्रतिबंधों में ढील देने का फैसला खरीफ में धान की बोआई की स्थितिसाफ होने तक के लिए टाल सकती है। अगले महीने से केंद्र सरकार खुले बाजार में चावल बेचना शुरू करने जा रही है। केंद्र ने राज्यों को बगैर किसी निविदा के उससे चावल खरीदने की अनुमति भी दे दी है इस चावल की बिक्री 28 रुपये किलो नियत भाव पर होगी। इस फैसले से कई राज्य, खासकर दक्षिण भारत के राज्य अपनी खाद्यान्न योजना फिर से शुरू कर सकेंगे।

इस बात की भी संभावना है कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) का अतिरिक्त चावल एथनॉल बनाने के लिए भी दिया जाए, जो पिछले कुछ महीने से रुका हुआ है। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि अनाज से एथनॉल बनाने वाले सरकार पर (ओएमसी) द्वारा एथनॉल की एफसीआई के गोदामों से सस्ते खरीद दर में वृद्धि करने की मांग की चावल की आपूर्ति बहाल करने की थी मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि ऐसा न होने से उनके संयंत्र बंद हो जाने खतरा है। उनका कहना है कि पिछले 6 महीने में खुले बाजार में टूटे चावल की कीमत औसतन 22 से 24 रुपये किलो से बढ़कर 27 से 29 रुपये किलो हो गई है। मक्के की कीमत भी औसत 22 से 23 रुपये किलो से बढ़कर 26 से 27 रुपये किलो पहुंच गई है। इस कीमत पर भी आपूर्ति सीमित है। ग्रेन एथनॉल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (जीईएमए) ने हाल ही में केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी को पत्र लिखकर एफसीआई के अतिरिक्त चावल की आपूर्ति बहाल करने या तेल विपणन कंपनियों (ओपीएस) द्वारा एथनॉल की खरीद दर में वृद्धि करने की मांग थी। सेंट्रल पूल में 1 जुलाई को चावल का स्टॉक करीब 563.1 लाख टन (धान सहित) था, जो पिछले साल की समान अवधि के स्टॉक की तुलना में करीब 16 प्रतिशत ज्यादा है। साथ ही मौजूदा स्टॉक, बफर स्टॉक के मानकों से उल्लेखनीय रूप से अधिक है। सूत्रों ने कहा कि मंत्रियों की समिति बासमती के न्यूनतम निर्यात मूल्य को मौजूदा 950 डॉलर से घटाकर 850 डॉलर करने पर भी विचार कर सकती है। इसके अलावा कुछ रॉ राइस को 500 डॉलर प्रति टन के हिसाब से निर्यात की अनुमति मिल सकती है, साथ ही प्रीमियम चावल की किस्मों जैसे सोना मसूरी और गोविंद भोग के निर्यात की भी अनुमति मिल सकती है।

कॉलेज पासआउट दो से में एक युवा के पास रोजगार के लिए जरूरी योग्यता नहीं, सर्वे में खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। आर्थिक सर्वे के अनुसार भारत की तेजी से बढ़ती जनसंख्या का 65 प्रतिशत 35 वर्ष से कम उम्र का है, लेकिन उमें से कई लोगों के पास आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक कौशल का अभाव है। अनुमान बताते हैं कि लगभग 51.25 प्रतिशत युवा रोजगार के योग्य माने जाते हैं। दूसरे शब्दों में इसका मतलब है कि सीधे कॉलेज से बाहर आने वाले लगभग दो में से एक युवा अब भी आसानी से रोजगार के योग्य नहीं है। हालांकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि पिछले दशक में स्किल्ड युवाओं का प्रतिशत लगभग 34 प्रतिशत से बढ़कर 51.3 प्रतिशत हो गया है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने बताया कि भारत में शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण की स्थिति पर एनएसएसओ, 2011-12 (68वें दौर) की रिपोर्ट के अनुसार, 15-59 वर्ष की आयु के व्यक्तियों में लगभग 2.2 प्रतिशत ने औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वहीं, 8.6 प्रतिशत ने गैर-औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आर्थिक सर्वे के अनुसार देश में बढ़ते मानव संसाधन को काम मुहैया कराने के लिए गैर कृषि क्षेत्र में 2030 तक सालाना 78.5 लाख रोजगार सृजन करने की जरूरत है। सर्वे में कहा गया है कि कामकाज की उम्र का हर व्यक्ति नौकरी ही नहीं करेगा। उनमें से कुछ स्वरोजगार भी करेंगे और कुछ लोग नियोक्ता भी बनेंगे। सर्वे में कहा गया है कि देश का आर्थिक विकास नौकरियों से ज्यादा लोगों को आजीविका मुहैया कराने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सभी स्तर के सरकारों और निजी क्षेत्र को भी इस में योगदान देना होगा। आर्थिक सर्वे के अनुसार कृषि क्षेत्र का श्रम बल जो 2023 में 45.8 प्रतिशत है वह 2047 तक धीरे-धीरे घटकर 25 प्रतिशत पर पहुंच सकता है। इसलिए 2030 तक हमें गैर कृषि क्षेत्र में सालाना करीब 78.5 लाख रोजगार मुहैया कराने होंगे। सर्वे के अनुसार 78.5 रोजगार सृजन का लक्ष्य पीएलआई (5 साल में 60 लाख रोजगार), मित्र टेक्सटाइल स्कीम (20 लाख रोजगार) और मुद्रा योजनाओं के क्रियान्वयन से हासिल किए जा सकते हैं।

फाइनेंस फर्मों के साथ-साथ इन्फ्रा और ऑटो कंपनियों को हो सकता है फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला आम बजट मंगलवार 23 जुलाई को पेश होगा। सरकार से व्यक्तिगत टैक्स को कम करके या कंज्यूमर-सेंटर्ड क्षेत्रों पर खर्च बढ़ाकर एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में खपत को बढ़ावा देने की उम्मीद है। रायटर्स के मुताबिक ब्रोकरेज फर्मों ने कहा कि इससे कंज्यूमर्स गुड्स मेकर्स, रियल एस्टेट और हाउसिंग फाइनेंस फर्मों के साथ-साथ इन्फ्रा और ऑटो कंपनियों को फायदा हो सकता है, लेकिन कुछ क्षेत्रों को नुकसान भी हो सकता है। सिटी के मुताबिक सरकार द्वारा खपत को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण योजनाओं के लिए अधिक धन आवंटित किए जाने की उम्मीद है। इससे हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी एफएमसीजी कंपनियों और टीवीएस मोटर व हीरो मोटोकॉर्प जैसी दोपहिया वाहन निर्माताओं को फायदा मिल सकता है।

जॉब रिजर्वेशन विवाद में बैकफुट पर फोनपे के मालिक, बिना शर्त मांगी माफी

नईदिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक में अटके पड़े नौकरी आरक्षण विधेयक पर अपनी टिप्पणी को लेकर मचे बवाल के बीच फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी कंपनी फोनपे के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और फाउंडर समीर निगम ने रविवार को बिना शर्त माफी मांगी। उन्होंने कहा कि उनका कभी भी राज्य और उसके लोगों का अपमान करने का इरादा नहीं था। बता दें कि हाल ही में एक बयान के कारण फोनपे को सोशल मीडिया पर आलोचना और बहिष्कार का सामना करना पड़ा था। दरअसल, निगम ने कर्नाटक सरकार के नौकरियों के लिए कोटा विधेयक की आलोचना की थी। इसमें मूल रूप से प्राइवेट सेक्टर में स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण का प्रस्ताव था। यह प्रस्ताव फिलहाल निलंबित कर दिया गया है।

कंपनी ने क्या कहा?

रविवार को एक बयान जारी करते हुए समीर निगम ने कहा कि फोनपे का जन्म बेंगलुरु में हुआ था और टीम को ऐसे शहर में अपनी जड़ों पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है, जो अपनी ग्लोबल टेक्नोलॉजी टैलेंट और वाइब्रेंट डायवर्सिटी के लिए जाना जाता है। निगम ने कहा, मैंने हाल ही में मीडिया में कुछ रिपोर्ट्स पढ़े हैं, जिनमें मैंने पिछले सप्ताह नौकरी आरक्षण विधेयक मसौदे के बारे में कुछ व्यक्तिगत टिप्पणियां की थीं। मैं सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि कर्नाटक और उसके लोगों का अपमान करने का मेरा कभी इरादा नहीं था।

130 रुपये के शेयर ने पहले ही दिन दोगुना किया पैसा, 90 प्रतिशत फायदे पर लिस्टिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। सती पॉली प्लास्ट की शेयर बाजार में जबरदस्त लिस्टिंग हुई है। सती पॉली प्लास्ट के शेयर 90 पर्सेंट के प्रीमियम के साथ 247 रुपये पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में सती पॉली प्लास्ट के शेयर का दाम 130 रुपये था। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 12 जुलाई 2024 को खुला था और यह 16 जुलाई तक ओपन रहा। सती पॉली प्लास्ट के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 17.36 करोड़ रुपये का था।

शानदार लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

धमाकेदार लिस्टिंग के ठीक बाद सती पॉली प्लास्ट के शेयर 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 259.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। जिन इनवेस्टर्स को आईपीओ में कंपनी के शेयर अलॉट हुए हैं, उनका पैसा पहले ही दिन दोगुना हो गया है। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 86.30 पर्सेंट थी, जो कि अब 63 पर्सेंट रह गई है। सती पॉली प्लास्ट की शुरुआत जुलाई 1999 में हुई थी। कंपनी मल्टीफंक्शनल फ्लेक्सिबल पैकेजिंग मैटीरियल्स की मैन्युफैक्चरिंग करती है। सती पॉली प्लास्ट की 2 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं। एक प्लांट की हर महीने की कैपेसिटी 540 टन है। दूसरा प्लांट नोएडा के उद्योग केंद्र में है और इसकी कैपेसिटी भी महीने की 540 टन की है। कंपनी अपने पैकेजिंग मैटीरियल की सप्लाई असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र और राजस्थान में करती है। सती पॉली प्लास्ट का आईपीओ टोटल 499.13 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 670.62 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के आईपीओ में नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का कोटा 569.52 गुना सब्सक्राइब हुआ। जबकि क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 146 गुना दांव लगा। सती पॉली प्लास्ट के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स सिर्फ 1 लॉट के लिए अप्लाई कर सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1000 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को 130000 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा है।

1 से बढ़कर 110 पर आया टाटा का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा टेलीसर्विसेज (महाराष्ट्र) (टीटीएमएल) के शेयर आज सोमवार को फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 8 प्रतिशत तक चढ़कर 110 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। बता दें कि पिछले कई 5 कारोबारी दिन से टाटा ग्रुप के इस शेयर में रॉकेट की स्पीड है। पांच दिन में यह शेयर करीबन 50 प्रतिशत तक चढ़ गया है। इससे पहले शुक्रवार के इंट्रा-डे कारोबार में बीएसई पर यह शेयर 14 फीसदी की बढ़त के साथ 20 महीने के उच्चतम स्तर 111.48 रुपये पर पहुंच गया था। आपको बता दें कि टीटीएमएल के शेयर में लगातार मुनाफावसूली हो रही थी और यह शेयर 70 रुपये से नीचे पहुंच गया था। इसका 52 वीक का लो प्राइस 65.29 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 20,999.83 करोड़ रुपये है। बता दें कि 27 मार्च 2020 को इस शेयर की कीमत 1 रुपये थी। यानी अब तक यह शेयर 10,900 प्रतिशत चढ़ गया है।

कंपनी का कारोबार

टाटा टेलीसर्विसेज लिमिटेड अपनी सहायक कंपनी टीटीएमएल (टाटा टेलीसर्विसेज) के साथ एंटरप्राइज क्षेत्र में बढ़ती बाजार प्रमुख है। यह टाटा टेली बिजनेस सर्विसेज (टीटीबीएस) ब्रांड नाम के तहत देश में व्यवसायों के लिए कनेक्टिविटी, सहयोग, क्लाउड और सास, सुरक्षा और मार्केटिंग सॉल्यूशंस का एक बड़ा पोर्टफोलियो प्रोवाइडर है। टाटा टेलीसर्विसेज के पास व्यापक, उच्च गुणवत्ता और मजबूत वायरलाइन नेटवर्क है और यह भारत भर के 60 से अधिक शहरों में अपने उत्पाद और सेवाएं प्रदान करता है।

24 जुलाई को है बोर्ड मीटिंग

हाल ही में एक एक्सचेंज फाइलिंग में टाटा समूह की कंपनी ने कहा कि कंपनी के बोर्ड मेंबर की एक बैठक बुधवार, 24 जुलाई, 2024 को होने वाली है। इसमें कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं। वहीं, बुधवार, 17 जुलाई को टीटीएमएल ने कहा कि टाटा टेली बिजनेस सर्विसेज (टीटीबीएस) के एक नए रिसर्च के अनुसार, भारत के बढ़ते डिजिटल त्वरण से प्रेरित होकर, छोटे और मध्यम उद्यम (एसएमई) अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त के लिए तेजी से क्लाउड का लाभ उठा रहे हैं। देश भर में 58 प्रतिशत एसएमई का मानना है कि उनके पास उच्च स्तर की डिजिटल परिपक्वता है ।

5 शेयर करेंगे मालामाल ! अभी दांव लगाने से 3 से 4 वीक में ही हो जाएगा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बेंचमार्क निफ्टी 50 में पिछले सप्ताह 0.12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इससे लगातार सातवें सप्ताह में तेजी देखी गई। शुक्रवार के बंद (19 जुलाई) तक बेंचमार्क इंडेक्स इस साल 13 फीसदी चढ़ा है। इस बीच, कई एनालिस्ट्स का मानना है कि बाजार के हाई वैल्यूएशन और मौजूदा आय सेशन की वजह से छोटी अवधि में कुछ उतार-चढ़ाव आ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अनिश्चितता और फेड रेट कट से भी बाजार का रुख बदल सकता है। निवेशकों को केंद्रीय बजट 2024 का इंतजार है, जिसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार, 23 जुलाई को पेश करेंगी। बाजार को उम्मीद है कि बजट वृद्धि समर्थक होगा और कुछ लोकलुभावन उपायों के साथ राजकोषीय विवेक पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। एक्सपर्ट के मुताबिक, बाजार की दिशा आगामी बजट नतीजों से तय होगी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अगर बजट उम्मीद पर खरा उतरता है तो यह बाजार में अधिक स्थिरता प्रदान करेगा। ऐसे में एनालिस्ट निवेशकों को सतर्क रहने और क्वालिटी शेयरों पर दांव लगाने की सलाह देते हैं। छोटी अवधि के लिए वे उन शेयरों को खरीदने की सलाह देते हैं जो टेक्निकल इंडिकेटर पर आकर्षक दिखाई देते हैं। कई एक्सपर्ट्स की सलाह के आधार पर आपको हम 5 ऐसे शेयरों के बारे में बता रहे हैं, जो अगले 3-4 हफ्तों में 10-18 पर्सेंट चढ़ सकते हैं। जिगर एस. पटेल, आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स टाइटन कंपनी को लेकर पॉजिटिव हैं। एनालिस्ट का मानना है कि निवेशक टाइटन के शेयरों को 3,235-3,265 रेंज के भीतर खरीदने पर विचार कर सकते हैं। 3,575 के टारगेट प्राइस तक संभावित तेजी की उम्मीद की जा सकती है। स्टॉप लॉस 3,090 पर रख सकते हैं। एनालिस्ट के मुताबिक, टेक्निकल इंडिकेटर्स को ध्यान में रखते हुए बजाज फिनसर्व में 1,620-1,645 रुपये के दायरे में लॉन्ग पोजिशन शुरू करना समझदारी भरा लगता है। इस एंट्री रेंज से 1,800 का टारगेट प्राइस हो सकता है।

स्पेसेस बाय वेलस्पन ने दिखाई भोपाल की बेस्ट डीलरशिप्स

भोपाल । स्पेसेस बाय वेलस्पन ने भोपाल में स्थित अपने शीर्ष डीलरशिप स्टोर्स दानवी इंटरप्राइजेस (शेड्स एंड स्प्रेड्स) को मिली शानदार पहचान का जोरदार स्वागत किया। यह सम्मान दानवी इंटरप्राइजेस (शेड्स एंड स्प्रेड्स) के शानदार प्रदर्शन और अटूट समर्पण को दिखाता है। यह डालरशिप्स स्पेसेस ब्रांड के एक अभिन्न अंग रहा है जिसने असाधारण प्रतिबद्धता और वफादारी का प्रदर्शन किया हैए जिसने वास्तव में ब्रांड की सफलता और विकास को आगे बढ़ाया है। प्रीमियम होम टेक्सटाइल केटेगरी में एक मार्केट लीडर, स्पेसेस बाय वेलस्पन, इनोवेटिव और प्रीमियम प्रोडक्ट की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है जो स्टाइल और फंक्शन दोनों पर ध्यान केंद्रित करती है।

बजट के पहले सोने-चांदी के दाम गिरे

नईदिल्ली, एजेंसी। बजट के पहले कमोडिटी बाजार में भी सुस्ती दिखाई दे रही है। आज सोने में हल्की तेजी तो चांदी में गिरावट नजर आई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले सत्र में सोना 50 डॉलर टूटकर 2400 डॉलर पर तो चांदी 3 प्रतिशत लुढ़ककर 29.30 डॉलर के नीचे आ गई थी। घरेलू बाजार में भी सोने में 1,200 रुपए और चांदी में 2,100 रुपए की भारी गिरावट आई थी। आज भी बाजार थोड़े कमजोर ही नजर आए।

भारतीय वायदा बाजार पर सोना 71 रुपए (0.1 प्रतिशत) की तेजी के साथ 73,061 रुपए प्रति 10 ग्राम पर चल रहा था। शुक्रवार को 72,990 पर बंद हुआ था। वैसे गोल्ड आज 73,184 के भाव पर खुला था। आज चांदी भी खुली तो हरे निशान में थी लेकिन इसके बाद इसमें 278 अंकों की गिरावट दर्ज हो रही थी और ये 89,368 रुपए प्रति किलोग्राम के आसपास चल रही थी। पिछले कारोबारी सत्र में ये 89,646 रुपए पर बंद हुई थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी गिरा सोना

अंतराष्ट्रीय बाजार में सोना 2 फीसदी से ज्यादा गिरा है। इस हफ्ते सोना अपने ऑल टाइम हाई पर गया था। सितंबर में ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं से बाजार में तेजी बनी हुई थी लेकिन ऊपरी स्तरों से प्रॉफिटबुकिंग आने के चलते यूएस स्पॉट गोल्ड 1.9 प्रतिशत गिरकर 2,399.27 प्रति औंस पर आ गया और यूएस गोल्ड फ्यूचर्स 2.3 प्रतिशत गिरकर 2,399.10 प्रति औंस पर गया।

सर्राफा बाजार में भी लुढ़के सोना-चांदी

आभूषण विक्रेताओं की कमजोर मांग के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 750 रुपए की गिरावट के साथ 75,650 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके साथ सोने में पिछले छह कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर विराम लग गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 76,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 800 रुपए घटकर 75,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा। गुरुवार को यह 76,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 1,000 रुपए टूटकर 93,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही। पिछले कारोबारी सत्र में 94,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही थी। सोने की कीमतों में गिरावट का कारण वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और देश में आभूषण विक्रेताओं की मांग में आई गिरावट रही।

स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ने पैसालो डिजिटल में बड़ा निवेश किया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (बीएसईः 511700), एक अग्रणी एनबीएफसी जो वैकल्पिक वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है और सभी के लिए वित्तीय पहुंच और विकास को बढ़ावा देती है, यह घोषणा की कि एससीएमएल ने पैसालो डिजिटल लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है। पैसालो डिजिटल ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक अग्रणी वित्तीय सेवा कंपनी है।

यह निवेश एससीएमएल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है जो वित्तीय अंतर को पाटने और कम सेवा वाले क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नवीन समाधानों को उन्नत करता है। एससीएमएल का निवेश पैसालो डिजिटल को अपनी पहुंच और प्रभाव का विस्तार करने में सक्षम बनाएगा, जिससे अधिक ग्रामीण समुदायों को आवश्यक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच प्रदान की जा सकेगी।

प्रौद्योगिकी और नवाचार में एससीएमएल की विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, पैसालो डिजिटल अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म को बेहतर बनाएगा, जिससे सेवा वितरण सुचारू और कुशल होगा। इस सहयोग में संभावित रूप से अधिक लक्षित और प्रतिस्पर्धी उत्पादों की पेशकश भी शामिल है, जिसमें उधारकर्ताओं के लिए अधिक लचीले ऋ्रण मानदंड शामिल हैं। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राम गोपाल जिंदल ने साझेदारी के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हम ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उनके मिशन में पैसालो डिजिटल लिमिटेड के साथ सहयोग करने के लिए उत्साहित हैं। यह निवेश वित्तीय समावेशन के लिए हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

जो सकारात्मक सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन को प्रेरित करता है।

एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लि. ने एएलएम फूड प्रोडक्ट्स के साथ फेसिलिटी समझौता किया

मुंबई । एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीएसई: 543929, एनएसई: एचएमए एग्रो), प्रसंस्कृत खाद्य और कृषि उत्पादों में अग्रणी, ने घोषणा की है कि बफेलो मीट के लिए उसने एएलएम फूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड (एएलएम फूड), पंजाब और एएलएम इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएलएम), सहारनपुर के साथ प्रसंस्करण, फ्रीजिंग और पैकेजिंग की सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए सुविधा (फेसिलिटी) समझौते किए हैं। इससे पहले, कंपनी ने 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और के लिए अपनी आय की घोषणा की थी। 31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए, कंपनी ने अपने कुल राजस्व में 49त्न की वृद्धि दर्ज की, जो रु. 32,560.91 मिलियन (वित्त वर्ष 23) से बढ़कर रु. 48,618.72 मिलियन (वित्त वर्ष 24) हो गई। प्रभावशाली राजस्व वृद्धि के बावजूद, कंपनी के लाभ मार्जिन में गिरावट आई। यह गिरावट कच्चे माल की घरेलू कीमतों में वृद्धि और लाल सागर संकट के प्रभाव के कारण हुई है। हालांकि, प्रबंधन भविष्य के प्रति आशावादी है और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में स्थिरता आने पर लाभ मार्जिन में सुधार की उम्मीद कर रहा है। एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक खाद्य व्यापार संगठन के रूप में कार्य करती है। कंपनी जमे हुए ताजा भैंस के मांस, तैयार और जमे हुए प्राकृतिक उत्पाद, फल, सब्जियां और अनाज सहित प्रसंस्कृत खाद्य और कृषि उत्पाद प्रदान करती है। एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज दुनिया भर के ग्राहकों की सेवा करती है। कंपनी की उत्पादन क्षमता प्रति दिन 1,472 मीट्रिक टन है। कंपनी की अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा आगरा, उन्नाव, पंजाब, अलीगढ़, मेवात और परभनी में 6 शहरों में फैली हुई है। इसमें पूर्ण स्वचालन के साथ विनिर्माण और खुदरा बिक्री के लिए पूरी तरह से एकीकृत बुनियादी ढांचा है।

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

उड़ते पंछी के परों का इंद्रधनुष

पंछियों को उड़ने के लिए पंखों का तोहफा देने वाले नेचर ने वाकई अद्भुत कारीगरी दिखाई है। आओ इन पंखों को जानें और करीब से।

पर, पर हैं क्या?

पंख, पर या फैदर्स असल में पंछियों की ऊपरी त्वचा यानी स्किन पर उगने और उसे कवर करने वाली संरचना होते हैं। साइंस की भाषा में कहा जाए तो यह एपिडर्मिस के ऊपर होने वाली ग्रोथ है। साइंस यह भी कहता है कि रेप्टाइल्स के शरीर पर पाए जाने वाले स्केल्स ही असल में पक्षियों के शरीर पर पंखों के रूप में विकसित हुए हैं। पंछियों के अलावा ये कुछ अन्य प्राणियों के शरीर पर भी पाए जाते हैं। वहां इनका रूप भी अलग हो सकता है। पंख भी नाखून और बालों की ही तरह कैराटिन नाम के प्रोटीन से बनते हैं।

उड़ो और बचो भी

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

रंगों का मजेदार विज्ञान

पंछियों के पर क्रिएटिविटी के मामले में भी प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी होते हैं। रंग-बिरंगे इंद्रधनुष से ये पंख वाकई इंद्रधनुष सी ही काबिलियत रखते हैं। तुम्हें ये जानकर और भी आश्चर्य होगा कि फैदर्स में इंद्रधनुष के सारे रंग होते हैं। इनमें से ज्यादातर रंग एक खास पिगमेंट के कारण बनते हैं। यह क्रिया ठीक ऐसे ही होती है जैसे खाना बनाते समय फूड कलर्स को यूज करने पर होती है। जैसे कि जब तुम किसी पकवान में लाल या पीला रंग मिलाते हो तो वो लाल या पीले रंग का हो जाता है। ठीक उसी तरह पंखों में भी जिस रंग का पिगमेंट मौजूद होता है वो उसी रंग के नजर आते हैं। यहां एक रोचक बात यह है कि इंद्रधनुष के बाकी प्रायमरी कलर्स के पिगमेंट तो फैदर्स में होते हैं लेकिन नीले रंग का कोई पिगमेंट नहीं होता। तो फिर 'नीलकंठ' जैसे पंछी के पंखों का रंग कहां से आता है? इसके पीछे भी विज्ञान काम करता है। नीले रंग के मामले में प्रकृति द्वारा बनाई पंख की संरचना मुख्य काम करती है। नीले रंग के पंखों का आकार और संरचना इस तरह की होती है कि जब प्रकाश इस पर पड़ता है तब यह पंख केवल नीले रंग को ही हमारी आंखों पर रिफ्लेक्ट या परावर्तित करता है। यहां यह भी याद रखना कि साधारण प्रकाश में इंद्रधनुष के सारे रंग छुपे होते हैं लेकिन नीले पंखों की डिजाइन ऐसी होती है कि वो हमारी आंखों तक केवल नीला रंग ही पहुंचाता है।

एक्सपेरिमेंट

एक नीले रंग का पंख लेकर उस पर ऊपर की तरफ से फ्लैशलाइट डालो। इससे तुम्हें चमकता हुआ नीला रंग दिखाई देगा। अब इसी लाइट को फैदर के अंदर की तरफ से डालो। नीला रंग गायब हो जाएगा। मगर यही एक्सपेरिमेंट जब तुम लाल या पीले या अन्य किसी रंग के पंख के साथ करोगे तो तुम्हें किसी भी डायरेक्शन से सेम कलर ही दिखाई देगा। है ना ये नेचर का मैजिक।

हरे रंग का जादू

अब इसी तरह पंखों के हरे जादू को भी समझो। यहां भी रोचक बात यह है कि नेचर ने केवल एक ही पक्षी 'टरकॉइज' के पंखों में हरे रंग का पिगमेंट दिया है। तो फिर बाकी के हरे रंगों वाले पंख पंछियों के पास कैसे होते हैं? तो बाकी सारे हरे रंग के पक्षी असल में हरे रंग को दिखाने के लिए अपने पास मौजूद पीले रंग के पिगमेंट और ब्लू वेवलेंथ्स का कॉम्बीनेशन यूज में लाते हैं। अब नीले और पीले रंग को मिलाने पर हरा रंग बनता है ये सब जानते ही हैं।

बचाओ पंख और पक्षी भी

ये जाहिर सी बात है कि पंख किसी पक्षी के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन कुछ लोग इस बात को नहीं समझते और खूबसूरत पंखों के लिए पंछियों को मार देते हैं। दुनियाभर में इसके लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं ताकि निर्दोष पक्षियों को नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके। हां, अगर जमीन पर गिरे पंख इकट्ठे करके कोई अपने पास रखे तो कोई बात नहीं।

रोचक बातें पंखों की

पंख पंछियों के नाजुक शरीर की रक्षा का काम करते हैं। कुछ पंछी तो ऐसे भी हैं जिनके नन्हे पंख उनके लिए आइलैशेज का भी काम करते हैं। उल्लू जैसे कुछ पक्षियों के पंख उनके लिए प्रोटेक्टिव शॉल का भी काम करते हैं और दुश्मनों की नजर से उन्हें पूरी तरह छुपा देते हैं। बर्फ में रहने वाले पंछियों के पैरों में भी पंख होते हैं और वे उनके लिए स्नो शूज का काम करते हैं। ये ठंड के साथ-साथ उन्हें बर्फ में ग्रिप बनाए रखने में भी मदद करते हैं। कुछ पक्षी अपने पंखों से आवाज भी करते हैं। ये आवाज पंखों से गुजरने वली हवा के कारण पैदा होती है।

ध्यान से सुनो हर बात

कई बार तुम्हें कक्षा में सुनने का मिलता है कि तुम ध्यान से सुन नहीं रहे हो। ध्यान से सुनो। सुनोगे नहीं तो बात समझ में नहीं आएगी।

कभी तुमने सोचा है कि समझने के लिए सुनना क्यों जरूरी है? क्यों अक्सर हम कहते हैं कि ध्यान से सुनना चाहिए। अगर अच्छे वक्ता बनना चाहते हो तो सुनने की आदत डालनी चाहिए। इससे हमारे बोलने के तौर-तरीके भी सुधरते हैं। हमें मालूम पड़ता है कि इस बात को और कैसे सुंदर तरीके से बोला जा सकता है। सुनने की आदत डालने से बोलने की कला भी विकसित होती है। जब भी कक्षा में या कहीं भी कोई वक्ता बोल रहा होता है तो ध्यान से उसे सुनना भी एक कला है। अगर तुम चाहते हो कि बोलने वाले की बात को काटना है या तर्क करना है तो उसके लिए बोलने वाले की हर बात को ध्यान से सुनना बेहद जरूरी है, वरना बोलने वाला कह सकता है कि मैंने तो ऐसा कहा ही नहीं। आपने ठीक से मेरी बात नहीं सुनी। इस आरोप से तभी बचा जा सकता है, जब तुम कहने वाले की बात को गौर से सुनोगे। सुनने से दूसरों के विचारों को जाना जा सकता है। इससे तुम्हारे ज्ञान में वृद्धि होती है।

कैसे और कितना सुनो?

सुनने के लिए जरूरी है कि एक बोलने वाला भी हो। वह किस विषय पर किस गंभीरता से बोल रहा है, यह भी जरूरी है। सुनने वाले की रुचि की बात की जाए तो सुनने वाले का ध्यान खुद ब खुद बोलने वाले की ओर चला जाता है। कई बार बोलने वाले की सुस्तता की वजह से भी सुनने वाले को अच्छा नहीं लगता। जब तुम कक्षा में बैठे हो तो कक्षा में बताई जाने वाली बातों को ध्यान से सुनने की आदत डालो। इससे तुम्हारी काफी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। कक्षा में विषय को पढ़ाते वक्त मैडम बातों ही बातों में कई ऐसी बातें कह जाती हैं, जो न केवल तुम्हारे विषय की समझ के लिए जरूरी होती हैं, बल्कि जीवन में भी काम आती है। सुनते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बोलने वाला क्या बोल रहा है और क्यों बोल रहा है। कक्षा में पढ़ाए गए विषय को दूसरे को सुनाना और दूसरे से उस विषय को सुनने से ज्यादा याद होता है।

प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर कुदरत की अनुपम कारीगरी अथिरापल्ली और वाज्हचाल

दोस्तों, विश्व प्रसिद्ध नयाग्रा जल प्रपात का नाम तो तुमने सुना ही होगा। इसे देखने के लिए हर साल करोड़ों लोग वहां जाते हैं। सैकड़ों फुट ऊपर से गिरता पानी जब नीचे जाकर भाप जैसा रूप लेता है तो बरबस ही सबका मन मोह लेता है। हमारे देश में भी ऐसे कई स्थान हैं, जो इसी तरह के हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में हम वहां की सैर नहीं कर पाते। ये स्थान भी प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर हैं, कुदरत की अनुपम कारीगरी यहां दिखाई देती है। जो यहां आता है, बस यहीं का होकर रह जाता है। ऐसे ही दो जलप्रपात हैं केरल में। शोलयार वन श्रंखला के वर्षा वनों से लगा, घने संरक्षित वनों के बीच जो विभिन्न प्रजातियों के वन्य जीवन की आश्रय स्थली भी है, एक के बाद एक, दो जल प्रपात हैं, जिन्हें देख कोई भी झूमे बगैर नहीं रह सकता। यकीनन होश उड़ाने वाला प्राकृतिक सौंदर्य। नाम है अथिरापलली और वाज्हचाल। केरल के थ्रिस्सूर शहर से कोच्ची जाने वाले हाईवे पर 30 किलोमीटर चलने पर चालकुडी और वहां से बांयी और दूसरी सड़क पर 33 किलोमीटर जाने पर अथिरापल्ली का जल प्रपात पड़ेगा। यहां से 4 किलोमीटर और आगे जाएंगे तो वाज्हचाल नाम का दूसरा प्रपात भी है जिसे भारत का नयाग्रा भी कहा जाता है। पहले आप पहुंचते हैं अथिरापल्ली। यहां एक सुंदर उद्यान है। सामने ही बांस के घने झुरमुटों के बीच से आगे बढ़ने पर अपने संपूर्ण वैभव के साथ प्रवाहित हो रही चालकुडी नदी के दर्शन होते हैं। बांस की टहनियों पर उछल कूद करते अनेक बन्दर भी आपका स्वागत करते प्रतीत होते हैं। यहां लकड़ी से बने बेंच भी लगे हुए हैं, जो आपको वापसी में ललचाएंगे क्योंकि अभी तो नीचे उतरना है। दाहिनी ओर नीचे जाने के लिए आरामदायक पत्थर बिछा मार्ग बना हुआ है जो कुछ लंबा पड़ता है। अति उत्साही प्रकार के पर्यटक सीधे नीचे भी उतर सकते हैं, सीढ़ियों के प्रयोग के बिना ही। आधी दूर नीचे जाने पर ही जल प्रपात के प्रथम दर्शन होने लगते हैं भले ही गिरते पानी की गर्जना कानों में पहले से ही गूंजती रहती है। फिर आप सीधे आमने सामने रहते है इस भव्य प्रपात के। जब पानी की बूंदों की बौछार अपने मुंह पर पड़ती है उस समय आनंद की कोई सीमा नहीं रहती। यहां भी बेंचें लगी हुई हैं आपके विश्राम करने के लिए। प्रपात के बहुत करीब जन जोखिम से भरा होगा। पिकनिक मानाने के लिए प्रपात के नीचे का स्थल आदर्श है। वापस ऊपर आने के बाद हमें उन बेंचों की याद आएगी ही, जो उद्यान में लगे हुए हैं। यहां तनिक विश्राम करने के बाद आगे वाज्हचाल के लिए निकला जा सकता है। चालकुडी नाम के शहर से यहां इस 30 किलोमीटर का मार्ग सुखद है परन्तु अथिरापल्ली से आगे वाज्हचाल 4 किलोमीटर का मार्ग कच्चा और थोड़ा दुखदायी है। लेकिन जैसे ही प्रपात के दर्शन होंगे, पूरी थकान काफूर हो जाएगी। यहां भी प्रपात तक जाने की अच्छी व्यवस्था बनाई गई है। यहां से आगे का रास्ता एक वालपराई नामके हिल स्टेशन को जाता है जहां चाय के बागान भी हैं।

बीरबल की खिचड़ी

ठंड का समय था दिल्ली में बहुत ही ज्यादा ठंड पड़ी थी। उस समय बादशाह अकबर और बीरबल दोनों ही सुबह-सुबह बगीचे में घूम कर रहे थे। बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, बीरबल देख रहे हो कितनी ज्यादा ठंड है। ऐसा लग रहा है कि अगर कोई बिना गर्म कपड़ों के बाहर आ जाए तो वह तुरंत ही बर्फ की तरह जम जाएगा।

जी हां जहांपना बिल्कुल सही कह रहे हैं आप। बीरबल ने अकबर से कहा।

अच्छा बीरबल यह बताओ इतनी ठंड में भी तुम यहां आ गए। लेकिन ऐसे बहुत से लोग होंगे जो इतनी सर्दी में घर से बाहर नहीं निकल रहे होंगे और अपने कामकाज को भी नहीं कर रहे होंगे।

जी हां, जहाँपनाह आपकी बात तो सही है। लेकिन ऐसे बहुत से लोग भी है जो मजबूरी के चलते इस सर्दी में भी निकला करते हैं। मजबूरी में ऐसे काम किया करते हैं जो इस सर्द में नहीं करनी चाहिए। बीरबल ने कहा।

अकबर ने बीरबल से कहा, अच्छा लेकिन मैं यह नहीं मानता। मैं नहीं मानता कि कोई इतनी सर्दी में अपने घर से निकलेगा और काम पर जाएगा। वह तो घर के अंदर रहकर गर्म बिस्तर पर लेटा रहेगा। लेकिन उठकर काम पर नहीं जाएगा।

नहीं नहीं जहाँपनाह बात ऐसी नहीं है। लोगों की मजबूरी है कि वह इस सर्द में भी निकल करकाम करें बीरबल ने अकबर को बताया।

अच्छा! ऐसी बात है तो मुझे साबित करके दिखाओ कि कोई इतनी सर्दी में भी चंद पैसों के लिए भी काम करने को कैसे निकल सकता है। बादशाह अकबर ने बीरबल चुनौती देते हुए कहा। वही पास एक तालाब भी था जिसका पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था। बादशाह अकबर ने उस तालाब की ओर इशारा किया और बीरबल से कहा, बीरबल उस तालाब को देखो उस तालाब को देखकर ही ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसका पानी कितना ठंडा होगा। तुम एक ऐसे व्यक्ति को लेकर आओ जो रातभर इस तालाब में रहकर गुजार दें। मैं उसे ढेरों इनाम दूंगा।

बीरबल ने कहा, आपका हुकुम सर आंखों पर। आप जैसा कह रहे हैं मैं वैसा तुरंत करता हूं और आज ही एक ऐसे व्यक्ति का इंतजाम करता हूं जो यह कार्य कर देगा।

बीरबल तुरंत ही दरबार से निकला और इस बात का ऐलान कर दिया कि राजा उस व्यक्ति को ढेरों इनाम देंगे जो रात भर बगीचे की तालाब में रहकर गुजार देगा। जनता में से एक आदमी गंगाराम बादशाह के दरबार में पहुंचा और उसने राजा से कहा, बादशाह सलामत रहे। मेरे बादशाह आपने जो करने को कहा था वह करने के लिए मैं तैयार हूं।

बादशाह अकबर ने कहा, मैं तुम्हारे हिम्मत की दाद देता हूं। आज के लिए तुम हमारे मेहमान हो। जाओ और रात को हम तुम्हें उस तालाब में लेकर जाएंगे। उस तालाब पर तुम्हें पूरी रात गुजारनी है।

रात का समय हुआ। गंगाराम को तालाब के पास ले जाया गया। गंगाराम ने तालाब का पानी छूकर देखा। तालाब का पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था फिर भी गंगाराम हिम्मत करके तालाब के अंदर चला गया। शुरुआत में गंगाराम बहुत ही कांप रहा था लेकिन कुछ देर बाद वह सीधा खड़ा होकर पूरा रात गुजार दिया। दिन होते ही उसे बादशाह के दरबार पर बुलाया गया। बादशाह अकबर उसे देखकर दंग रह गए। उन्होंने तुरंत ही गंगाराम से पूछा, आखिरकार तुम पूरी रात इतनी ठंडी में कैसे रह गए? अगर मैं होता तो मैं मर ही जाता।

गंगाराम ने बादशाह अकबर के सवालों को जवाब दिया, जहांपना, पास ही में एक जलता हुआ दीपक था जिसकी ओर ध्यान कर उसे देखकर मैं पूरी रात गुजार गया। मैंने अपना पूरा ध्यान उसपर रखा।

ओह! तो यह बात है। तुमने उस दीपक से गर्मी ली और उस गर्मी से पूरी रात भर तालाब में रह गए। तो तुमने तो हम सब के साथ धोखा किया है। वैसे मैं तुम्हें जाने देता हूं क्योंकि यह काम करना आसान नहीं था। लेकिन तुमने जिस तरीके का काम किया है उसके लिए मैं तुम्हें कोई भी इनाम नहीं दूंगा। यह कहकर बादशाह ने गंगाराम को वापस भेज दिया।

वही पास में बीरबल खड़ा यह सब चीजें देख रहा था। तभी राजा ने बीरबल से कहा, देखा बीरबल इस तरह का काम कोई भी नहीं कर सकता।

बीरबल ने कहा, जी हाँ जहांपनाह आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। यह कहकर बीरबल अपने घर लौट गया। अगले दिन बीरबल ने बादशाह अकबर को खाने में आमंत्रित किया। बीरबल ने कहा, बादशाह मैं बहुत ही अच्छी खिचड़ी बनाता हूं। मैं चाहता हूं कि कल आप मेरे घर आए और मेरी हाथ की बनी हुई खिचड़ी खाए।

राजा ने बीरबल का निमंत्रण स्वीकार किया और अगले दिन बीरबल के घर जा पहुंचे। बीरबल के घर पहुंचते ही बादशाह ने बीरबल से कहा, बीरबल, लेकर आओ तुम्हारी खिचड़ी जरा हम भी तो उसका स्वाद ले कर देखें कि आखिर तुम कैसी खिचड़ी बनाते हो?

जी हां जहांपना बस खिचड़ी तैयार होने वाली है। बीरबल ने कहा।

ठीक है राजा ने कहा।

समय बीतता जा रहा था ओर राजा का भूख बढ़ता ही जा रहा था। ऐसे में बादशाह ने बीरबल से फिर पूछा, बीरबल तुम्हारी खिचड़ी बनने में और कितना समय लगेगा। मेरी भूख बढ़ती ही जा रही है।

बीरबल ने जवाब दिया, बस जहांपना कुछ देर और आप की खिचड़ी तुरंत तैयार हो जाएगी।

अच्छा ठीक है। जल्दी लेकर आओ।

ऐसे करते करते और समय बीत गया और राजा का भूख बढ़ने लगा था उन्होंने गुस्से में आकर बीरबल से पूछा, तुम क्या कर रहे हो? अभी तक तुम्हारा खिचड़ी तैयार नहीं हुआ। जल्दी लेकर आओ मुझे बहुत भूख लगी है

जी हां जहाँपनाह मैं अभी लेकर आता हूं बस यह तैयार होने वाला है। यह कहकर बिरबल फिर अपनी रसोई की ओर चला गया। कुछ समय और बीतने के बाद राजा उठकर बीरबल की रसोई की ओर जा पहुंचे। बादशाह अकबर ने देखा कि बीरबल हांड़ी(पकाने का बरतन) को आग से बहुत ही ऊपर लगाकर रखा था। जिससे कि आग की ताप उस हांड़ी तक नहीं पहुंच सकती थी। ऐसे में राजा ने बीरबल ने कहा, अरे बेवकूफ! तुम आखिर कर क्या रहे हो? ऐसे में तो तुम्हारी खिचड़ी कभी भी नहीं पकेगी।

पकेगी जहाँपनाह यह जरूर पकेगी। बीरबल ने कहा।

अरे आग का ताप तो हांड़ी में पहुंच ही नहीं रहा है तो फिर तुम्हारी खिचड़ी कैसे पक सकती है। इसके लिए आग का ताप खिचड़ी की हांड़ी तक पहुचाना चाहिए। राजा ने समझाते हुए कहा।

बीरबल ने कहा, जिस तरह से एक छोटा सा दीपक गंगाराम को ताप दे सकता है। तो इस तरह से हांड़ी को आग से ताप अवश्य ही मिल जाएगा।

यह बात सुनकर बादशाह समझ चुके थे कि उन्होंने क्या गलती की थी। तुरंत ही राजा ने बीरबल को कहा, बीरबल मैं समझ चुका हूं कि तुम आखिर कहना क्या चाहते हो। मैं तुरंत ही गंगाराम को बुलाकर उसका इनाम उसे दूंगा और मैं तुम्हारा शुक्रिया करता हूं कि तुमने मेरी गलती को मुझे बताया।

अडानी समूह अब सेमीकंडक्टर क्षेत्र में उतरेगा......महाराष्ट्र में लगाएगा प्लांट

मुंबई । गौतम अडानी की अगुवाई वाला अडानी समूह अब सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रवेश करने वाला है। अडानी समूह इजरायल के टावर सेमीकंडक्टर के साथ मिलकर महाराष्ट्र में 10 अरब डॉलर (83 हजार करोड़ रुपये) की लागत से सेमीकंडक्टर प्लांट लगाएगा। महाराष्ट्र की शिंदे सरकार ने उच्च-प्रौद्योगिकी वाली चार विशाल परियोजनाओं को मंजूरी दी है,इसमें अडानी समूह की टावर सेमीकंडक्टर के साथ साझेदारी वाली परियोजना भी शामिल है। इन परियोजनाओं में कुल 1.17 लाख करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल की उद्योग विभाग संबंधी उप-समिति की बैठक में इन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। सीएम आवास की ओर से जारी बयान में इन परियोजनाओं के तहत सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में निवेश होगा। अडानी समूह अभी तक बंदरगाह, ट्रांसमिशन, सीमेंट और कोयला कारोबार में हैं। चिप निर्माण के क्षेत्र में कदम रखना समूह के लिए बिल्कुल नया अनुभव होगा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पोस्ट में बताया कि अडानी-टावर गठजोड़ मुंबई के बाहरी इलाके तलोजा में यह चिप निर्माण संयंत्र लगाएगा। परियोजना के पहले चरण में 58,763 करोड़ और दूसरे चरण में 25,184 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इस परियोजना पर कुल निवेश 83,947 करोड़ रुपये का होगा जिससे 15,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। इस संयंत्र में शुरुआत में 40 हजार वेफर्स बनाएगा। जबकि दूसरे चरण में यह क्षमता प्रति माह 80,000 होगी। राज्य मंत्रिमंडल की उद्योग विभाग संबंधी उप-समिति ने अडानी के प्रोजेक्ट्स सहित चार परियोजनाओं को मंजूरी दी है। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया पुणे में एक यूनिट स्थापित करेगी, जिसमें एकीकृत दृष्टिकोण अपनाते हुए 12,000 करोड़ रुपये का निवेश और 1,000 नौकरियों का सृजन किया जाएगा। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर कंपनी राज्य की इलेक्ट्रिक वाहन प्रोत्साहन नीति के तहत छत्रपति संभाजीनगर में एक ई-वाहन निर्माण परियोजना स्थापित करेगी, जिसमें कुल 21,273 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इससे 12,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। पिछले दो महीनों में स्वीकृत परियोजनाओं का कुल मूल्य 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।इससे 35,000 नौकरियों के सृजन की संभावना है।

भारत की सामुद्रिक सुरक्षा बढ़ेगी और व्यापारिक मार्गों पर निर्भरता कम होगी: पीयूष गोयल

नई दिल्ली।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रस्तावित भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) से भारत की समुद्री सुरक्षा बढ़ेगी और देश के कुछ व्यापार मार्गों पर निर्भरता कम हो जाएगी। भारत और भूमध्यसागरीय देशों के बीच संबंध बढ़ने पर पर्यटन के क्षेत्र के लिए भी काफी संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा, 'पर्यटन से सांस्कृतिक और आर्थिक जुड़ाव होता है, जिसका हमें तेजी से दोहन करने की जरूरत है। हमें इसके लिए कार्यसमूह गठित करना चाहिए।' भूमध्यसागर के आसपास का क्षेत्र भूमध्यसागरीय क्षेत्र कहलाता है। इस इलाके में यूरोप, अफ्रीका और एशिया के देश शामिल हैं।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की ओर से आयोजित भारत-भूमध्यसागरीय व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि आईएमईसी कम लॉजिस्टिक लागत पर त्वरित संपर्क मुहैया कराएगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भारत और भूमध्य सागर के देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ना एक अच्छी शुरुआत है, जिससे आगे चलकर बेहतर कारोबारी संबंध विकसित हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इन देशों के साथ ब्लू इकोनॉमी, अक्षय ऊर्जा, डिजिटलीकरण, टेक्सटाइल, फार्मा, सूचना तकनीक (आईटी), विनिर्माण और कृषि क्षेत्र में संबंध बढ़ाने की अपार संभावना है। उन्होंने कहा, 'संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, जॉर्डन, इजरायल और यूरोपीय संघ होते हुए भारत, पश्चिम एशिया और यूरोप को जोड़ने के मकसद से भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 सम्मेलन में आईएमईसी की शुरुआत की गई थी।

इससे भारत की सामुद्रिक सुरक्षा बढ़ेगी और रणनीति के हिसाब से भारत की महज कुछ मार्गों पर निर्भरता कम होगी, जो इस समय हमारी सामुद्रिक सुरक्षा के हिसाब नुकसानदेह है।

एक राज्य, एक ग्रामीण बैंक'......नीति पर काम कर रही मोदी सरकार

केंद्रीय वित्त मंत्रालय आरआरबी को एकीकृत करने की तैयारी में

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय 'एक राज्य, एक ग्रामीण बैंक' नीति के तहत क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) को एकीकृत करने की योजना बना रहा है। इसका मकसद क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की दक्षता को सुधारना और प्रायोजक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बीच अनुचित प्रतिस्पर्धा को रोकना है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया, 'एक राज्य, एक ग्रामीण बैंक नीति पर विचार हो रहा है और इस पर काम चल रहा है। हमारा लक्ष्य क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की संख्या को मौजूदा 43 से कम कर करीब 30 करने की है।'

मामले से जुड़े अधिकारी ने बताया कि इसके परिणामस्वरूप प्रदर्शन के आधार पर एक राज्य के भीतर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का एक प्रायोजक बैंक में विलय होगा। इससे प्रत्येक राज्य में एक प्रायोजक बैंक होगा जो उस राज्य के अन्य ग्रामीण बैंकों की परिसंपत्तियों को अपने में मिलाएगा। अधिकारी ने कहा, 'ग्रामीण बैंकों की संख्या नहीं बल्कि गुणवत्ता बहुत महत्त्वपूर्ण है। प्रौद्योगिकी को बेहतर करने और मोबाइल बैंकिंग की उपलब्धता बढ़ाने की आवश्यकता है। एक राज्य, एक ग्रामीण बैंक नीति से इसमें मदद होगी और उनके बीच अनावश्यक प्रतिस्पर्धा भी कम होगी।' क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय स्तर पर खोले जाते हैं और इनका मकसद ग्रामीण क्षेत्रों को वित्तीय सेवाएं देना होता है। इस तरह के बैंकों को आरआरबी अधिनियम, 1976 के तहत केंद्र, राज्य सरकार और प्रायोजक बैंकों की ओर से पूंजी प्रदान की जाती है। देश का सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक सर्वाधिक 14 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का प्रायोजक है। इसके बाद पंजाब नैशनल बैंक 9, केनरा बैंक 4, बैंक ऑफ बड़ौदा तथा इंडियन बैंक 3-3, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया 2, यूको बैंक, जम्मू एंड कश्मीर बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, यूनियन बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र 1-1 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के प्रायोजक हैं।वहीं राज्यों में आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल में 3-3 आरआरबी हैं, जबकि बिहार, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, तेलंगाना में 2-2 आरआरबी हैं। वित्त वर्ष 2024 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने अभी तक का सर्वाधिक 7,571 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था और उनके सकल गैर-निष्पादित आस्तियों का अनुपात 6.1 फीसदी रहा, जो 10 साल में सबसे कम है।

टाटा सन्स कंपनी ने कमाया मुनाफा, चंद्रशेखरन की 20 फीसदी बढ़ी सैलरी

नई दिल्ली ।

टाटा ग्रुप की टाटा सन्स प्राइवेट लिमिटेड के कार्यकारी चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का वेतन वित्त वर्ष 2023-24 में 19.8 फीसदी से बढ़कर 135.3 करोड़ रुपए हो गया है। यह टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी के मुनाफे पर आधारित कमीशन में बढ़ोतरी के कारण हुआ है।टाटा सन्स की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक चंद्रशेखरन को 121.5 करोड़ रुपए का कमीशन प्राप्त हुआ, जबकि बाकी उनका वेतन और सुविधाएं थीं।

टाटा सन्स के सभी डायरेक्टर्स के कुल पारिश्रमिक में 16 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और कंपनी ने अपने टॉप डायरेक्टर्स को 200 करोड़ रुपए का भुगतान किया है जो वित्त वर्ष 2022-23 में 172.5 करोड़ रुपए था। इसी अवधि में टाटा सन्स के कर्मचारियों के वेतन और पारिश्रमिक में 2.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और यह 441 करोड़ रुपए हो गया।दिलचस्प बात यह है कि भारत की टॉप लिस्टेड कंपनियों में कार्यकारी पारिश्रमिक की वृद्धि वित्त वर्ष 2024 में धीमी हो गई। जैसा कि बिजनेस स्टैंडर्ड रिसर्च ब्यूरो द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है, बीएसई 200 कंपनियों के प्रमुख प्रबंधकीय कर्मचारियों या टॉप मैनेजमेंट का कुल पारिश्रमिक वित्त वर्ष 2023-24 में 3.9 फीसदी बढ़कर 8,304 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष 7,990 करोड़ रुपए था।

यह पिछले चार सालों में एग्जिक्यूटिव कंपेंजेशन में सबसे धीमी बढ़ोतरी थी।

टोर्नेडो कैश के जरिए हैकर्स ने एथेरियम ईटीएफ की लूट की

नई दिल्ली ।

2,000 करोड़ रुपए (लगभग 234 मिलियन) की वजीर एक्स चोरी के पीछे के हैकर्स ने चुराए गए डिजिटल संपत्तियों को निकालना शुरू कर दिया है और टोर्नेडो कैश प्लेटफॉर्म के माध्यम से 12 मिलियन डॉलर से अधिक की मनी लॉन्ड्रिंग की है। रिपोर्ट के अनुसार, टोर्नेडो कैश के जरिए हैकर्स ने 12 मिलियन डॉलर से अधिक की एथेरियम (ईटीएफ) की लूट की है, जिसमें लगभग 2 मिलियन डॉलर की ईटीएफ की जमा भी शामिल है।

हैकर ने 5,000 ईटीएफ (जिसकी कीमत 12 मिलियन है) को एक नए पते पर ट्रांसफर किया है और चुराए गए फंड्स की मनी लॉन्डरिंग के टोर्नेडो कैश माध्यम से शुरू कर दी है।

रिपोर्ट के अनुसार, वजीर एक्स हैकर्स की मनी लॉन्डरिंग तकनीक उत्तर कोरिया समर्थित समूह की तकनीक से मिलती-जुलती है, जो वैश्विक क्रिप्टो चोरी के मामलों में शामिल है।

वजीर एक्स ने स्वीकार किया है कि इसके लगभग 43 प्रतिशत उपयोगकर्ता डिजिटल संपत्तियों की चोरी के कारण अपने पैसे खो सकते हैं। प्लेटफॉर्म ने कहा है कि ग्राहकों को संभवतः अपने निवेश का 43 प्रतिशत हिस्सा खोना पड़ सकता है। वजीर एक्स ने सिंगापुर हाईकोर्ट से छह महीने की सुरक्षा की मांग की है जबकि वह अपने दायित्वों का पुनरवर्गन कर रहा है।

भारतीय क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज कॉइनस्वि ने वजीर एक्स पर मुकदमा दायर किया है ताकि शेटटी द्वारा संचालित प्लेटफॉर्म पर फंसे हुए फंडों की वसूली हो सके। विशेषज्ञों

के अनुसार, इस साइबर अपराध के पैमाने को देखते हुए एक गहन जांच की आवश्यकता है। यह मामला भारत में क्रिप्टो ट्रेडिंग के लिए प्रभावी नियमन और नियमों की बढ़ती आवश्यकता को रेखांकित करता है।

चांदी की मांग बढ़ने से चांदी की कीमतों में तेजी

90000 रुपए तक जाएगी चांदी की कीमत

नई दिल्ली । दुनिया भर के देशों में औद्योगिक मांग के चलते चांदी का उपयोग बढ़ता क्या रहा है।
अंतरराष्ट्रीय बाजारों में चांदी की मांग बढ़ रही है। 5जी तकनीकी, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक व्हीकल, सोलर पैनल और मेडिकल उपकरणों में चांदी का प्रयोग लगातार बढ़ रहा है। वैश्विक स्तर पर चांदी की मांग ज्यादा है। उस तुलना में आपूर्ति कम हो रही है। जिसके कारण बाजारों में चांदी के दामों में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। 2023 में मांग की तुलना में 4026 टन कम चांदी की आपूर्ति हुई थी। 2024 में 7513 टन चांदी की कम आपूर्ति होने की संभावना है। जिसके कारण चांदी के दाम 90000 रुपए किलो तक पहुंचने की बाजार में धारणा है। अभी अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के भाव 83338 रुपए पर हैं। जो इस साल के अंत तक 90000 पर पहुंच जाएंगे। जिसके कारण बाजार में चांदी के दाम में तेजी बनी हुई है।

संकट में बायजू.........ऑडिटर बीडीओ ग्लोबल का इस्तीफा

नई दिल्ली । एडटेक सेक्टर की दिग्गज भारतीय कंपनी बायजू के ऑडिटर बीडीओ ग्लोबल ने कंपनी के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू होने के बाद मांगे गए कागजात न मिलने पर इस्तीफा दे दिया है। बायजू ने डॉक्यूमेंट उपलब्ध कराने में अपनी असमर्थता का बचाव कर कहा कि ये डॉक्यूमेंट कंपनी के बोर्ड से मांगे गए थे, जिसे दिवालिया प्रक्रिया के कारण निलंबित कर दिया गया था।

एडटेक फर्म ने कहा कि डॉक्यूमेंट की मांग करने वाले बीडीओ के ईमेल में निलंबित बोर्ड को संबोधित किया गया था, न कि उस समय कंपनी पर नियंत्रण रखने वाले दिवाला पेशेवर को।

देश के पहले एटीएम सुविधा देने वाले बैंक ऑफ इंडिया के 118 साल पूरे

नई दिल्ली । देश के बड़े सरकारी बैंकों शुमार बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) की स्थापना को 118 साल पूरे हुए हैं। बीओआई को 7 सितंबर 1906 को मुंबई के व्यापारिक समुदायों (पारसी, भाटिया, गुजराती बनिया, बोहरा मुस्लिम और यहूदी) के प्रमुख लोगों द्वारा 50 लाख रुपये की पूंजी के साथ स्थापित किया गया था। इस मुख्य संस्थापक शापुरजी ब्रोचा थे, जो कि बैंक के पहले बोर्ड में भी शामिल थे। इंदिरा सरकार की ओर से बैंक का राष्ट्रीयकरण करने तक बैंक निजी हाथों में था, लेकिन जुलाई 1969 में राष्ट्रीयकरण होने के बाद बैंक की कमान सरकार के हाथ में आ गई।समय के साथ-साथ बैंक ने अपने कारोबार में बदलाव किया। यह 1982 में हेल्थ कोड सिस्टम लागू वाले पहले बैंक में से एक था, इसकी मदद से बैंक अपने क्रेडिट पोर्टफोलियो को रेटिंग दे सकता था। इसके अलावा बैंक ऑफ इंडिया भारत में स्विफ्ट के पहले संस्थापक बैंकों में एक था। बैंक की ओर से 1989 में मुंबई की महालक्ष्मी शाखा में एटीएम सुविधा की शुरुआत की गई थी। यह सरकारी बैंकों में देश की पहली कंप्यूटराइज्ड शाखाओं में से एक थी। बैंक की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार बैंक ऑफ इंडिया 1997 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ था। इसके बाद फरवरी 2008 में बैंक में पहली बार क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) आया था।मौजूदा समय में बैंक का कारोबार भारत के साथ विदेशों में भी फैला हुआ है। भारत में बीओआई की 5,100 से ज्यादा ब्रांच हैं। इसके साथ ही 69 जोनल ऑफिस और 13 एफजीएमओ ऑफिस है। बैंक ऑफ इंडिया का कारोबार भारत के अलावा 15 देशों में फैला हुआ है। 4 सहायक कंपनियों को मिलाकर बैंक के साथ विदेशों में 47 शाखाएं हैं। इसके अलावा एक प्रतिनिधि ऑफिस और एक ज्वाइंट वेंचर हैं, जो कि टोक्यो, सिंगापुर, हांगकांग, लंदन, पेरिस, न्यूयॉर्क और दुबई में स्थित हैं।

दलाल स्ट्रीट हुआ लाल...........

पांच लाख करोड़ रुपये स्वाहा

सितंबर में अब तक अमेरिकी बाजार नहीं चढ़ा

मुंबई ।

शेयर बाजार के लिए यह महीना अब तक अच्छा नहीं रहा है। अमेरिकी शेयर बाजार इस माह में अब तक एक भी दिन नहीं चढ़ा है। एक हफ्ते में ही एसएंडपी 500 इंडेक्स में शामिल कंपनियों का मार्केट कैप 2.2 ट्रिलियन डॉलर कम हो चुका है।

ऐतिहासिक रूप से सितंबर का महीना शेयर मार्केट्स के लिए अच्छा नहीं रहता है। यहां वहीं महीना रहा है जब शेयर मार्केट्स ने औसत निगेटिव रिटर्न दिया है। शुक्रवार को भारत सहित दुनियाभर के शेयर मार्केट में गिरावट आई। सेंसेक्स कारोबार के दौरान 1,200 अंक तक गिरा जिससे निवेशकों के पांच लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए।

अमेरिकी कंपनियों में सबसे ज्यादा गिरावट एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयरों में रही। कंपनी के शेयरों में 8.45 फीसदी गिरावट आई।

इसके साथ ही कंपनी दुनिया की सबसे ज्यादा मूल्यवान कंपनियों की लिस्ट में 11वें नंबर पर पहुंच गई। एनवीडिया और गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के शेयरों में चार फीसदी से अधिक गिरावट देखी गई।

जबकि ऐमजॉन और फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के शेयर तीन फीसदी से ज्यादा लुढ़क गए।

इस गिरावट से अमेरिका के टॉप अरबपतियों की नेटवर्थ में भी गिरावट आई।

मस्क को सबसे ज्यादा 13 अरब डॉलर का भारी नुकसान हुआ।

वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और विदेशी कोषों की ताजा निकासी की वजह से घरेलू शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज हुई। सेंसेक्स 1,017 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी ने 293 अंक का गोता लगाया।

यह घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट का लगातार तीसरा सत्र रहा। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में एसबीआई में सर्वाधिक चार प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। इसके अलावा एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक और आईटीसी के शेयरों में भी नुकसान रहा।

दूसरी तरफ बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील और मारुति सुजुकी के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।जानकारों का कहना है कि घरेलू बाजार में निकट अवधि का रुझान अमेरिका में रोजगार के आगामी आंकड़ों से प्रभावित होगा।

सोमवार को दलाल स्ट्रीट पर दस्तक, बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड का आईपीओ

मुंबई ।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) सोमवार को दलाल स्ट्रीट पर दस्तक देगा। साल 2024 का यह सबसे बड़ा आईपीओ दांव लगाने के लिए 11 सितंबर 2024 तक खुला रहेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 66-70 रुपये प्रति शेयर तय किया है।बजाज ग्रुप की ये नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी (एनबीएफसी) 6,560 करोड़ रुपये का फंड जुटाकर अब सार्वजानिक होना चाहती है। यह मेनबोर्ड पब्लिक इश्यू ताजा शेयरों और बिक्री के लिए ऑफर (ओएफएस) का मिला-जुला रूप है। बजाज हाउसिंग फाइनेंस इस आईपीओ के तहत 3,560 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू (नए शेयर) जारी करेगी और 3,000 करोड़ रुपये ओएफएस (ऑफर फॉर सेल) के द्वारा जुटाएगी। इश्यू का करीब 50 फीसदी योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए, 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए और बाकी 35 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए रिजर्व है।

रिपोर्ट के अनुसार, बजाज हाउसिंग फाइनेंस आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) 50 रुपये है। इसका मतलब है कि बजाज हाउसिंग फाइनेंस आईपीओ जीएमपी (ग्रे मार्केट प्रीमियम) आज 50 रुपये है। यह संकेत देता है कि इश्यू के प्राइस बैंड की ऊपरी सीमा पर कंपनी के शेयरों के 120 रुपये के भाव पर लिस्ट होने की संभावना है।

कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड, बोफा सिक्योरिटीज इंडिया लिमिटेड, एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, गोल्डमैन सैक्स (इंडिया) सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड और आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड बजाज हाउसिंग फाइनेंस आईपीओ के बुक रनिंग लीड मैनेजर (बीआरएलएम) हैं, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड इस इश्यू का रजिस्ट्रार है। सिरिल अमरचंद मंगलदास हाउसिंग फाइनेंसर के कानूनी सलाहकार हैं।

'टी+3' लिस्टिंग नियम के मद्देनजर, बजाज हाउसिंग फाइनेंस के शेयरों के आवंटन को 12 सितंबर 2024 को अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। इसी

तरह से प्राइमरी मार्केट में बजाज ग्रुप की एनबीएफसी कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 16 सितंबर 2024 होने की सबसे अधिक संभावना है। बता दें कि बजाज फाइनेंस बजाज हाउसिंग फाइनेंस की मूल कंपनी है। बजाज हाउसिंग फाइनेंस को सितंबर 2015 में एक एनबीएफसी के रूप में नेशनल हाउसिंग बैंक के साथ रजिस्टर किया गया था। कंपनी रेजिडेंशियल और कमर्शियल प्रॉपर्टीज को खरीदने और रिनोवेट करने के लिए लोन देती है।

वॉल स्ट्रीट में फिर भारी गिरावट....चिंतित दुनिया भर के निवेशक

नई दिल्ली । शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट में फिर भारी गिरावट देखने को मिली। अमेरिकी रोजगार बाजार के बारे में बहुप्रतीक्षित अपडेट इतना कमजोर आया। इसके बाद में पहले ऊंची छलांग लगाने वाले प्रौद्योगिकी शेयरों को फिर से नुकसान उठाना पड़ा। इससे अर्थव्यवस्था को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। एसएंडपी 500 में 1.7 प्रतिशत की गिरावट आई और यह मार्च, 2023 के बाद से इसका सबसे खराब सप्ताह रहा। ब्रॉडकॉम, एनवीडिया और अन्य प्रौद्योगिकी कंपनियों ने बाजार को नीचे गिरा दिया, क्योंकि इस बात की चिंता बनी हुई थी कि कृत्रिम मेधा (एआई) के इर्द-गिर्द उछाल में उनकी कीमतें बहुत अधिक बढ़ गई थीं, और उन्होंने नैस्डैक कंपोजिट को बाजार में 2.6 प्रतिशत तक नीचे खींच लिया। सुबह की 250 अंकों की बढ़त को खत्म करने के बाद डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल औसत में 410 अंक या एक प्रतिशत की गिरावट आई।रोजगार रिपोर्ट आने के बाद बॉन्ड मार्केट में भी तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जहां ट्रेजरी यील्ड में गिरावट आई, फिर सुधार हुआ और फिर गिरावट आई। रिपोर्ट में दिखाया गया कि अगस्त में अमेरिकी नियोक्ताओं ने अर्थशास्त्रियों की अपेक्षा से कम कर्मचारियों को काम पर रखा। इसे साल की सबसे महत्वपूर्ण रोजगार रिपोर्ट के रूप में पेश किया गया था, और इसने लगातार दूसरे महीने दिखाया कि भर्ती पूर्वानुमानों से कम रही। इसके बाद हाल ही में विनिर्माण और अर्थव्यवस्था के कुछ अन्य क्षेत्रों में कमजोरी दिखाने वाली रिपोर्ट भी आई।

पहला पेज का शेष

पिपरवार में सोलर...

लोग अपने-अपने घरों में सोलर प्लांट लगाकर बिजली का उत्पादन कर सकते हैं।उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य में प्राकृतिक के द्वारा सब कुछ दिया गया है।बिहार और झारखंड के अलग होने पर आय का सभी स्रोत झारखंड में ही रहा।वर्तमान की झारखंड सरकार यदि इस पर गंभीर होकर काम करे तो कई योजनाओं को चालू किया जा सकता है,जिसका लाभ राज्य की जनता को मिल सकता है।वहीं राजस्व के मामले में झारखंड, छत्तीसगढ़ और उड़ीसा जैसी राज्य सबसे आगे हैं।जिस दिन हम सभी खनिज संप्रदा को डेवलपमेंट कर लेंगे उस दिन आय का स्रोत और अधिक बढ़ जाएगा।उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झारखंड के विकास को लेकर काफी गंभीर है।उन्होंने कहा कि सबका साथ,सबका विकास और सबके विश्वास व सबके सहयोग से वर्ष 2047 तक भारत विश्व का सबसे बढ़ा देश होगा।औद्योगिक नगरी पिपरवार एरिया कोयला उत्पादन के लिए जाना जाता है।यहां पर सोलर प्लांट की स्थापना पूरे सीसीएल के लिए गर्व की बात है।वही सीसीएल सीएमडी एनके सिंह ने कहा कि पिपरवार सोलर प्लांट सीसीएल का ड्रीम प्रोजेक्ट था।इसके चालू होने से सीसीएल की एक महत्वकांक्षी परियोजना पूरी हुई है।सीसीएल के अन्य क्षेत्रों में भी सोलर प्लांट की स्थापना को लेकर काम किया जा रहा है।मंच का संचालन कार्मिक प्रबधंक शिशिर गर्ग ने किया।इस मौके पर सीसीएल सीएमडी एनके सिंह,सीएमपीडीआई सीएमडी,मनोज कुमार, चतरा सांसद कालीचरण सिंह,सिमरिया विधायक किशुन दास,सिमरिया एसडीओ सन्नी राज,टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार,सीसीएल के कार्मिक निदेशक हर्षनाथ मिश्रा, डायरेक्टर टेक्निकल फीएंडपी सतीश झा, डायरेक्टर टेक्निकल ऑपरेशन हरीश दुहान,टंडवा सीओ बिजय दास,टडंवा इंस्पेक्टर अनिल उंराव, पिपरवार थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा,अशोका पीओ संजय कुमार,सीएचपी पीओ धनजंय कुमार,एसओपी नागेश गोपालन,एसओसी बिपिन बिहारी,जेएसपी शर्मा,जेएन दत्ता,आरएन गौतम,इन्द्रजीत सिंह,अरूण महतो,मनोज कुमार,हेमचन्द महतो,श्रमिक प्रतिनिधि रविंद्रनाथ सिंह, इस्लाम अंसारी,भीम सिंह यादव, एसके चौधरी,भीम प्रसाद मेहता,अरविंद शर्मा डीपी राय,विद्यापति सिंह,कामेश्वर राम,रतन लाल,दिलिप गोस्वामी,बिजय लाल,संजीव मिश्रा,अश्विनी दराद,दिलिप अम्बष्ट सहित काफी संख्या मे लोग मौजुद थे।

गुवा गोलीकांड ...

पुलिस द्वारा फायरिंग के बाद घायलों को इलाज कराने के लिए गुवा अस्पताल ले गये थे। अस्पताल पहुंचने पर सभी आंदोलनकारियों को बीएमपी के जवानों ने हथियार जमा करा लिया और अस्पताल में बंदूक के बट और फायरिंग शुरू कर दी जिसमें दस आंदोलनकारियों की मौत हो गई थी।शहीद हुए थे 11 आंदोलनकारी: गुवा गोली कांड में 11 आंदोलनकारी मारे गये थे जिसमें ईश्वर सरदार (कैरोम गांव), रामो लागुरी और चन्द्रो लागुरी (चुर्गी गांव), रेंगो सुरीन (कुम्बिया गांव), बागी देवगम, जीतु सुरीन (जोजोगुटी गांव), चैतन चांपिया (बाईहातु गांव) गुड़ी हांसदा (हतनाबुरु), जुरा पूर्ति(बुंडु), गोंडा होनहागा (कोलायबुरु) सहित 11 शामिल हैं। हालांकि शहीदों और घायलों की संख्या काफी थी, लेकिन उस वक्त पुलिस के डर के अधिकांश लोग सामने नहीं आये और कुछ मृतकों को गांव में ही दफना दिया।

हेमंत सोरेन ने शहीदों के परिजनों को दी नौकरी : हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री बनने के बाद गुवा गोलीकांड के शहीदों को नौकरी मिली। इसमें ईश्वर सरदार, रामो लागुरी, चांदो लागुरी, रेंगो सुरीन, बागी देवगम, जीतू सुरीन, चैतन्य चांपिता, चुड़ी हांसदा, जरा पूर्ति, गोंडा होनहागा, चांबे राधे आदि के परिजन शामिल हैं। शहीदों के परिजनों को इसके लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा।

क्यों युवा और कारोबारी कर रहे खुदकुशी

आर.के.सिन्हा

हमने युवाओं, कारोबारियों और अन्य लोगों के आत्म हत्या करने के कारणों और इस समस्या के हल तलाशने के लिए विश्व आत्महत्या निवारण दिवस (12 सितंबर) को राजधानी दिल्ली में एक महत्वपूर्ण सेमिनार का भी आयोजन किया है, जहां पर मनोचिकित्सक, पत्रकार और सोशल वर्कर अपने अनुभवों के आधार पर अपने पेपर पढ़ेंगे। उन निष्कर्षों के बाद हम आगे की रणनीति बनाएँगे।

बीते सालों की तरह इस बार भी सारे देश ने 5 सितंबर को गर्मजोशी से अध्यापक दिवस मनाया। सोशल मीडिया पर तो अध्यापकों का उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त किया जा रहा था। पर अब सुधी अध्यापकों, मनोचिकित्सकों और अन्य जागरूक नागरिकों को यह भी सोचना होगा कि नौजवानों का एक बड़ा वर्ग निराशा और नाकामयाबी की स्थितियों में अपनी जीवनलीला खत्म करने पर क्यों आमादा है। अब शायद ही कोई दिन ऐसा गुजरता हो जब अखबारों में किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा के खुदकुशी करने संबंधी दिल दहलाने वाला समाचार ना छपता हो। यह बेहद गंभीर मसला है और इस पर सारे देश को सोचना होगा। इसी तरह से आजकल बिजनेस में घाटा होने के कारण भी आत्म हत्या करने वालों की तादाद लगातार बढ़ती ही चली जा रही है। अभी कुछ दिन पहले एक साइकिल बनाने वाली मशहूर कंपनी के अरबपति मालिक ने भी खुदकुशी कर ली थी।

पिछले साल 6 दिसंबर को लोकसभा में बताया गया था कि देश में 2019 से 2021 के बीच 35,000 से ज्यादा छात्रों ने आत्महत्या की। छात्रों के खुदकुशी करने के मामले 2019 में 10,335 से बढ़कर 2020 में 12,526 और 2021 में 13,089 हो गए। इसमें कोई शक नहीं है किसी भी हालत में किसी खास परीक्षा में सफल होने के लिए माता-पिता, अध्यापकों और समाज का भारी दबाव और अपेक्षाएं छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर घातक प्रभाव डाल रही हैं। राजस्थान का एक शहर है कोटा। यहां पर हर साल एक अनुमान के मुताबिक, हजारों नहीं लाखों छात्र - छात्राएँ देश के शीर्ष कॉलेजों में से एक में प्रवेश पाने की उम्मीद में कोटा पहुंचते हैं। इनके जीवन का एक ही लक्ष्य होता है कि किसी तरह से आईआईटी/एनआईटी या मेडिकल की प्रवेश परीक्षा को क्रैक कर लिया जाए।

आप कोटा या फिर देश के किसी भी अन्य शहर में चले जाइये जहां पर मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों के साथ-साथ सिविल सेवाओं वगैरह के लिए कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। वहां पर छात्र अत्यधिक दबाव और असफलता के डर से मनोवैज्ञानिक रूप से बहुत कष्ट की स्थिति में हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ.विनय अग्रवाल कहते हैं कि हमें खुदकुशी के बढ़ते मामलों पर सिर्फ चिंता ही व्यक्त नहीं करनी। हमें इसे रोकना ही होगा। हमने युवाओं, कारोबारियों और अन्य लोगों के आत्म हत्या करने के कारणों और इस समस्या के हल तलाशने के लिए विश्व आत्महत्या निवारण दिवस (12 सितंबर) को राजधानी दिल्ली में एक महत्वपूर्ण सेमिनार का भी आयोजन किया है, जहां पर मनोचिकित्सक, पत्रकार और सोशल वर्कर अपने अनुभवों के आधार पर अपने पेपर पढ़ेंगे। उन निष्कर्षों के बाद हम आगे की रणनीति बनाएँगे।

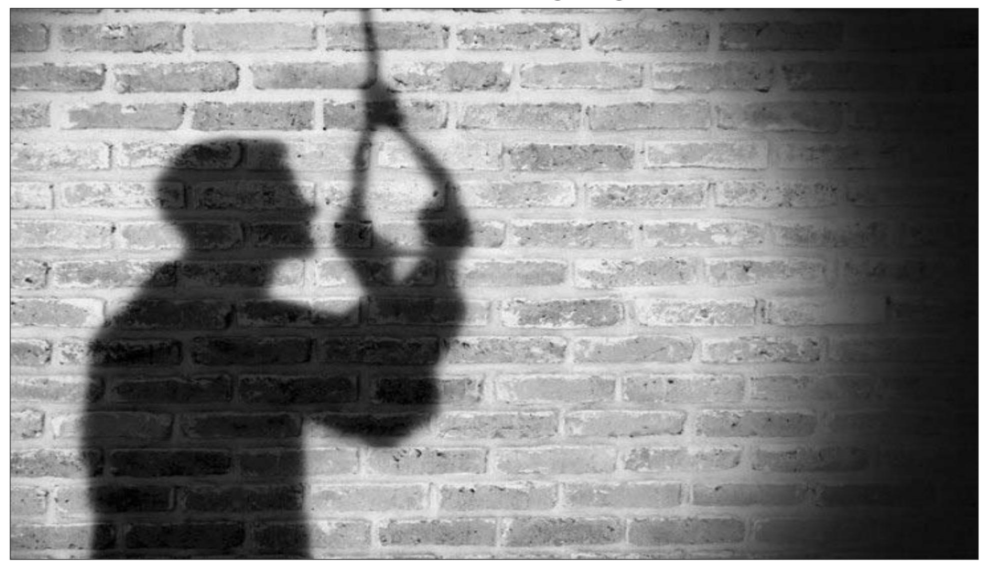

कुछ कोचिंग सेंटर चलाने वाले भी इस तरह के प्रयास तो कर रहे हैं ताकि छात्र बहुत दबाव में न रहें। राजधानी के एक कोचिंग सेंटर के प्रमुख ने बताया कि हम छात्रों की लगातार काउंसलिंग भी करते रहते हैं। उनके अभिभावकों के भी संपर्क में रहते हैं। कहा जाता है कि भारत में दुनिया भर में सबसे अधिक युवा आत्महत्या दर है। इस बीच, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, 2020 में हर 42 मिनट में एक छात्र ने अपनी जान दे दी। यह आंकड़ा सच में डराता है।

देखिए, नौजवानों को बिल्कुल रीलेक्स माहौल देना होगा माता-पिता और उनके अध्यापकों को , ताकि वे बिना किसी दबाव में पढ़ें या जो भी करना चाहते हैं, करें। हरियाणा के सोनीपत में सेंट स्टीफंस कैम्ब्रिज स्कूल चलाने वाली दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी (डीबीएस) के अध्यक्ष और सोशल वर्कर ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम पूरी तरह से सुनिश्चित करते हैं कि हमारे स्कूल या सेंट स्टीफंस कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चे बिना किसी दबाव में पढ़े-लिखे। हम अपने अध्यापकों की भी क्लास लेते हैं कि किसी भी बच्चे के साथ कक्षा में उसकी जाति न पूछी जाए और या न ही उसके पिता की आय। कुछ गैर-जिम्मेदार अध्यापक अपने विद्यार्थियों से इस तरह के गैर-जरूरी सवाल पूछते हैं। फिर वे एक ही कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों की एक-दूसरे से तुलना भी करने लगते हैं। इस कारण वे जाने-अनजाने एक बच्चे को बहुत सारे बच्चों को कमजोर साबित कर देते है। जाहिर है, इस वजह से उस छात्र पर बहुत नकारात्मक असर पड़ता है जो कमतर साबित कर दिया गया होता है। इसी तरह के बच्चे कई बार निराशा और अवसाद में डूब जाते हैं। देखिए बच्चे को पालना एक बीस वर्षीय प्लान है। कौन नहीं चाहता कि उसका बच्चा समाज में ऊंचा मुकाम हासिल करे, शोहरत-नाम कमाए? पर इन सबके लिए जरूरी है कि बच्चे को उसकी काबिलियत और पसंद के अनुसार मनचाहा करियर चुनने की आजादी भी दी जाए। यह एक कड़वा सच है कि हमारे समाज में सफलता का पैमाना अच्छी नौकरी, बड़ा घर और तमाम दूसरी सुख-सुविधाएं ही मानी जाती है।अफसोस कि हम भविष्य के चक्कर में अपने बच्चों को आत्महत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर करने लगे हैं। ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम अपने यहां बच्चों को इस बात के लिए तैयार करते हैं कि वे कठिन परिस्थितियों का भी सामना करें। असफलता से हार मान लेने से जीवन नहीं चलता। यह तो कायरता है। महान कवि पद्मभूषण डॉ० गोपाल दस नीरज की पंक्तियाँ याद आ रही हैं, 'छुप- छुप अश्रु बहाने वालों , जीवन व्यर्थ लुटाने वालों , इक सपने के मर जाने से , जीवन नहीं मरा करता हैं।' सफलता और असफलता का चक्र तो चला करता है । उसे स्वीकार करने में ही भला है ।

जैसा किमैंने ऊपर जिक्र किया कि बीते दिनों एक अरबपति बिजनेसमैन ने राजधानी के अपने भव्य बंगले में गोली मारकर सुसाइड कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। कहा जा रहा है कि बिजनेस में नुकसान होने के कारण ही साइकिल बनाने वाली कंपनी के मालिक ने आत्महत्या की।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से पता चला है कि 2020 में, जब कोविड- की लहर ने व्यापार को तबाह कर दिया था, तब 11,716 व्यापारियों ने आत्महत्या की थी, जो 2019 की तुलना में 29% अधिक थी, जब 9,052 व्यापारियों ने अपनी जान ले ली थी।

कर्नाटक में 2020 में व्यवसायियों द्वारा आत्महत्या से सबसे अधिक मौतें (1,772) दर्ज की गईं - जो 2019 से 103% अधिक है, जब राज्य में 875 व्यवसायियों ने अपनी जान ले ली थी।महाराष्ट्र में 1,610 व्यवसायियों ने आत्महत्या की, जो पिछले वर्ष से 25% अधिक है, और तमिलनाडु में 1,447 की मृत्यु हुई, जो 2019 से 36% अधिक है। यह सबको पता है कि भारत के व्यवसायी समुदाय का बड़ा हिस्सा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से जुड़ा है,जो बड़े झटकों को सहन नहीं कर पाता है। इसके चलते कई कारोबारियों ने कर्ज में डूबने या बिजनेस में नुकसान के कारण आत्महत्या कर ली। लब्बो लुआब यह है कि भारत में युवाओं और कारोबारियों के साथ - साथ अन्य लोगों के आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को भी प्रभावी ढंग से रोकना ही होगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

पुतिन का सकारात्मक रुख

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूस और यूक्रेन की यात्रा के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार को ब्लादिवोस्तक में ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम (ईईएफ) को संबोधित करते हुए कहा कि वह यूक्रेन के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं। उनके इस सकारात्मक रुख से आशा जगी है कि यूक्रेन संघर्ष आने वाले दिनों में व्यापक रूप नहीं लेगा। अमेरिका और नाटो सैनिक संगठन के देशों ने यदि गैर-जिम्मेदाराना रवैया नहीं अपनाया तो संवाद और कूटनीति के जरिए यूक्रेन संघर्ष का समाधान संभव है। शांति वार्ता की जमीन तैयार करने के लिए राष्ट्रपति पुतिन ने ब्रिक्स के तीन सदस्य देशों भारत, चीन और ब्राजील को शामिल किया है। उनका विश्वास है कि यह तीनों देश संघर्ष को समाप्त करने के लिए ईमानदारी से कोशिश कर रहे हैं। यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के बारे में राष्ट्रपति पुतिन का यह वक्तव्य ऐसे समय आया है जब अगले महीने यानी अक्टूबर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन रूस के कजान में होने जा रहा है। इस शिखर वार्ता में मोदी और पुतिन के बीच वार्ता संभावित है। ऐसा संभव है कि यह तीनों नेता यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में कोई योजना तैयार करें। राष्ट्रपति पुतिन ने ईईएफ को संबोधित करते हुए युद्ध की शुरू आत में ही इस्तांबुल में दोनों पक्षों के बीच हुई शांति वार्ता से संबंधित समझौते का जिक्र किया जो अमल में नहीं आया। यह समझौता आगे की शांति वार्ता का आधार बन सकता है। यूक्रेन संघर्ष के समाधान में चीन और ब्राजील के मुकाबले भारत की भूमिका ज्यादा प्रमुख हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से स्पष्ट शब्दों में कहा था कि यह युग युद्ध का नहीं है। इसी तरह यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी कहा कि भारत ने कभी तटस्थता की नीति का अनुसरण नहीं किया। इस पूरे मामले में भारत का रूप स्पष्ट है। वह दोनों पक्ष की सहमति के बाद ही मध्यस्थ बन सकता है। किसी भी शांति में प्रक्रिया में भारत इसी शर्त पर शामिल हो सकता है जब राष्ट्रपति जेलेंस्की भी इसके लिए तैयार हों। अब आगे देखिए होता है क्या?

विश्व मैत्री दिवसः क्षमा की धरती को उर्वरा बनाते हैं मैत्री के फूल

ललित गर्ग

जैनधर्म की त्याग प्रधान संस्कृति में पर्युषण पर्व का अपना अपूर्व एवं विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है। यह एकमात्र आत्मशुद्धि का प्रेरक पर्व है। इसीलिए यह पर्व ही नहीं, महापर्व है। संपूर्ण जैन समाज इस पर्व के अवसर पर जागृत एवं साधनारत हो जाता है। आठ दिनों की कठोर साधना के बाद मैत्री दिवस का आयोजन होता है। पर्युषण पर्व का हृदय है- 'क्षमापना दिवस' जिसे मैत्री दिवस भी कहते हैं। इस दिन अपनी भूलों या गलतियों के लिए क्षमा मांगना एवं दूसरों की भूलों को भूलना, माफ करना, यही इस पर्व को मनाने की सार्थकता सिद्ध करता है। यदि कोई व्यक्ति इस दिन भी दिल में उलझी गांठ को नहीं खोलता है, तो वह अपने सम्यग्दर्शन की विशुद्धि में प्रश्न चिन्ह खड़ा कर लेता है। क्षमायाचना करना, मात्र वाचिक जाल बिछाना नहीं है। परंतु क्षमायाचना करना अपने अंतर को प्रसन्नता से भरना है। बिछुड़े हुए दिलों को मिलाना है, मैत्री एवं करुणा की स्रोतस्विनी बहाना है।

मैत्री पर्व का दर्शन बहुत गहरा है। मैत्री तक पहुंचने के लिए क्षमायाचना की तैयारी जरूरी है। क्षमा लेना और क्षमा देना मन परिष्कार की स्वस्थ परम्परा है। क्षमा मांगने वाला अपनी कृत भूलों को स्वीकृति देता है और भविष्य में पुनः न दुहराने का संकल्प लेता है जबकि क्षमा देने वाला आग्रह मुक्त होकर अपने ऊपर हुए आघात या हमलों को बिना किसी पूर्वाग्रह या निमित्तों को सह लेता है। क्षमा ऐसा विलक्षण आधार है जो किसी को मिटाता नहीं, सुधरने का मौका देता है। भगवान महावीर ने कहा- 'अहो ते खंति उत्तमा'-क्षांति उत्तम धर्म है। 'तितिक्खं परमं नच्चा'-तितिक्षा ही जीवन का परम तत्व है, यह जानकर क्षमाशील बनो। पयुर्षण महापर्व से जुड़ा मैत्री पर्व मानव-मानव को जोड़ने व मानव हृदय को संशोधित करने का पर्व है, यह मन की खिड़कियों, रोशनदानों व दरवाजों को खोलने का पर्व है, जो एकाग्रता एवं एकांत आध्यात्मिक जिज्ञासाएं जगाकर एक समृद्ध एवं अलौकिक अनुभव तक ले जाता है। इस भीड़भाड़ से कहीं दूर सबसे पहली जो चीज व्यक्ति इस पर्युषण की साधना से सीखता है वह है -'अनुशासनयुक्त मैत्रीमय जीवन।' यह विलक्षण साधना तनावमुक्ति का विशिष्ट प्रयोग है जिससे शरीर को आराम मिलता है, अपने आपको, अपने भीतर को, अपने सपनों को, अपनी आकांक्षाओं तथा उन प्राथमिकताओं को जानने का यह अचूक तरीका है, जो घटना-बहुल जीवन की दिनचर्या में दब कर रह गयी है। इस दौरान परिवर्तन के लिये कुछ समय देकर हम अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं तथा साथ ही इससे अपनी आंतरिक प्रकृति को समझ सकते हैं, उसे उन्नत एवं समृद्ध बना सकते हैं।

भगवान महावीर ने क्षमा यानि समता का जीवन जीया। वे चाहे कैसी भी परिस्थिति आई हो, सभी परिस्थितियों में सम रहे। 'क्षमा वीरो का भूषण है'-महान् व्यक्ति ही क्षमा ले व दे सकते हैं। पर्युषण पर्व क्षमा के आदान-प्रदान का पर्व है। इस दिन सभी अपनी मन की उलझी हुई ग्रंथियों को सुलझाते हैं, अपने भीतर की राग-द्वेष की गांठों को खोलते हैं वह एक दूसरे से गले मिलते हैं। पूर्व में हुई भूलों को क्षमा के द्वारा समाप्त करते हैं व जीवन को पवित्र बनाते हैं। पर्युषण महापर्व का समापन मैत्री दिवस के साथ होता है। इस तरह से पर्युषण महापर्व एवं क्षमापना दिवस- यह एक दूसरे को निकटता में लाने का पर्व है। यह एक दूसरे को अपने ही समान समझने का पर्व है। गीता में भी कहा है -'आत्मौपम्येन सर्वत्रः, समे पश्यति योर्जुन' -श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा-हे अर्जुन ! प्राणीमात्र को अपने तुल्य समझो। भगवान महावीर ने कहा-'मित्ती में सव्व भूएसु, वेरंमज्झण केणइ' सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ वैर नहीं है। मानवीय एकता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, मैत्री, शोषणविहीन सामाजिकता, नैतिक मूल्यों की स्थापना, अहिंसक जीवन, आत्मा की उपासना शैली का समर्थन आदि तत्त्व इस पर्व के मुख्य आधार हैं। ये तत्त्व जन-जन के जीवन का अंग बन सके, इस दृष्टि से इस महापर्व को जन-जन का पर्व बनाने के प्रयासों की अपेक्षा है।

पर्युषण पर्व आत्म उन्नति, अहिंसा, शांति और मैत्री का पर्व है। अहिंसा और मैत्री के द्वारा ही शांति मिल सकती है। आज जो हिंसा, युद्ध, आतंक, आपसी-द्वेष, नक्सलवाद एवं भ्रष्टाचार जैसी ज्वलंत समस्याएं न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए चिंता का बड़ा कारण बनी हुई है और सभी कोई इन समस्याओं का समाधान चाहते हैं। उन लोगों के लिए मैत्री पर्व एक प्रेरणा है, पाथेय है, मार्गदर्शन है और अहिंसक-निरोगी-शांतिमय जीवन शैली का प्रयोग है। आज भौतिकता एवं स्वार्थपूर्ण जीवन की चकाचौंध में, भागती जिंदगी की अंधी दौड़ में इस पर्व की प्रासंगिकता बनाये रखना ज्यादा जरूरी है। इसके लिए जैन समाज संवेदनशील बने विशेषतः युवा पीढ़ी मैत्री पर्व की मूल्यवत्ता से परिचित हो और वे आत्मचेतना को जगाने वाले इन दुर्लभ क्षणों से स्वयं लाभान्वित हो और जन-जन के सम्मुख मैत्री का एक आदर्श प्रस्तुत करे।

तथागत बुद्ध ने कहा-क्षमा ही परमशक्ति है। क्षमा ही परम तप है। क्षमा धर्म का मूल है। क्षमा के समकक्ष दूसरा कोई भी तत्व हितकर नहीं है। क्योंकि प्रेम, करुणा और मैत्री के फूल सहिष्णुता और क्षमा की धरती पर ही खिलते हैं। 'सबके साथ मैत्री करो' यह कथन बहुत महत्त्वपूर्ण है किंतु हम वर्तमान संबंधों को बहुत सीमित बना लेते हैं। दर्द सबका एक जैसा होता है, पर हम चेहरों को देखकर अपना-अपना अन्दाज लगाते हैं। यह स्वार्थपरक व्याख्या हमें प्रेम से जोड़ सकती है मगर करुणा से नहीं। प्रेम में स्वार्थ है, राग-द्वेष के संस्कार है, जबकि करुणा परमार्थ का पर्याय बनती है। कहा जाता है-'वसुधैव कुटुम्बकम्' वसुधा कुटुम्ब है, परिवार है। 'मित्ती में सव्व भूएसु वेरं मज्झ न केणई'- यह सार्वभौम अहिंसा एवं सौहार्द का ऐसा संकल्प है जहां वैर की परम्परा का अंत होता है। मित्रता का भाव हमारे आत्म-विकास का सुरक्षा कवच है। आचार्य श्री तुलसी ने इसके लिए सात सूत्रों का निर्देश किया। मित्रता के लिए चाहिए- विश्वास, स्वार्थ-त्याग, अनासक्ति, सहिष्णुता, क्षमा, अभय, समन्वय। यह सप्तपदी साधना जीवन की सार्थकता एवं सफलता की पृष्ठभूमि है। विकास का दिशा-सूचक यंत्र है। मित्रता का यह पर्व आमंत्रित कर रहा है अपनी ओर, बांहें फैलाये हुए, हमें बिना कुछ सोचे, ठिठके बगैर, भागकर मित्रता की पगडंडी को पकड़ लेने के लिये। जीवन रंग-बिरंगा है, यह श्वेत है और श्याम भी। मित्रता की यही सरगम कभी कानों में जीवनराग बनकर घुलती है तो कहीं उठता है संशय का शोर। मित्रता को मजबूत बनाता है हमारा संकल्प, हमारी जिजीविषा, हमारी संवेदना लेकिन उसके लिये चाहिए समर्पण एवं अपनत्व की गर्माहट। यह जीना सिखाता है, जीवन को रंग-बिरंगी शक्ल देता है। प्रेरणा देता है कि ऐसे जिओ कि खुद के पार चले जाओ। ऐसा कर सके तो हर अहसास, हर कदम और हर लम्हा खूबसूरत होगा और साथ-साथ सुन्दर हो जायेगी जिन्दगी।

मानवीय संवेदनाओं एवं आपसी रिश्तों की जमीं सूखती जा रही है ऐसे समय में एक दूसरे से जुड़े रहकर जीवन को खुशहाल बनाने और दिल में जादुई संवेदनाओं को जगाने का सशक्त माध्यम है मैत्री दिवस। क्षणिक और स्वार्थों पर टिकी मित्रता वास्तव में मित्रता नहीं, केवल एक पहचान मात्र होती है ऐसे मित्र कभी-कभी बड़े खतरनाक भी हो जाते हैं। जिनके लिए एक विचारक ने लिखा है- 'पहले हम कहते थे, हे प्रभु! हमें दुश्मनों से बचाना परन्तु अब कहना पड़ता है, हे परमात्मा, हमें दोस्तों से बचाना।' दुश्मनों से भी ज्यादा खतरनाक होते हैं दोस्त। विश्व मैत्री दिवस वैयक्तिक स्वार्थों को एक ओर रखकर औरों को सुख बांटने एवं दुःख बटोरने की मनोवृत्ति को विकसित करने का दुर्लभ अवसर प्रदत्त करता है। इस दिवस को मनाने का मूल हार्द यही है कि मित्रता में विचार-भेद और मत-भेद भले ही हों मगर मन-भेद नहीं होना चाहिए। क्योंकि विचार-भेद क्रांति लाता है जबकि मन-भेद विद्रोह।

चिंतन-मनन

सृष्टि के परम स्वामी कृष्ण

मनुष्य को जानना चाहिए कि भगवान कृष्ण ब्रह्मांड के सभी लोकों के परम स्वामी हैं। वे सृष्टि के पूर्व थे और अपनी सृष्टि से भिन्न हैं। सारे देवता इसी भौतिक जगत में उत्पन्न हुए, किंतु कृष्ण अजन्मा हैं, फलतः वे ब्रह्मा और शिव जैसे देवताओं से भी भिन्न हैं। और चूंकि वे ब्रह्मा, शिव तथा अन्य समस्त देवताओं के स्रष्टा हैं अतः समस्त लोकों के परम पुरुष हैं। परमेश्वर का ज्ञान प्राप्त करने के लिए मनुष्य को समस्त पापकर्मो से मुक्त होना चाहिए। जैसे कि भगवद्गीता में कहा गया है, उन्हें केवल भक्ति के द्वारा जाना जा सकता है, किसी अन्य साधन से नहीं। मनुष्य को चाहिए कि वह कृष्ण को साधारण मनुष्य न समझे।

इस जगत में शुभ या अशुभ वस्तुओं का बोध बहुत कुछ मनोधर्म है क्योंकि इस भौतिक जगत में कुछ भी शुभ नहीं है। प्रत्येक वस्तु अशुभ है। क्योंकि प्रकृति स्वयं अशुभ है। हम इसे शुभ मानने की कल्पना मात्र करते हैं। वास्तविक मंगल तो पूर्ण भक्ति और सेवाभाव से युक्त कृष्णभावनामृत पर ही निर्भर करता है। अतः यदि हम तनिक भी चाहते हैं कि हमारे कर्म शुद्ध हों, तो हमें परमेश्वर की आज्ञा से कर्म करना होगा। ऐसी आज्ञा श्रीमद्भागवत तथा श्रीमद्गीता जैसे शास्त्रों या प्रामाणिक गुरु से प्राप्त की जा सकती है। चूंकि गुरु भगवान का प्रतिनिधि होता है, अतः उसकी आज्ञा प्रत्यक्षतः परमेश्वर की आज्ञा होती है। गुरु, साधु तथा शाछ्रा एक ही प्रकार से आज्ञा देते हैं। इन तीनों स्रेतों में कोई विरोध नहीं होता। कर्म संपन्न करते हुए भक्त की दिव्य मनोवृत्ति वैराग्य की होती है, जिसे संन्यास कहते हैं। जैसा कि भगवद्गीता के छठे अध्याय के प्रथम श्लोक में कहा गया है कि जो भगवान का आदेश मानकर कोई कर्त्तव्य करता है और जो अपने कर्मफलों की शरण ग्रहण नहीं करता, वही असली संन्यासी है। जो भगवान के निदेर्शानुसार कर्म करता है, वास्तव में संन्यासी और योगी वही है।

अमेरिका में मोदी यूनुस मुलाकात

ड़ॉ. दिलीप चौबे

बांग्लादेश में तख्ता पलट के एक महीने बाद ही यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि देश की शोर जा रहा है। अमेरिका के समर्थन से सत्ता की बागडोर संभालने वाले मोहम्मद यूनुस देश में लोकतंत्र की स्थापना करेंगे अथवा सेवा की कठपुतली बने रहेंगे यह भी अभी साफ नहीं है। कहने के लिए यूनुस नोबेल पुरस्कार विजेता और गरीबों की खुशहाली के लिए आर्थिक क्रांति का वाहक बनने वाले व्यक्ति हैं लेकिन, हाल के वर्षों में उनकी गतिविधियां संदिग्ध रही हैं। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस के कारनामों की जांच कर कर उन्हें हाशिये पर कर दिया था। छात्र आंदोलन के नाम पर देश में अराजकता पैदा कर यूनुस को अब शेख हसीना से बदला लेने का मौका मिला है। अमेरिका सहित पश्चिमी देश भी इस फिराक में हैं कि वह नई हुकूमत के जरिए अपने भू राजनीतिक हितों को पूरा करें।

यूनुस के हालिया बयान भारत के लिए चिंता पैदा करते हैं। इतना ही नहीं मणिपुर में हाल में हुए ड्रोन और रॉकेट हमले से सुरक्षा एजेंसियों के कान खड़े हो गए हैं। भारत को अब दोहरे खतरे का सामना है। एक और पड़ोस में पाकिस्तान जैसा एक विरोधी देश है वहीं मणिपुर सहित पूरे पूर्वोत्तर भारत में सुरक्षा चुनौतियां पैदा हो गई हैं। यूनुस के हालिया बयानों से पता चलता है कि वह एक अपरिपक्व और गैर जिम्मेदाराना नेता हैं। वह भारत से मांग कर रहे हैं कि शेख हसीना को उनके कथित अपराधों के लिए बांग्लादेश को सौंपा जाए। उनका यह भी कहना है कि यदि शेख हसीना भारत में ही रहती हैं तो उन्हें अपना मुंह बंद रखना होगा। यूनुस, कट्टरपंथी जमाते इस्लामी और हिफाजत इस्लाम जैसे संगठन बांग्लादेश का नया इतिहास लिख रहे हैं। इसमें 1971 के मुक्ति संघर्ष का अवमूल्यन किया जा रहा है। मुक्ति वाहिनी के योद्धाओं और भारतीय सैनिकों के शौर्य और बलिदान को मिटाने की कोशिश की जा रही है।

आज के माहौल में इस तरह के कुकृत्यों के खिलाफ विरोध करना आसान नहीं है। फिर भी बांग्लादेश का मौन बहुमत धीरे-धीरे अपनी आवाज बुलंद करने की कोशिश कर रहा है। हाल में पूरे बांग्लादेश में लाखों लोगों ने राष्ट्रगान 'आमार सोनार बांग्ला' का सामूहिक रूप से गायन किया। यह यूनुस और कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों को पहले चेतावनी है। उल्लेखनीय है कि जमाते इस्लामी गुरु देव रविंद्र नाथ टैगोर विरचित राष्ट्रगान को बदलना चाहती है। जाहिर है उसकी मंशा एक ऐसे मूल्की तराने की है जिसमें इस्लाम का गौरव गान हो।

वास्तव में पड़ोसी देश में इस समय बंगाली अस्मिता और इस्लामी पहचान के बीच संघर्ष चल रहा है। आश्चर्य की बात है कि अमेरिका जैसे पश्चिमी देश इस्लामी पहचान की वकालत करने वाली ताकतों का समर्थन कर रहे हैं। इतना ही नहीं भारत सहित अनेक देशों के लोकतंत्र और उदारवाद समर्थक बुद्धिजीवी भी नई हुकूमत के समर्थन में तर्क दे रहे हैं। ये लोग इस हकीकत को नजरअंदाज कर रहे हैं कि इस्लामी कट्टरपंथ का जिन्न बोतल से बाहर आ गया है जो धीरे-धीरे पूरे समाज को धमाृधता की ओर धकेल देगा। सबसे भयावह स्थिति यह बन सकती है कि बांग्लादेश नया अफगानिस्तान या सीरिया बन जाए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मोहम्मद यूनुस इस महीने के उत्तरार्द्ध में अमेरिका की यात्रा करने वाले हैं। उन्हें संयुक्त राष्ट्र अधिवेशन में भाग लेना है। यूनुस यह चाहेंगे कि मोदी से उनकी मुलाकात हो जिसमें वह भारत के साथ रिश्तों को पटरी पर लाने की कोशिश करें। अमेरिका की ओर से भी प्रधानमंत्री मोदी पर यह दबाव होगा कि वह बांग्लादेश के प्रति अपना रु ख नरम करें। अमेरिका के लिए बंगाल की खाड़ी में अपने भू-राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए जरूरी है कि भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध सामान्य रहे। मणिपुर में हालिया हमलों से यह संकेत मिलता है कि बांग्लादेश और सीमावर्ती म्यांमार इलाके से भारत के खिलाफ। भारत के खिलाफ तोड़-फोड़ की कार्रवाई शुरू हो सकती है। यदि यह जारी रहती है तो भारत कूटनीतिक ही नहीं बल्कि सैन्य रूप से भी इनका मुकाबला करेगा।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

मेरे लिए मुश्किल था एक खौफनाक हत्यारे की भूमिका निभाना

12वीं फेल एक्टर विक्रांत मैसी की फिल्म 'सेक्टर 36' का ट्रेलर गुरुवार को रिलीज कर दिया गया है। एक्टर विक्रांत मैसी ने 'सेक्टर 36' में निभाए अपने किरदार के बारे में बात की। उन्होंने फिल्म का जिक्र करते हुए कहा कि मेरे लिए एक ऐसे खौफनाक हत्यारे की भूमिका को निभाना काफी मुश्किल था। जो किसी भी अन्य व्यक्ति की तरह दिख सकता है। विक्रांत ने कहा, इस फिल्म के लिए प्रेम के किरदार को निभाना, मेरे लिए पहले किए गए किसी भी किरदार से अलग था। एक खौफनाक हत्यारे के किरदार को अच्छी तरह से निभाना जो किसी भी अन्य व्यक्ति की तरह दिख सकता हो, वो मेरे लिए मुश्किल काम था। उन्होंने फिल्म के डायरेक्टर आदित्य निंबालकर की तारीफ की। उन्होंने कहा, आदित्य निंबालकर ने इस अजीबोगरीब दुनिया को बहुत ही सावधानीपूर्वक बनाने में शानदार काम किया है। यह एक अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण फिल्म है। हम उम्मीद करते हैं कि दर्शक इस तरह की कहानियों को बताने की जरूरत को समझ पाएंगे। फिल्म 'सेक्टर 36' निठारी कांड पर आधारित है। इस फिल्म के ट्रेलर में इंस्पेक्टर राम चरण पांडे नाम के एक किरदार को दिखाया गया है, जिसे एक्टर दीपक डोबरियाल ने निभाया है। ट्रेलर के मुताबिक, वह वॉर्निंग के बावजूद सीरियल किलर का पीछा करते हैं। साथ ही वह लापता बच्चों का पता लगाते हैं। यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। सेक्टर 36 का निर्देशन आदित्य निंबालकर ने किया है, जो उनकी डेब्यू फिल्म है। दीपक डोबरियाल ने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, 卐मैं शुरुआत से ही सेक्टर 36 की स्क्रिप्ट को पढ़कर मंत्रमुग्ध हो गया था। यह एक पावरफुल थ्रिलर फिल्म है, जो समाज में असमानता को सामने लाती है और यह बताती है कि अपराध कैसे फलता-फूलता है।卐 बता दें कि फिल्म 卐सेक्टर 36卐 13 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। दीपक डोबरियाल के करियर की बात करें तो वह ओमकारा (2006), शौर्य (2008), तनु वेड्स मनु (2011), दबंग 2 (2012), चोर-चोर सुपर चोर (2013), तनु वेड्स मनु रिटर्न्स (2015), प्रेम रतन धन पायो जैसी फिल्मों में नजर आए हैं। इसके अलावा उन्होंने हिंदी मीडियम (2017) और अंग्रेजी मीडियम (2020) में भी काम किया है।

करीना एक्शन-थ्रिलर फिल्मों से मचाएंगी धमाल, द बकिंघम मर्डर्स के बाद सिंघम अगेन होगी रिलीज

इस दिनों करीना कपूर अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। करीना की इन आने वाली ज्यादातर फिल्मों में आपको एक्शन, थ्रिलर, सस्पेंस और रोमांस भर-भरकर दिखाई देगा। जल्द ही करीना द बकिंघम मर्डर्स में एक अलग ही अंदाज में नजर आएंगी। द बकिंघम मर्डर्स में करीना एक मर्डर मिस्ट्री को सुलझाती नजर आएंगी। इस फिल्म में आपको भरपूर सस्पेंस और थ्रिलर देखने को मिलेगा। द बकिंघम मर्डर्स के अलावा करीना कपूर सिंघम अगेन को लेकर भी सुर्खियों में बनी हुई हैं। रोहत शेट्टी की धमाकेदार एक्शन फिल्म सिंघम 3 में करीना एक्शन करती नजर आएंगी। सिंघम फिल्म की तीसरी किस्त में करीना अवनी बाजीराव सिंघम की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म में इस बार करीना एक्शन करती भी नजर आएंगी। इस फिल्म में करीना के अलावा टाइगर श्रॉफ, अजय देवगन, अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, करीना निर्देशक-निर्माता करण जौहर की आगामी पीरियड ड्रामा फिल्म तख्त में भी नजर आएंगे। करीना के अलावा इस फिल्म में कई स्टार्स नजर आएंगे। हालांकि, अभी इस फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वीरे दी वेडिंग की दूसरी किस्त वीरे दी वेडिंग 2 आ सकती है। जिसमें एक बार फिर से करीना के अलावा कई अभिनेत्रियां नजर आएंगी।

द परफेक्ट कपल में निकोल किडमैन संग काम कर रहे हैं ईशान खट्टर

नेटफ्लिक्स की आगामी ड्रामा सीरीज द परफेक्ट कपल का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इसमें मशहूर हॉलीवुड अभिनेत्री निकोल किडमैन मुख्य भूमिका में नजर आ रही हैं। वहीं, हिंदी फिल्मों के अभिनेता ईशान खट्टर की यह पहली हॉलीवुड सीरीज है। दो मिनट से भी अधिक लंबे इस ट्रेलर में विनबरी परिवार की कहानी दिखाई गई है, जो एक मर्डर की जांच का केंद्र बन जाते हैं। उनके घर के पास एक शव पाया जाता है, जिसके बाद कहानी अलग मोड़ ले लेती है।

दिखी ईशान खट्टर की झलकियां एमेलिया सैक्स नैनटकेट के सबसे अमीर परिवारों में से एक में शादी करने वाली है। ये शादी तब बाधित होती है, जब समुद्र तट पर एक शव पाया जाता है। यह कौन है और यह सब विनबरी परिवार से कैसे जुड़ा है, ये इस सीरीज की कहानी है। इस पूरे ट्रेलर में ईशान खट्टर की दो झलक देखने को मिलती है। इनमें से एक बार तो वह पलक झपकते ही गायब भी हो जाते हैं। ट्रेलर में संवाद काफी कम दिखाए गए हैं। ईशान कोई भी डायलॉग बोलते नजर नहीं आए हैं। ऐसा लगता है कि वह परिवार के किसी सदस्य या किसी दोस्त की भूमिका में नजर आ सकते हैं। यह सीरीज एलिन हिल्डरब्रांड की 2018 की किताब पर आधारित है, जो नानकुट के एक अमीर परिवार के बारे में है। सितारों से भरे इस सीरीज का निर्देशन ऑस्कर विजेता सुजैन बियर ने किया है। वह इससे पहले द नाइट मैनेजर और द अनडूइंग जैसे पुरस्कार विजेता सीरीज का निर्देशन कर चुके हैं। द परफेक्ट कपल में निकोल किडमैन और लिव श्राइबर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

थम्बा में नजर आएगी आयुष्मान और रश्मिका की जोड़ी

निर्देशक अमर कौशिक इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म स्त्री 2 की सफलता का आनंद ले रहे हैं। उनके निर्देशन में बनी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हो चुकी है। इस हॉरर कॉमेडी को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। फिल्म रिलीज के तीसरे सप्ताह में भी शानदार प्रदर्शन कर रही है। इसके बाद अब वह अपनी आगामी फिल्म पर काम शुरू करने के लिए तैयार हैं, जो इस हॉरर कॉमेडी की दुनिया का हिस्सा होने वाली है। उनके इस हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स में महिला भूत, पुरूष भूत, भेड़िया, ब्रह्मपिचाश के बाद अब वैंपायर्स शामिल होने वाले हैं। निर्देशक ने इस फिल्म का नाम भी घोषित कर दिया है। दो महीनों में शुरू हो जाएगी थम्बा की शूटिंग हाल ही में इंडिया टुडे से एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अपनी आगामी फिल्म के शीर्षक की पुष्टि की है। इसके साथ ही उन्होंने जानकारी देते हुए कहा, हम अगले दो महीनों में इसकी शूटिंग शुरू कर देंगे। अमर कौशिक इस फिल्म से बतौर निर्माता जुड़ेंगे। इस फिल्म का निर्देशन मुंजा के निर्देशक आदित्य सरपोतदार करने वाले हैं। फिल्म की शूटिंग नवंबर से शुरू किए जाने की उम्मीद है। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना नजर आने वाले हैं। आयुष्मान खुराना इससे पहले भी दिनेश विजान के निर्माण में बनी फिल्म बाला में काम कर चुके हैं, जिसका निर्देशन अमर कौशिक ने ही किया था। थम्बा में आयुष्मान और रश्मिका पहली बार स्क्रीन पर साथ नजर आने वाले हैं। अभिनेता इस फिल्म में अपने अनोखे किरदार से दर्शकों को हैरान करने वाले हैं।

हिट 3 में पुलिस के अवतार में खूंखार अपराधी बने नानी

नेचुरल स्टार नानी इन दिनों अपनी हालिया फिल्म सारिपोधा सानिवारम की अपार सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। विवेक अथरेया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में प्रियंका मोहन और एसजे सूर्या ने अहम भूमिका निभाई है। वहीं इस बीच अब नानी के अगली नई फिल्म पर दिलचस्प अपडेट सामने आया है। नानी की अगली फिल्म हिट 3 है, फिल्म की घोषणा के साथ इसका पहला पोस्टर और टीजर निर्माताओं ने जारी किया है।

टीजर में भयंकर अवतार में दिखे नानी

अभिनेता नानी की हिट 3 का पोस्टर और टीजर जारी किया गया। यह हिट फेंचाइजी की तीसरी किस्त है, जिसमें नानी एक क्रूर पुलिस अधिकारी अर्जुन सरकार की भूमिका निभा रहे हैं। प्रोमो में नानी एक निर्दयी पुलिस वाले के रूप में दिखाई दे रहे हैं, जो अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। इसमें नानी को एक भयंकर अवतार में दिखाया गया है। सिनेमा चेन पीवीआर द्वारा अपने सोशल मीडिया हैंडल पर टीजर साझा किए जाने के बाद नानी ने फिल्म का पोस्टर एक कैप्शन के साथ साझा किया, जिसमें लिखा था, पुलिस कम, अपराधी ज्यादा। अर्जुन सरकार ने कार्यभार संभाला। नानी 32 अब हिट द थर्ड केस है। खून के दरवाजे 1 मई 2025 को खुलेंगे।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

हिट 3 की घोषणा कुछ साल पहले निर्देशक डॉ. शैलेश कोलानू ने की थी। यह फिल्म अगले साल यानी 1 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्माण वॉल पोस्टर सिनेमा ने यूनिनामस प्रोडक्शंस के साथ मिलकर किया है। नानी को आखिरी बार सारिपोधा सानिवारम में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट रही।

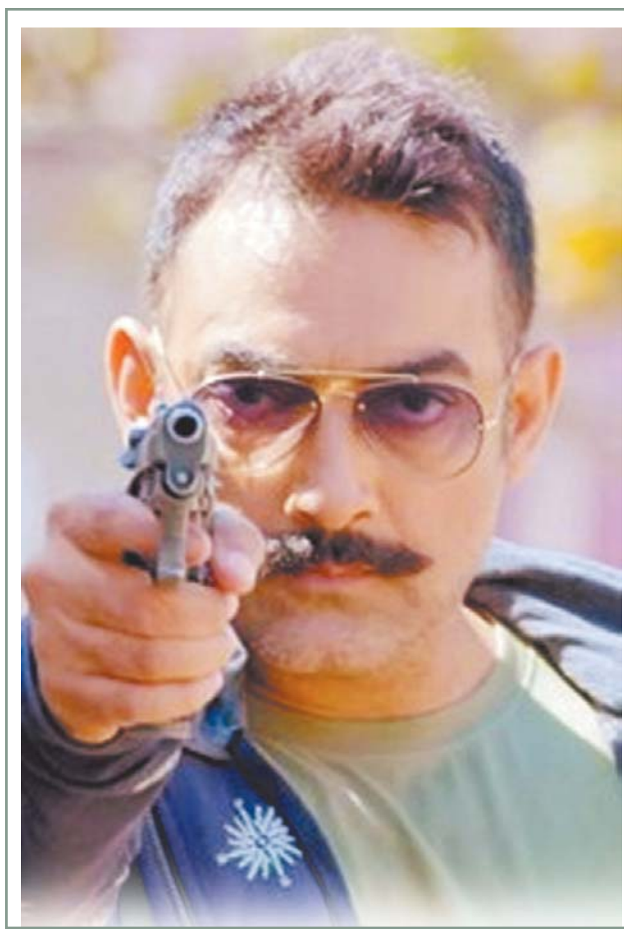

मानव ने साझा किया तनाव 2 में काम करने का अनुभव

दो साल बाद सफल वेब शो तनाव अपने दूसरे सीजन के साथ वापस आ रहा है। यह थ्रिलर कश्मीर की पृष्ठभूमि पर आधारित है और यह इजराइली सीरीज फौदा का रूपांतरण है। शो में मानव विज और अरबाज खान मुख्य भूमिका में हैं और यह सितंबर में रिलीज होने वाला है। मानव ने कबीर की भूमिका निभाई है, जो अब स्पेशल टास्क ग्रुप के साथ नए खतरे का सामना करने के लिए तैयार है। तनाव सीजन 2 बहादुरी, धोखे, लालच, प्यार और बदले की एक्शन से भरपूर कहानी पेश करेगी।

मानव विज एक सेवानिवृत्त स्पेशल टास्क फोर्स सदस्य की भूमिका निभाते नजर आएंगे, जो एक दर्दनाक तलाक के बाद के स्थितियों से जूझ रहे हैं। वहीं अब मानव ने सीरीज के फिल्मांकन के बारे में बात की और पहले सीजन की सफलता के बाद अब दूसरे सीजन को लेकर भी अपना उत्साह व्यक्त किया। अनुभव के बारे में बात करते हुए मानव ने कहा, तनाव 2 पर काम करना एक अविस्मरणीय अनुभव था। विशेष रूप से संघर्ष, प्रतिशोध के गहन विषयों के साथ यह रोमांचक था, लेकिन जो वास्तव में सबसे अलग था, वह सेट का माहौल था, जो एक मिनट के लिए गंभीर था और फिर सब मिलकर भरपूर हंसते थे।

सेट पर बनाए दोस्ती के रिश्ते मानव ने आगे कहा, भावनात्मक रूप से सबसे कठिन दृश्यों की शूटिंग के दौरान भी हमारे बीच जो बंधन बने, उन्होंने माहौल को सकारात्मक बना दिया। ईमानदारी से कहूं तो यह सिर्फ इतना ही नहीं है कि सुधीर सर सभी के लिए खाना लाते थे और हमारे ब्रेक को कहानी के समय में बदल देते थे। यह अदृश्य बंधन है, जो किसी शो की कहानी को बढ़ावा देता है। इस उद्योग में इस तरह का बंधन बनाना दुर्लभ है और मेरा मानना है कि यह दर्शकों भी स्क्रीन पर इसे देख इसका आनंद लेंगे।

इस दिन रिलीज होगी सीरीज

मुख्य भूमिकाओं में मानव विज और अरबाज खान के अलावा शो में गौरव अरोड़ा, एकता कौल, सत्यदीप मिश्रा, अर्सलान गोनी, सोनी राजदान, साहिबा बाली और दानिश हुसैन जैसे कलाकार भी हैं। सुधीर मिश्रा और ई. निवास द्वारा निर्देशित, तनाव सीजन 2 को अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित किया गया है। पुरस्कार विजेता सुधीर मिश्रा और ई. निवास द्वारा निर्देशित तनाव सीजन 2 12 सितंबर 2024 को रिलीज होगी।

रूपहले पर्दे के हर रंग में बखूबी रंगी मानवी गगरू

मानवी गगरू ने अपने टैलेंट के दम पर इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। मानवी, कश्मीरी पंडित परिवार से ताल्लुक रखती हैं।

मानवी ने साल 2017 के शो धूम मचाओ धूम से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। अभिनेत्री ने शो फोर मोर शॉट्स प्लीज के लिए सबसे ज्यादा वाहवाही बटोरी। मानवी, फिल्म उजड़ा चमन और शुभ मंगल ज्यादा सावधान में भी नजर आ चुकी हैं।

भारतीय क्रिकेट बेहद शक्तिशाली है क्योंकि हर जगह से आ रही है प्रतिभा: राहुल द्रविड

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु । महान खिलाड़ी राहुल द्रविड़ ने कहा कि बढ़ते प्रतिभा पूल की बदौलत भारतीय क्रिकेट एक'बेहद शक्तिशाली' ताकत के रूप में विकसित हुआ है और यह अब देश के सुदूर कोने तक भी फैल गया है। टी20 विश्व कप में भारत की जीत के सूत्रधार रहे द्रविड़ ने कहा कि एक मजबूत क्लब क्रिकेट संस्कृति का राष्ट्रीय टीम में शहर के क्रिकेटरों के दबदबे की पुरानी प्रवृत्ति को खत्म करने में काफी योगदान है। माउंट जॉय क्लब के 50वें वर्ष के जश्न के दौरान भारत के पूर्व कोच ने कहा, ''अगर आप आज भारतीय क्रिकेट को देखें, तो भारतीय क्रिकेट बेहद मजबूत है, यह बेहद शक्तिशाली है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि प्रतिभाएं हर जगह से, देश के हर कोने से आती है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि अगर आप जीआर विश्वनाथ के समय में जाएं या जब मैं अपना करियर शुरू कर रहा था, तब भी ज्यादातर प्रतिभाएं बड़े शहरों या कुछ चुनिंदा राज्यों से आती थीं।'' उन्होंने कहा, '' छोटी जगहों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी क्रिकेट खेलने के लिए बड़े शहरों में आना पड़ता था। मेरा मानना है कि मौजूदा दौर में आप देख रहे हैं कि भारतीय क्रिकेट में हर जगह से खिलाड़ी आ रहे हैं।''

द्रविड़ में भारतीय क्रिकेट के बढ़े हुए स्तर का उदाहरण घरेलू क्रिकेट से दिया। उन्होंने कहा, ''आप अब रणजी ट्रॉफी के स्तर को देखिये , आप किसी भी टीम को हलके में नहीं ले सकते है।'' उन्होंने कहा, '' मैं किसी का अनादर नहीं कर रहा हूं लेकिन जब मैंने खेलना शुरू किया था तब दक्षिण क्षेत्र में तमिलनाडु और हैदराबाद को छोड़कर हम अन्य टीमों के प्रति थोड़े आश्वस्त होकर खेलते थे लेकिन अब आप ऐसा नहीं कर सकते है। हर टीम मजबूत है।

रणधीर सिंह ओसीए अध्यक्ष चुने जाने वाले पहले भारतीय बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी खेल प्रशासक रणधीर सिंह एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के अध्यक्ष चुने जाने वाले पहले भारतीय बन गये। उन्हें रविवार को यहां इस महाद्वीपीय संस्था की 44वीं आम सभा के दौरान यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। पांच बार के ओलंपिक निशानेबाज रणधीर ओसीए अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र योग्य उम्मीदवार थे।

उनका कार्यकाल 2024 से 2028 तक रहेगा।उनका चयन सर्वसम्मति से किया गया। यह 77 वर्षीय कुशल प्रशासक 2021 से ओसीए के कार्यवाहक अध्यक्ष थे। उन्होंने कुवैत के शेख अहमद अल-फहद अल-सबा की जगह ली है, जिन पर नैतिकता के उल्लंघन के कारण इस साल मई में खेल प्रशासन से 15 साल का प्रतिबंध लगा दिया गया था।

भारतीय और एशियाई खेल संस्थाओं में विभिन्न प्रशासनिक पदों पर रहे रणधीर को खेल मंत्री मनसुख मांडविया और एशिया के सभी 45 देशों के शीर्ष खेल प्रशासकों की उपस्थिति में आधिकारिक तौर पर ओसीए अध्यक्ष चुना गया। रणधीर पंजाब के पटियाला के रहने वाले हैं और उनका परिवार शुरू से खेलों से जुड़ा रहा है। उनके चाचा महाराजा यादवेंद्र सिंह भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलते थे और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के सदस्य थे।

उनके पिता भलिंदर सिंह भी प्रथम श्रेणी क्रिकेटर थे। वह 1947 और 1992 के बीच आईओसी सदस्य रहे थे। रणधीर भी 2001 से 2014 तक आईओसी के सदस्य रहे थे। इसके बाद वह मानद सदस्य के रूप में आईओसी से जुड़े रहे।

ईरान का जैवलिन थ्रोअर अयोग्य घोषित, गोल्ड में बदला नवदीप सिंह का सिल्वर मेडल

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस पैरालंपिक में शनिवार को पुरुषों की भाला फेंक एफ41 फाइनल में नाटकीय प्रदर्शन के बीच ईरान के बेत सयाह सादेघ को अयोग्य घोषित किए जाने के बाद भारत के नवदीप सिंह के रजत पदक को स्वर्ण में बदल दिया गया। यह पुरुषों की भाला एफ41 श्रेणी में भारत का पहला स्वर्ण पदक है। नवदीप का पहला प्रयास फाउल रहा लेकिन उन्होंने दूसरे प्रयास में 46.39 मीटर के थ्रो के साथ शानदार वापसी की।

तीन साल पहले टोक्यो पैरालंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाले नवदीप के तीसरे थ्रो ने स्टेडियम को रोमांचित कर दिया। उन्होंने 47.32 मीटर के विशाल थ्रो के साथ पैरालंपिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया और बढ़त बना ली। सादेघ ने हालांकि अपने पांचवें प्रयास में भारतीय खिलाड़ी से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 47.64 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो किया। फाइनल की समाप्ति के कुछ समय बाद ईरान के खिलाड़ी को अयोग्य घोषित कर दिया गया, जिसके कारण नवदीप ने शीर्ष स्थान हासिल किया।

सयाह को बार-बार आपत्तिजनक झंडा प्रदर्शित करने के लिए अयोग्य घोषित किया गया। वह अपनी हरकतों से स्वर्ण पदक गवां बैठे। अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति के नियम एथलीटों को आयोजन में कोई भी राजनीतिक संकेत देने से रोकते हैं और सयाह को गैर-खेल/अनुचित आचरण के लिए अंतिम परिणामों से बाहर कर दिया गया था। इस स्पर्धा का रजत विश्व रिकॉर्ड धारक चीन के सन पेंगजियांग (44.72) के नाम रहा जबकि इराक के नुखाइलावी वाइल्डन (40.46) ने कांस्य पदक जीता। एफ41 श्रेणी छोटे कद के एथलीटों के लिए है। नवदीप ने इस स्वर्ण पदक के साथ तोक्यो खेलों में चौथे स्थान पर रहने की कसक को दूर की। आयकर विभाग में निरीक्षक के पद पर तैनात नवदीप ने 2017 में खेल में आने के बाद से राष्ट्रीय स्तर पर पांच बार पदक जीते हैं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में पैरा-विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था।

इंडिया 'बी' के सामने पस्त हुई इंडिया 'ए' की टीम, ऋषभ पंत ने इंडिया ए के हडल में 'घुसपैठ' कर जान लिया पूरा प्लान

बेंगलुरु (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी 2024 में इंडिया ए और इंडिया बी के बीच मुकाबला खेला गया। जिसे इंडिया बी ने जीत लिया। वहीं विकेटकीपर और बल्लेबाज ऋषभ पंत एक बार फिर चर्चाओं में हैं। पंत अक्सर मैदान पर अपनी बल्लेबाजी और मजाकिया अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उनका सेंस ऑफ ह्यूमर भी कमाल का है। वह कई बार ऐसी फनी हरकते करते दिखे जिससे विरोधी टीम के खिलाड़ी भी खुद को हंसने से नहीं रोक पाए।

दरअसल, टूर्नामेंट में इंडिया बी का हिस्सा पंत ने मजाकिया अंदाज में इंडिया ए टीम के हडल के दौरान घुसबैठ कर दी। जिसके बाद उन्होंने चुपके से इंडिया ए का पूरा प्लान जान लिया। पंत का ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। जिसे देखकर आप भी खुद को मुस्कुरान से नहीं रोक पाएंगे।

पंत ने इंडिया ए वर्सेस इंडिया बी मुकाबले के चौथे दिन यानी रविवार को सुबह के समय हडल में घुसपैठ की। इंडिया एक के कप्तान शुभमन गिल मैदान पर उतरने से पहले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रहे थे। तभी पंत ने चोरी छिपे से इंडिया ए के हडल में सेंधमारी की और उनका प्लान जान लिया। कुछ देर बाद उन्होंने शुभमन की बातें सुनी और फिर तेज गेंदबाज आवेश खान के साथ मस्ती करने लगे। उसके बाद पंत हंसते हुए वहां से चले गए।

वहीं कमेंटेटर ने ऑन एयर कहा कि, आज सुबह इंडिया ए की टीम हडल में नीली टी-शर्ट पहने ये शख्स कौन है। ये इंडिया बी के ऋषभ पंत हैं। उन्हें प्लान पता चल गया है। पंत के वीडियो पर क्रिकेट फैंस जमकर ठहाके लगा रहे हैं।

फिलहाल मैच की बात करें तो, दूसरी पारी में पंत ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। उन्होंने 47 गेंदों में 61 रन की पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 2 छक्के शामिल हैं। वह पहली पारी में सात रन बनाकर आउट हो गए थे। इंडिया बी ने बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में इंडिया ए को 76 रन से हरा दिया।

संन्यास के बाद कोच बनेंगे स्टोक्स

लंदन ।इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद ब्रेंडन मैकुलम की तरह ही कोच बन सकते हैं।इंग्लैंड क्रिकेट टीम के वर्तमान मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने भी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद ही कोचिंग का काम शुरु किया था।मैकुलम न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर हैं।अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के करीब 6 साल बाद मैकुलम को टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड का मुख्य कोच नियुक्त किया गया हालांकि इससे पहले वह कई जगह कोच रहे हैं। स्टोक्स और मैकुलम दोनों के बीच काफी अच्छी बांडिंग हैं।दोनों ही मिलकर इंग्लैंड की टेस्ट टीम में बैजबॉल के नाम से लोकप्रिय हुई आक्रामण रणनीति लाये हैं।इसी को देखते हुए माना जा रहा है कि अब स्टोक्स संन्यास के बाद मैकुलम की ही राह पर चलेंगे।स्टोक्स ने कोच बनने की अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में भी बताया।उन्होंने कहा कि खेल के प्रति उनका प्यार उन्हें संन्यास के बाद भी क्रिकेट के मैदान को नहीं छोड़ने के लिए मजबूर करेगा।इसी कारण वह कोच के तौर पर खेल से जुड़े रहेंगे।स्टोक्स ने कहा कि मैं ऐसे लोगों में नहीं हूं जो खेलना छोड़ देने के बाद क्रिकेट से जुड़े न रहें।मैं खुद को कोच बनने की राह पर आगे बढ़ते हुए देखता हूं। मुझे लगता है कि ये खेल के प्रति मेरे प्यार के कारण है।जब मैं खेलना छोड़ दूंगा तो मैं कुछ लोगों के करियर को प्रभावित करने की कोशिश करना चाहूंगा।स्टोक्स ने एकदिवसीय प्रारुप से संन्यास ले लिया था पर एकदिवसीय विश्वकप 2023 से ठीक पहले उन्होंने खेल में वापसी कर ली थी।

पैरा खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपने को साबित किया

पेरिस।पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने टोक्यो पैरालंपिक से भी अधिक पदक जीतकर एक बार फिर अपने को साबित कर दिया है।टोक्यो में जहां 19 पदक मिले थे।वहीं पेरिस में 25 से ज्यादा पदक मिले हैं।पैरालंपिक खिलाड़ियों ने 6 स्वर्ण जीत लिए हैं।पेरिस ओलंपिक में भारत को एक भी स्वर्ण पदक के अलावा कुल 7 पदक से ज्यादा नहीं मिले हैं।7 पदक टोक्यो ओलंपिक में मिले थे।दूसरी ओर पैरा खिलाड़ियों ने पदकों की जबरदस्त छलांग लगायी हैं।पैरालंपिक में शामिल खिलाड़ियों की संख्या भी ओलंपिक से काफी कम है।रियो में भारत के 19 पैरा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और 2 स्वर्ण सहित पदक सहित 4 पदक जीते।इसके बाद टोक्यो पैरालंप?िक में भारत के 54 पैरा एथलीट्स उतरे और इसमें भारत ने 5 स्वर्ण सहित 19 पदक जीते।वहीं पेरिस पैरालंपिक में एथलीट्स की संख्या बढ़कर 84 हुई तो पदक भी बढ़े हैं।पेरिस में जहां भारत ने 12 खेलों में हिस्सा लिया।वहीं टोक्यो में भारतीय खिलाड़ी 9 खेलों में ही उतरे थे।भारत ने पेरिस में तीन नए खेलों पैरा–साइक्लिंग, पैरा–रोइंग और ब्लाइंड जूडो में भी भाग लिया और पदक जीते।वहीं इस बार महिला एथलीटों ने पुरुषों से अधिक अच्छा प्रदर्शन किया।

मुशीर के भविष्य में बेहतर क्रिकेटर बनकर उभरने की संभावना : दहिया

बेंगलुरु।भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज विजय दहिया ने दिलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन करने वाले युवा क्रिकेटर मुशीर खान की प्रशंसा की है। दहिया ने कहा कि मुशीर भविष्य में एक बेहतर क्रिकेटर बन सकता है क्योंकि वह मजबूत मानसिकता वाला खिलाड़ी है। ऐसे में अगर वह निरंतरता बनाए रखता है तो भविष्य में भारतीय टीम में जगह का दावेदार बन जाएगा।मुशीर ने बेंगलुरु में चल रहे दलीप ट्रॉफी में भारत बी की ओर से शानदार शतक लगाया है। मुशीर की इस पारी से उनकी टीम भारत ए के खिलाफ बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही।जब मुशीर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे तो टीम ने 100 रनों के अंदर ही सात विकेट खो दिये थे पर मशीर ने दबाव के बीच भी रन बनाते हुए टीम का 300 रनों से ऊपर पहुंचा दिया। मुशीर की इसी बल्लेबाजी से प्रभावित दाहिया ने कहा, 'मुशीर को उनकी मानसिकता सबसे अलग बनाती है क्योंकि वह इसमें मजबूत दिखता है।मेरा माना है कि वह इसी प्रकार लगातार रन बनाता रहा तो वह भारतीय टीम के लिए बहुत अच्छा विकल्प हो सकता है।मुशीर की निरंतरता से भी दहिया प्रभावित हैं। उन्होंने कहा, 'उनकी बल्लेबाजी की सबसे खास बात रन बनाने में निरंतरता है। उसने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल और फाइनल में रन बनाए और फिर में घरेलू क्रिकेट के पहले दिन ही शतक लगा दिया।दहिया ने कहा, 'मुशीर ने बाएं हाथ के स्पिनर के तौर पर शुरूआत करते हुए बल्लेबाजी में भी अपनी जगह बना ली है।इससे पता चलता है कि अगर मेहनत से कोई चीज की जाये तो सफलता अवश्य मिलती है।

भारत 2030 युवा ओलंपिक के लिए दावेदारी पेश करेगा: खेल मंत्री

नयी दिल्ली (एजेंसी)। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत 2030 में होने वाले युवा ओलंपिक के लिए बोली लगाने के लिए तैयार है, जो 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। वर्ष 2030 में पांचवें युवा ओलंपिक खेलों का आयोजन किया जाएगा। मांडविया ने यहां एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) की 44वीं महासभा के अवसर पर कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम 2030 में होने वाले युवा ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए बोली लगाने जा रहे हैं, लेकिन हमारा ध्यान 2036 ओलंपिक की मेजबानी पर है।''

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, ''मोदीजी के नेतृत्व में हमने क्रिकेट विश्व कप, फुटबॉल अंडर-17 विश्व कप सहित कई अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया।'' युवा ओलंपिक 2023 की मेजबानी हासिल करने के लिए भारत के अलावा पेरू, कोलंबिया, मैक्सिको, थाईलैंड, मंगोलिया, रूस, यूक्रेन, बोस्निया और हर्जेगोविना भी दौड़ में शामिल हैं।

घरेलू हालातों के कारण स्पिनरों के लिए टीम में जगह बनाना होता है मुश्किल: एजाज

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के स्पिनर एजाज पटेल इंग्लैंड के जिम लेकर और भारत के अनिल कुंबले के बाद एक ही पारी में 10 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज हैं। इसके बाद भी एजाज अब तक 16 टेस्ट ही खेल पाये हैं। इसमें उन्होंने 5 के औसत से 62 विकेट लिए हैं। इसी को लेकर इस स्पिनर का दर्द फूट पड़ा। एजाज ने कहा कि एक पारी में दस विकेट लेने के बाद भी उसे खेलने का काफी कम अवसर मिला है। एजान ने अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले कहा कि न्यूजीलैंड के घरेलू हालात तेज गति के अनुकूल होने के कारण स्पिनरों को मुश्किल से अवसर मिल पाता है। इसके बाद भी स्पिनर जब भी अवसर मिलते हैं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करते हैं।

अजाज ने कहा कि, मुझे लगता है कि यदि आप न्यूजीलैंड के सभी स्पिनरों से पूछें, तो वे भी कहेंगे कि घरेलू परिस्थितियों के कारण घर पर कई अवसर प्राप्त करना मुश्किल होता है पर

मुझे यह भी लगता है कि जब आप इस तरह की घरेलू परिस्थितियों में आते हैं तो बेहतर प्रदर्शन की अधिक चाहत होती है। आप हालातों को जानते हैं यह स्पिन के अनुकूल है। आप वहां जाने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार होते हैं। यह वास्तव में खेल में जाने और हालातों का आनंद लेने के बारे में है।

एजाज ने कहा कि एक पेशेवर माहौल में खिलाड़ियों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे बाहर जाएं और अपने खेल में सुधार करते रहें और आगे बढ़ते रहें। मुझे लगता है कि 10 विकेट के बाद हां, आप निश्चित रूप से थोड़ा निराश हैं क्योंकि आपको अधिक अवसर नहीं मिलते हैं, लेकिन साथ ही, एक खिलाड़ी के रूप में, यह अभी भी आपके खेल को बढ़ाने के बारे में है। मैंने 10 विकेट लेने के बाद अपना रन अप थोड़ा बदला है। यह हमेशा सुधार करने के बारे में है और यह हमेशा यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि अगला अवसर आने पर आप तैयार हैं। न्यूजीलैंड के लिए खेलना हमेशा सौभाग्य की बात है और निश्चित रूप से अपने देश के लिए खेलना कभी नहीं आसान है और उन अवसरों को प्राप्त करना हमेशा काफी खास होता है।

कृति की मेहनत रंग लाई, यूपी अंडर–19 महिला क्रिकेट टीम में जगह मिली

लखनऊ ।उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद की 17 साल की कृति यादव को यूपी अंडर–19 महिला क्रिकेट टीम में जगह मिली है।कृति का यहां तक का सफल आसान नहीं रहा।उसे हर दिन 5 किलो मीटर जाकर अभ्यास करना पड़ता है जिसका फल अब उसके मिला है।कृति को बचपन से ही क्रिकेट का शौक था।उसका जुनून देखकर उनके पिता ने उन्हें तीन साल पहले फिरोजाबाद क्रिकेट एकेडमी में दाखिला दिलाया।इसके बाद से ही कृति का क्रिकेटर बनने का सफर शुरु हुआ। कृति ने कहा कि वह रोज़ सुबह पांच बजे साइकिल से 5 किलोमीटर दूर जाकर प्रैक्टिस करती थीं।कठिन प्रयासों के बाद ही उसे अंडर–19 टीम में जगह मिली है। कृति ने कहा कि यह एक बड़ा मौका है और अब वह कानपुर में यूपी अंडर–19 टीम के साथ खेलेगी।वहीं कृति के कोच मिथुन उपाध्याय ने बताया कि जब कृति तीन साल पहले एकेडमी में दाखिला लेने आई थीं, तभी से उनमें एक अलग ही प्रतिभा नज़र आई थी।वह नियमित रूप से सुबह जल्दी आकर कड़ी मेहनत करती थीं। दाहिने हाथ की बल्लेबाज के रूप में उन्होंने खुद को निखारा है।कोच ने कहा कि यह शहर के लिए गर्व की बात है कि यहां की एक लड़की यूपी की अंडर–19 टीम में चयनित हुई है।उसका सपना अब अंडर–19 टीम में बेहतर प्रदर्शन कर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाना है।

पीसीबी पर भडके पाक के पूर्व क्रिकेटर यासिर अराफात

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शर्मनाक हार के बाद आजकल क्रिकेट टीम और पाक बोर्ड (पीसीबी) को जमकर कोस रहे हैं।इन क्रिकेटरों का मानना है कि खिलाड़ियों के अलावा बोर्ड भी टीम की खराब हालत के लिए जिम्मेदार है।इन दिग्गजों का माना है कि पीसीबी इसके बाद भी सबक लेने को तैयार नहीं है।इसी को लेकर पूर्व क्रिकेटर यासिर अराफात ने पीसीबी को एक सर्कस करार दिया है।यासिर के अनुसार पीसीबी किसी सर्कस की तरह है जिसमें जोकर भरे हुए हैं।यासिर ने ये बात इसलिए कही है क्योंकि पाक टीम को 7 अक्टूबर से इंग्लैंड की तीन टेस्ट के लिए मेजबानी करनी है पर बोर्ड ने अभ्यास क लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट की जगह पर एक वनडे टूर्नामेंट का आयोजन किया है। यासिर ने कहा, अब भी आप देख लें, आपकी यह सीरीज खत्म हो रही है। इतने कमजोर क्षेत्र सामने आये हैं फिर भी गंभीरता नहीं है।टीम में फिटनेस के साथ ही तकनीक को लेकर भी परेशानी है।इसके अलावा पिच और मैदान को लेकर भी कुछ समस्याएं हैं।इसके बाद भी कोच जेसन गिलेस्पी वापस ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं और उसके बाद एकदिवसीय टूर्नामेंट कराया जा रहा है।मुझे इस तरह के फैसलों को देखकर पीसीबी एक सर्कस की तरह नजर आता है। जिसमें जोकर्स जोक होते हैं , वे ही टेस्ट सीरीज से पहले टीम को एकदिवसीय टूर्नामेंट खिला सकते हैं।उन्होंने साथ ही कहा, टीम के कप्तान शान मसूद कहते हैं कि प्लेयर्स ने डेढ साल से टेस्ट या फर्स्ट क्लास मैच नहीं खेला।वहीं आज ऐसे हालातों में इंग्लैंड जैसी बड़ी टीम के खिलाफ खेलने जा रहे हैं।

25 बरस के हुए शुभमन गिल, वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल 8 सितंबर को अपना 25वां जन्मदिन मना रहे हैं। काफी कम समय में शुभमन गिल ने भारतीय क्रिकेट में खुद को स्थापित किया है और वो क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में टीम इंडिया के रेगुलर खिलाड़ी बन चुके हैं। गिल इस समय भारतीय टी20 और वनडे टीम के उपकप्तान भी हैं और उन्हें टीम इंडिया के भविष्य के कप्तान के रूप में भी देखा जा रहा है। शुभमन गिल ने आईपीएल 2024 में गुजरात टाइटंस की कप्तानी भी की थी।

बता दें कि, शुभमन गिल ने अपने क्रिकेट करियर में कुछ रोचक रिकॉर्ड्स अपने नाम दर्ज किए हैं। वो इस समय वर्ल्ड क्रिकेट में वनडे प्रारूप में दोहरा शतक लगाने वाले दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज हैं और उन्होंने पिछले साल यानी साल 2023 में अपने साथी खिलाड़ी इशान किशन का रिकॉर्ड तोड़ा था। गिल ने 19 जनवरी 2023 में अपने साथी खिलाड़ी इशान किशन का रिकॉर्ड तोड़ा था।

गिल ने 18 जनवरी 2023 को न्यूजीलैंड के खिलाफ इशान किशन का रिकॉर्ड तोड़ा था। गिल ने 18 जनवरी 2023 को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने वनडे करियर का दोहरा शतक लगाया था और 208 रन की पारी खेली थी। उन्होंने ये कमाल 23 साल 132 दिन की उम्र में किया था और इशान किशन का रिकॉर्ड तोड़ा था। इशान किशन ने वनडे में पहला दोहरा शतक 24 साल 145 दिन की उम्र में लगाया था।

वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले युवा खिलाड़ी

23 वर्ष 132 दिन में शुभमन गिल ने 208 रन 149 गेंदों में बनाए

24 वर्ष 145 दिन में इशान किशन ने 210 रन 131 गेंदों में बनाए

25 वर्ष 267 दिन में पथुम निसांका ने 210 रन 139 गेंदों में बनाए।

26 वर्ष 186 दिन रोहित ने 209 रन 158 गेंदों में बनाए

संक्षिप्त समाचार

वेस्ट बैंक में इजरायली गोलीबारी में फिलिस्तीनी लड़की की मौत

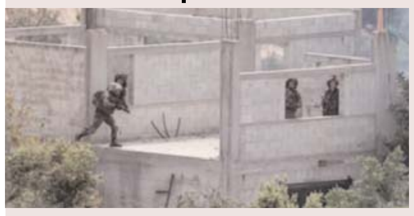

रामल्लाह, एजेंसी। उत्तरी वेस्ट बैंक में नब्लस के दक्षिण में करयुत गांव में इजरायली गोलीबारी में एक फिलिस्तीनी लड़की की मौत हो गई। चिकित्सा सूत्रों ने शुक्रवार को समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि 13 वर्षीय की सीने में गोली लगने से मौत हो गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने एक बयान में कहा कि उनकी टीमों ने कैरयूट में सीने में गंभीर चोट लगने वाली एक लड़की का इलाज किया। घायल लड़की को नब्लस के रफीडिया सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उनके पिता ने समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि बाना बेकर को इजरायली सेना की गोलीबारी में तब चोट लगी जब वह अपनी बहनों के साथ घर के कमरे में थीं। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार को कई लोगों ने गांव पर हमला कर दिया, पत्थर फेंके और आग लगा दी। घटना पर इजरायल की तरफ से अभी तक कोई टिप्पणी सामने नहीं आई है। 7 अक्टूबर, 2023 को हमास और इजरायल के बीच हुए संघर्ष के बाद से फिलिस्तीनी और इजरायली लोगों के बीच पश्चिमी तट पर तनाव बढ़ता जा रहा है।

बांग्लादेश ने सब्जी आयात पर शुल्क घटाया

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश के कर संग्रह निकाय, राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड ने रसोई की आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए प्याज और आलू के आयात पर टैक्स कम कर दिया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कर प्राधिकरण ने गुरुवार को एक बयान में कहा, बोर्ड ने प्याज आयात पर 5 प्रतिशत नियामक शुल्क माफ कर दिया है और आलू आयात पर सीमा शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। इसके अलावा, बोर्ड ने फसल सुरक्षा रसायनों की आपूर्ति बढ़ाने के लिए कीटनाशकों के आयात पर शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया है। कर प्राधिकरण ने कहा कि कटौती 30 नवंबर, 2024 तक सक्रिय रहेगी। बाढ़ और हालिया राजनीतिक अराजकता के कारण उपजे आपूर्ति व्यवधानों के प्रभाव को ध्यान में रखते यह निर्णय लिया गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में बांग्लादेश में मुद्रास्फीति दर बढ़कर 11.66 प्रतिशत हो गई, जो 13 सालों में सबसे अधिक है। यह मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की बढ़ी कीमतों के कारण है।

सिंगापुर से चीन जा रहे बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान में गड़बड़ी, सात यात्रियों को आई चोट

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर से चीन जा रहे बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान में गड़बड़ी के कारण सात यात्रियों को चोट आई है। जिस विमान में गड़बड़ी हुई उसे संचालित करने वाली एयरलाइन कंपनी का नाम स्कूट है। खबरों के मुताबिक ग्वांगझू में सुरक्षित लैंडिंग कराने के बाद एक शख्स को अस्पताल में भर्ती कराया गया। विमानन कंपनी स्कूट ने बताया, शुक्रवार सुबह विमान के ग्वांगझू के पास पहुंचने पर चालक दल ने गड़बड़ी की शिकायत की। इसके बाद बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर श्रेणी के इस विमान में टर्ब्युलेंस हुआ। झटके लगने के कारण चार यात्रियों और तीन चालक दल के सदस्यों को चोटें आईं। खबर के मुताबिक स्कूट एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या-टीआर100 सुबह करीब 5.45 बजे सिंगापुर से रवाना हुई थी। उड़ान भरने के करीब तीन घंटे बाद टर्ब्युलेंस की खबर आई। स्थानीय समयानुसार सुबह 9.10 बजे विमान चीन के ग्वांगझू में सुरक्षित लैंड कराया गया। स्कूट कंपनी के मुताबिक ग्वांगझू पहुंचने पर पीड़ितों को तत्काल चिकित्सा सहायता मुहैया कराई गई। 6 सितंबर को स्थानीय समयानुसार रात 8.30 बजे, एक चोटिल यात्री को बेहतर निगरानी के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। कंपनी ने यात्रियों के साथ-साथ चालक दल के जीवन के साथ कोई समझौता न करने की बात कही है।

ब्रिटेन का आरोप- विज्ञापन के क्षेत्र में प्रभुत्व का गलत इस्तेमाल कर रहा गूगल, हो सकता है जुर्माना

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के विनियामक ने गूगल पर डिजिटल विज्ञापन के क्षेत्र में अपने प्रभुत्व का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। वह अपने प्रभुत्व का लाभ उठाकर ब्रिटेन में प्रतिस्पर्धा को समाप्त कर रही है। ब्रिटेन के प्रतिस्पर्धा और बाजार प्राधिकरण ने कहा कि जांच में पता चला है कि गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट ब्रिटेन के 201.48 अरब रुपये के डिजिटल विज्ञापन बाजार में ऑनलाइन प्रकाशकों व विज्ञापनदाताओं को नुकसान पहुंचाती है और अपनी सेवाओं को प्राथमिकता देती है। संस्था के अंतरिम कार्यकारी निदेशक जूलियट एनसर ने कहा कि निष्कर्षों के आधार पर गूगल पर अरबों डॉलर का जुर्माना या अपने व्यवहार को बदलने का आदेश दिया जा सकता है। उन्होंने कहा, डिजिटल विज्ञापन पारिस्थितिकी तंत्र में गूगल एक प्रमुख खिलाड़ी है, जो प्रकाशकों को अपनी वेबसाइट और एप पर विज्ञापन के लिए सर्वर देता है। उन्होंने कहा, हमने पाया है कि जब वेबसाइट पर देखे जाने वाले विज्ञापनों की बात आती है तो गूगल अपनी बाजार शक्ति का इस्तेमाल प्रतिस्पर्धा में बाधा डालने के लिए करता है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री से मिले यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की: यूक्रेन को 250 मिलियन डॉलर की मदद देगा अमेरिका

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात की। ये मुलाकात जर्मनी में हुई जहां 50 से अधिक सहयोगी देशों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। जेलेंस्की मीटिंग में सहयोगी देशों से रूस के खिलाफ जंग में और अधिक हथियारों की मांग करने पहुंचे थे। मीटिंग के दौरान अमेरिका ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ जंग में 250 मिलियन डॉलर की मदद देने का ऐलान किया। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड आस्टिन ने कहा कि यह मीटिंग ऐसे खास समय में हो रही है जब यूक्रेन रूस के खिलाफ पहली बार आक्रामक रुख अपना रहा है, जबकि डोनबास इलाके में रूसी सेना के खतरे का सामना कर रहा है।

यूक्रेन डिफेंस कॉन्टैक्ट ग्रुप की यह मीटिंग जर्मनी के रामस्टीन एयर बेस पर हुई। जेलेंस्की बोले- रूस में अंदर तक हमला करने की जरूरत यूक्रेनी राष्ट्रपति ने मीटिंग के दौरान एक बार फिर रूस के खिलाफ अंदर तक हमला करने की बात को दोहराया। जेलेंस्की ने कहा कि अब रूस के भीतर गहराई तक हमले करने की आवश्यकता है। जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से हथियारों के उपयोग से जुड़े प्रतिबंधों में ढील देने के लिए कहा। साथ ही रूस के हवाई ठिकानों और लॉन्च साइट्स को निशाना बनाने की परमिशन मांगी। जेलेंस्की का यह बयान हाल ही में यूक्रेन पर हुए रूसी हवाई हमलों के बाद आया। इन हमलों के दौरान रूस ने यूक्रेन के एक सैन्य प्रशिक्षण केंद्र को भी निशाना बनाया था। इन हमलों में 50 से अधिक लोग मारे गए थे। दूसरी तरफ रूस ने आज फिर यूक्रेन के पावलोहराद शहर पर 5 बैलेस्टिक मिसाइलें दागीं। इसमें 50 से अधिक लोग घायल हो गए है। हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलें दे सकता है अमेरिका अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन ने कहा कि पश्चिमी देश यूक्रेन के स्-300 सिस्टम के विकल्प की तलाश कर रहे हैं। यूक्रेन का ये डिफेंस सिस्टम सोवियत काल का है। इस दौरान रुस और यूक्रेन एक ही देश हुआ करते थे। अमेरिका यूक्रेन को हवा से जमीन पर मार करने वाली छ्वस्स्रू मिसाइल देने पर विचार कर रहा है। इन मिसाइलों को हाल ही में यूक्रेन के दिए गए स्न-16 लड़ाकू विमानों से इस्तेमाल किया जा सकता है। ये मिसाइलें यूक्रेन के लिए लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल के तौर पर काम कर सकती हैं। पिछले दो सालों से यूक्रेन डिफेंस ग्रुप के सदस्य यूक्रेन को हथियार देने के लिए मीटिंग कर रहे हैं। इन मीटिंग में यूक्रेन को गोला-बारूद से लेकर एयर डिफेंस सिस्टम और लड़ाकू विमान देने तक पर फैसला लिया जाता है। शुक्रवार को हुई मीटिंग में भी एयर डिफेंस सिस्टम और आर्टिलरी की सप्लाई करने के साथ यूक्रेन की डिफेंस इंडस्ट्री को मजबूत करने पर चर्चा हुई। एपी के मुताबिक इसका मकसद यह कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का कार्यकाल समाप्त हो, तब तक यूक्रेन मजबूत स्थिति में आ जाए। यूक्रेनी हमले का पुतिन पर खासा असर नहीं समाचार एजेंसी एपी के मुताबिक रूस के कुर्स्क इलाके में यूक्रेन हमले का पुतिन पर खासा असर नहीं हुआ है। पुतिन ने अभी भी अपना ध्यान यूक्रेन के पोक्रोव्स्क शहर से नहीं हटाया है। पोक्रोव्स्क शहर यूक्रेनी सेना को महत्वपूर्ण रेल और सप्लाई लिंक प्रदान करता है। अगर यूक्रेन इस शहर को खो देता है तो इससे दूसरे शहरों को खोने का खतरा भी बढ़ सकता है। साथ ही इससे उसके द्वारा रूस के खिलाफ शुरू किए गए आक्रामक हमलों पर भी असर पड़ेगा।

द. कोरिया में तेजी से गिर रही जन्म दर, रोकने के हरसंभव प्रयास में जुटी सरकार, नहीं मिल रही सफलता

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में जन्म दर तेजी से गिर रही है। सरकार अपनी जन्म दर में तेज गिरावट को रोकने के हरसंभव प्रयास में जुटी है, लेकिन पूरी तरह सफल नहीं हो पा रही है। नीति-निर्माता युवाओं को यह बता पाने में असफल सिद्ध हो रहे हैं कि स्टाइलिश कपड़े पहनना या फैंसी रेस्तरां में जाने की तुलना में माता-पिता बनना बेहतर विकल्प है। दक्षिण कारिया अपने युवाओं को बच्चे पैदा करने के लिए पिछले कई सालों से प्रोत्साहित कर कर रहा है लेकिन सफल नहीं हो पा रहा।

एक रिपोर्ट के अनुसार, यह देश सबसे कम जन्म दर के अपने रिकार्ड को लगातार तोड़ रहा है। गत वर्ष यह अब तक के सबसे निचले स्तर पर जा पहुंचा था। केंद्रीय बैंक के आंकड़े बताते हैं कि 30 आयु वर्ग के लोगों की बचत दर पांच साल पहले की 29.4प्रतिशत से घटकर पहली तिमाही में 28.5प्रतिशत हो गई, जबकि इसी अवधि में अन्य सभी आयु समूहों में वृद्धि हुई। इसी समय 20 और 30 आयु वर्ग के लोग डिपार्टमेंट स्टोर और बड़े होटलों में सबसे अधिक खर्च करने वाले लोग हैं। इसी दौरान उनका यात्रा व्यय 3 वर्षों में 33.3 से बढ़कर 40.1प्रतिशत हो गया है।

ऑस्ट्रेलिया में ऑनलाइन बाल शोषण की बढ़ रही तादाद, पुलिस ने अभिभावकों को किया आगाह

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने ऑनलाइन यौन और हिंसक कंटेंट तैयार करने के लिए बच्चों को मजबूर करने की संख्या में वृद्धि पर चेतावनी जारी की है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस (एएफपी) ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया में बढ़ते ऑनलाइन चलन पर माता-पिता और अभिभावकों को आगाह किया है। पुलिस ने बताया कि कम उम्र के बच्चे ऑनलाइन अपराध का अनजाने में शिकार बन रहे हैं। बच्चों को ज्यादा से ज्यादा कंटेट बनाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। एएफपी ने कहा कि सैडिस्टिक सेक्सटॉर्शन इंटरनेट अपराध का एक बढ़ता हुआ प्रकार है जहां ऑनलाइन कम्यूनिटी 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को टारगेट करते हैं। ऑनलाइन कम्यूनिटी में स्वीकृति प्राप्त करने के लिए उन पर स्पष्ट यौन या हिंसक कृत्य की तस्वीर या वीडियो स्वयं बनाने के लिए दबाव डालते हैं। एक बार जब तस्वीर या वीडियो बन जाता है और किसी अपराधी को भेज दिया जाता है, तो प्राप्तकर्ता उस कंटेंट को समुदाय के अन्य सदस्यों को भेज देता है। फिर वो पीड़ित से अपने दोस्तों या परिवार के साथ कंटेंट शेयर करने की धमकी देकर जबरन वसूली करता है और ये तब तक चलता है जब तक उत्तेजित कंटेंट नहीं बनाया जाता। एएफपी के अनुसार, कुछ मामलों में अपराधी निशाना बनाए जाने वाले पीड़ितों की उम्र के ही होते हैं। एएफपी के ह्यूमन एक्पलोईटेशन कमांडर हेलेन सांइडियर ने कहा कि ऑस्ट्रेलियन सेंटर टू काउंटर चाइल्ड एक्सप्लोइटेशन (एसीसीसीई) द्वारा प्राप्त खुफिया जानकारी से पता चलता है कि एक्स्ट्रीम ऑनलाइन समूहों में अधिकांश अपराधी पैसे के बजाय समूह के भीतर पोजिशन या ख्याति प्राप्त करने की सोच के साथ जुड़ते हैं।

जॉर्जिया स्कूल शूटिंग: आरोपी के पिता ने पहली हत्या पर बेटे की तारीफ की थी, 13 साल की उम्र में उपहार में दी बंदूक

वॉशिंगटन, एजेंसी। जॉर्जिया स्कूल शूटिंग मामले की जांच कर रही एफबीआई को एक ऑडियो क्लिप मिली है। इस ऑडियो क्लिप में पता चला है कि आरोपी कोल्ट ग्रे के पास खतरनाक हथियारों की आसानी से उपलब्धता थी। साथ ही इस ऑडियो क्लिप में पता चला है कि आरोपी के पिता ने अपने बेटे के पहले शिकार की तारीफ की थी और जब उसके बेटे ने एक हिरण का शिकार किया था उसे अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन करार दिया था। आरोपी कोल्ट ग्रे के पिता 54 वर्षीय कॉलिन ग्रे पर भी दूसरी डिग्री की हत्या के दो मामले और बच्चों के साथ क्रूरता के आठ मामले का आरोप लगाया गया है। ग्रे पर यह आरोप इसलिए लगाए गए हैं क्योंकि उन्होंने अपने बेटे कोल्ट को हथियार रखने की अनुमति दी। उन पर लगे सभी आरोप सीधे उनके बेटे द्वारा किए गए कार्यों से जुड़े हुए हैं। अटलांटा के अपलाची हाई स्कूल में बुधवार को हुई गोलीबारी के मामले में 14 वर्षीय कोल्ट ग्रे पर हत्या का आरोप लगाया है। कोल्ट ग्रे ने एक अर्ध-स्वचालित राइफल से अपने स्कूल में गोलीबारी की थी, जिसमें दो छात्र और दो शिक्षक मारे गए तथा नौ अन्य लोग घायल हो गए थे। कोल्ट ग्रे ने साल 2023 में भी अपने स्कूल में गोलीबारी करने की धमकी दी थी। इस पर पुलिस प्रशासन ने जेफरसन स्थित कोल्ट ग्रे के घर जाकर पूछताछ भी की थी।

कनाडा से एक पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार, IS के साथ मिलकर न्यूयॉर्क को दहलाने की रच रहा था साजिश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने चौंकाने वाली जानकारी दी है। बताया जा रहा कि कनाडा में रह रहे एक पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। उस पर इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड अल-शाम (आईएस) को सामग्री और संसाधन मुहैया कराने की कोशिश करने का आरोप है।

सात अक्तूबर को हमला करने की बनाई थी योजना अटॉर्नी जनरल मेरिक बी गारलैंड ने बताया कि 20 साल के आरोपी मुहम्मद शाहजेब खान ने सात अक्तूबर के आसपास न्यूयॉर्क शहर में आतंकवादी हमला करने की योजना बनाई थी। इसका मकसद आईएस के नाम पर अधिक से अधिक यहूदियों का कत्लेआम करना था। अधिकारी बोले- एफबीआई टीम पर गर्व एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे ने कहा, इस्राइल पर हमास द्वारा किए हमले को करीब एक साल होने वाला है। ऐसे में, आरोपी कथित तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका में यहूदी लोगों को मारने के लिए तैयार था। इस जांच का नेतृत्व एफबीआई ने किया था और मुझे एफबीआई टीम और हमारे सहयोगियों द्वारा खान की योजना को नाकामयाब करने के लिए उठाए गए कदम पर गर्व है। अधिकारी ने आगे कहा, आईएस या अन्य आतंकवादी संगठनों के नाम पर हिंसा करने की कोशिश करने वालों की जांच करने और उन्हें जवाबदेह ठहराने के लिए एफबीआई अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगी। आतंकवाद से लड़ना एफबीआई की शीर्ष प्राथमिकता

बनी हुई है। यह है आरोप बताया जा रहा है कि आरोपी खान ने कनाडा से न्यूयॉर्क शहर जाने की कोशिश की। वह न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में एक यहूदी केंद्र पर आईएस के समर्थन में एक सामूहिक गोलीबारी की घटना को अंजाम देना चाहता था। खान ने नवंबर 2023 में या उसके आसपास आईएस के लिए अपने समर्थन के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट करना और एक मैसेजिंग एप्लिकेशन पर दूसरों के साथ बातचीत करना शुरू किया था। इसके अलावा, खान ने आईएस का प्रचार करने वाले वीडियो और साहित्य भी बांटे।इतना ही नहीं, बल्कि उसने दो अंडरकवर कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ बातचीत करना शुरू कर दिया। इन दो तारीखों के लिए रची गई थी साजिश खान ने बार-बार अंडरकवर कानून प्रवर्तन अधिकारियों को हमले करने के लिए क्र स्टाइल असॉल्ट राइफलें, गोला-बारूद और अन्य सामग्री जुटाने का निर्देश दिया। इसके अलावा उन स्थानों की पहचान की जहां हमले किए जाने थे। खान ने यह भी बताया कि वह हमले करने के लिए कनाडा से संयुक्त राज्य अमेरिका में सीमा कैसे पार करेगा। इन बातचीत के दौरान, खान ने इस बात पर जोर दिया कि यहूदियों को निशाना बनाने के लिए सात अक्तूबर और 11 अक्तूबर सबसे अच्छे दिन हैं क्योंकि सात अक्तूबर को इस्राइल पर हमास के हमले की सालगिरह है। 11 अक्तूबर को योम किप्पुर है।

गुप्त धन मामले में डोनाल्ड ट्रंप को बड़ी राहत, अदालत ने राष्ट्रपति चुनाव तक टाली सजा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को गुप्त धन मामले में बड़ी राहत मिली है। अदालत ने इस मामले में ट्रंप की सजा को नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव तक टाल दिया है। मैनहट्टन के न्यायाधीश जुआन एम. मर्चन ने ट्रंप की सजा को 26 नवंबर तक के लिए स्थगित किया है। पहले 18 सितंबर को सजा सुनाई जानी थी। वहीं, मामले में अब नई तारीख नवंबर में तय की गई है। न्यायाधीश मर्चन ने चार पन्नों के फैसले में बताया कि वह किसी भी उपस्थिति से बचने के लिए सजा को स्थगित कर रहे हैं, चाहे वह कितना भी अनुचित क्यों न हो कि कार्यवाही आने वाले राष्ट्रपति चुनाव से प्रभावित हुई है या प्रभावित करने की कोशिश कर रही है जिसमें प्रतिवादी एक उम्मीदवार है। उन्होंने कहा, न्यायालय एक निष्पक्ष और अराजनीतिक संस्था है, उनके फैसले को किसी भी सुझाव को खारिज कर देना चाहिए। ट्रंप के वकीलों ने याचिका दायर कर मामले में संघीय अदालत से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। उन्होंने तर्क दिया कि दोबारा व्हाइट हाउस तक पहुंचने के अभियान के दौरान पूर्व राष्ट्रपति को दंडित करना चुनाव में हस्तक्षेप होगा। तर्क दिया कि चुनाव के बाद तक उनकी सजा में देरी करने से उन्हें अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के जुलाई के राष्ट्रपति प्रतिरक्षा फैसले के कारण उनकी सजा को पलटने और मामले को खारिज करने के बचाव पक्ष के अनुरोध पर मर्चेन के नियमों के बाद अगले कदम पर विचार करने का समय मिलेगा। शुक्रवार को अपने आदेश में, मर्चन ने उस पर निर्णय 12 नवंबर तक के लिए टाल दिया। ट्रंप ने न्यायाधीश मर्चन की अदालत से मामले को स्थानांतरित करने की मांग की थी, जिसे एक संघीय न्यायाधीश ने खारिज कर दिया। वहीं, ट्रंप के वकीलों ने कहा कि अगर वे सफल होते तो फैसले को पलटने और मामले को प्रतिरक्षा के आधार पर खारिज करने की मांग करते। बता दें कि ट्रंप संघीय अदालत के फैसले के खिलाफ अपील कर रहे हैं। द्वितीय अमेरिकी सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स से दोषसिद्धि के बाद की कार्यवाही को रोकने के लिए कहा है। उस अदालत ने अभी तक फैसला नहीं सुनाया है। मर्चन के फैसले के बाद ट्रंप अभियान के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने एक बयान दिया, उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कारण ट्रंप के खिलाफ सभी मामले खारिज कर दिए जाने चाहिए। मैनहट्टन जिला अटॉर्नी एल्विन ब्रैग का कार्यालय, जिसने मामले पर मुकदमा चलाया था, ने बचाव पक्ष के विलंब अनुरोध पर मर्चन को टालते हुए कोई रुख नहीं अपनाया था। डीए के कार्यालय प्रवक्ता डेनिएल फिल्सन ने कहा, न्यूयॉर्क के 12 लोगों की एक जूरी ने तेजी से और सर्वसम्मति से डोनाल्ड ट्रंप को 34 गुंडागर्दी के मामलों में दोषी ठहराया। बता दें कि ट्रंप को 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले पोर्न अभिनेता स्टॉर्मी डेनियल्स को 130000 अमेरिकी डॉलर के गुप्त भुगतान को छुपाने के लिए व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के 34 मामलों में मई में दोषी ठहराया गया था।

हिंदू संगठन ने डोनाल्ड ट्रंप का किया समर्थन, कहा- कमला हैरिस भारत-अमेरिका संबंधों के लिए ठीक नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक हिंदू संगठन ने आगामी राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस के बजाय डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन देने का एलान किया है। हिंदू संगठन ने दावा किया है कि कमला हैरिस अगर राष्ट्रपति चुनी जाती हैं तो भारत और अमेरिका के संबंध अस्थिर हो सकते हैं। हिंदू संगठन ने पेंसिल्वेनिया, जॉर्जिया और नॉर्थ कैरोलिना जैसे राज्यों में ट्रंप के पक्ष में मतदाताओं को एकजुट करना भी शुरू कर दिया है।

हिंदूज फॉर अमेरिका फर्स्ट संगठन ने ट्रंप का समर्थन किया : गुरुवार को अमेरिका के हिंदू संगठन हिंदूज फॉर अमेरिका फर्स्ट के अध्यक्ष और संस्थापक उत्सव संदुजा ने कहा कि चिंता इस बात की है कि अगर कमला हैरिस राष्ट्रपति चुनी जाती हैं तो वह हो सकता है कि सुप्रीम कोर्ट में कुछ ऐसे उदारवादी लोगों की नियुक्ति कर सकती हैं, जिनके फैसलों का एशियाई-अमेरिकी लोगों पर असर पड़ सकता है। बता दें कि कमला हैरिस एक उदारवादी नेता हैं और उनका झुकाव वामपंथ की तरफ है। इसे लेकर डोनाल्ड ट्रंप भी कई बार चेतावनी दे चुके हैं कि कमला हैरिस अगर राष्ट्रपति चुनी गईं तो वह अप्रवासन नीति पर उदार रुख अपना सकती हैं।

अवैध अप्रवासियों के मुद्दे पर बाइडन-हैरिस प्रशासन को घेरा : संदुजा ने कहा कि बाइडन-हैरिस प्रशासन ने सीमा की सुरक्षा के लिए कुछ नहीं किया।

कमला हैरिस प्रशासन में दूसरे स्थान पर थीं, लेकिन उन्होंने अवैध अप्रवासन को रोकने के लिए कुछ नहीं किया। अवैध अप्रवासन के चलते ही अपराध में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। साथ ही ड्रग तस्करी आदि की घटनाएं भी बढ़ी हैं। इसका सीधा असर अल्पसंख्यक समुदाय पर हो रहा है। खासकर एशियाई-अमेरिकी बिजनेस इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। संदुजा ने ट्रंप की तारीफ की और अवैध अप्रवासन को रोकने के लिए ट्रंप की नीति का समर्थन किया। संदुजा ने कहा कि ट्रंप, भारत समर्थक हैं और उनके प्रधानमंत्री मोदी के साथ भी संबंध काफी अच्छे रहे। ट्रंप के कार्यकाल में दोनों देशों के बीच कई अहम रक्षा और तकनीक में सहयोग समझौते हुए। वहीं कमला हैरिस ने भारत और भारत के लोगों को लेकर कई आपत्तिजनक बयान दिए हैं, लेकिन ट्रंप ने भारत के अंदरुनी मामलों में कभी दखल नहीं दिया।

पाकिस्तान में 2.5 करोड़ बच्चे स्कूल नहीं जा रहे, इनमें 1.88 करोड़ ग्रामीण इलाकों से, 53 प्रतिशत लड़कियां स्कूली शिक्षा से मोहताज

इस्लामाबाद, एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान आर्थिक संकट के साथ-साथ एक गंभीर शिक्षा संकट का भी सामना कर रहा है। पाकिस्तान में 5 से 16 साल की उम्र के तकरीबन 2.53 करोड़ बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं। ये आंकड़ा देश के कुल स्कूल जाने योग्य बच्चों की आबादी का 36 प्रतिशत है। इसमें सबसे बदतर हालात ग्रामीण इलाकों के हैं। इस बात का खुलासा 'द मिसिंग थर्ड ऑफ पाकिस्तान' नाम की रिपोर्ट में हुआ है। इस रिपोर्ट को पाक अलायंस फॉर मैथ्स एंड साइंस ने 2023 के जनगणना के आंकड़ों के आधार पर तैयार किया है। इस रिपोर्ट ने 'पाकिस्तान में स्कूलों से बाहर बच्चों'की चौंकाने वाली स्थिति पर फोकस किया है। रिपोर्ट ने पाकिस्तान के ऐजुकेशन सिस्टम की अहम खामियों को उजागर किया है। इसमें बताया गया है कि पाकिस्तान के 74 प्रतिशत बच्चे ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। इन इलाकों में स्कूलों तक पहुंच की कमी, गरीबी और सामाजिक समस्याओं की वजह से बच्चों को स्कूल तक लाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। 5 से 9 साल के बच्चों पर सबसे ज्यादा असर रिपोर्ट बताती है कि शिक्षा संकट का सामना सबसे ज्यादा 5 से 9 साल के बच्चे कर रहे हैं। इनमें से 51 प्रतिशत ने कभी स्कूल में एडमिशन ही नहीं लिया। वहीं तकरीबन 50 प्रतिशत बच्चे स्कूल से बाहर हो चुके हैं या अब स्कूल नहीं जा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस शिक्षा संकट का पाकिस्तान की साक्षरता दर पर लंबे समय तक असर देखने को मिलेगा। दूसरी तरफ ग्रामीण इलाकों में एडमिशन में देरी की एक प्रमुख वजह आर्थिक परिस्थितियां हैं, जिसकी वजह से बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पाते हैं। वहीं लिंगानुपात इस समस्या को और अधिक बढ़ा रहा है। रिपोर्ट में

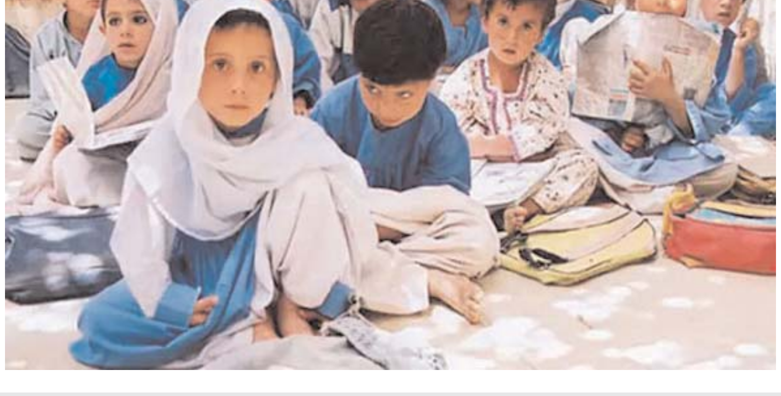

बताया गया है कि स्कूल न जाने वालों में 53 प्रतिशत लड़कियां हैं। ग्रामीण इलाकों में ये समस्या ज्यादा बड़ी है। यहां महिला साक्षरता दर पहले से ही कम है। ग्रामीण इलाकों में 80प्रतिशत लड़कियां कभी स्कूल नहीं गई इस रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान के ग्रामीण इलाकों में 5 से 16 की 80 प्रतिशत लड़कियों ने कभी स्कूल में एडमिशन ही नहीं लिया। ये आंकड़ा ऐजुकेशन सिस्टम में लैंगिक असमानता को दर्शाता है। शहरी क्षेत्र जो अक्सर शिक्षा के लिहाज से बेहतर समझे जाते हैं, उन क्षेत्रों में भी यह समस्या दिखाई पड़ती है। कराची और लाहौर जैसे बड़े शहरों में कैपिटल सिटी होने की वजह से शिक्षा के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध है। फिर भी इन शहरों में स्कूल न जाने वाले बच्चों की संख्या ज्यादा है। कराची में 18 लाख बच्चों का स्कूल में नामांकन ही नहीं है।

झोलाछाप डॉक्टर का कारनामा, गर्भवती को ऑटो में बैठाकर गड्ढों में घुमाया

– नॉर्मल डिलीवरी के लिए लगाए आठ इंजेक्शन, नवजात की मौत, मामला दर्ज

गाजीपुर। यूपी के गाजीपुर जिले में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते एक झोलाछाप डॉक्टर ने गर्भवती महिला की नॉर्मल डिलीवरी के लिए एक के बाद एक कर आठ इंजेक्शन लगा दिए और फिर एक घंटे तक महिला को ऑटो में बैठाकर गड्ढों वाली सड़कों पर घुमाया। इसके बाद भी महिला की नॉर्मल डिलीवरी नहीं हुई तो महिला को दूसरे अस्पताल जाने को कह दिया। दूसरे अस्पताल में महिला की ऑपरेशन से डिलीवरी करवाई गई तो नवजात की मौत हो चुकी थी। मामला खुदाबख्शपुर गांव की रहने वाली अनीता देवी को प्रसव पीड़ा के बाद छतमा गांव के एक क्लीनिक ले जाया गया। जहां डॉक्टर डीके गौतम ने प्रसव कराने के नाम पर गर्भवती महिला को आठ इंजेक्शन लगा दिए। उसके बाद भी प्रसव पीड़ा नहीं होने पर डॉक्टर ने ऑटो में प्रसूता को लिटाकर एक घंटे तक शहर की गड्ढे वाली सड़कों पर ऑटो चलवाया। उसने कहा कि गड्ढों में हिचकोले खाने के बाद प्रेशर बनेगा और नार्मल डिलिवरी हो जाएगी, लेकिन शाम तक जब डिलीवरी नहीं हुई तो उसने अपने ही पहचान के हरदासपुर खुर्द में बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे जीवनदीप हेल्थ केयर सेंटर में भेज दिया। यहां डॉक्टर कमलेश चौहान ने पहले नॉर्मल डिलीवरी करने को कहा और पास की ही किसी झोलाछाप महिला डॉक्टर को बुलाकर नॉर्मल डिलीवरी करवाने लगा, फिर ज्यादा स्थिति बिगड़ता देख आधी रात को ऑपरेशन करने की बात कहते हुए 25 हजार रुपए की मांग की। जब डॉक्टर ने जच्चा-बच्चा दोनों को स्वस्थ रखने का भरोसा दिया तो परिजन ऑपरेशन कराने को राजी हो गए। रात दो बजे ऑपरेशन के बाद लड़का पैदा हुआ, लेकिन कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। अस्पताल के कर्मचारियों ने पहले तो प्रसूता से नवजात के मौत की जानकारी छिपाई फिर उसे दूसरे अस्पताल में इलाज के लिए भेज दिया, लेकिन अस्पताल में भीड़ होने पर प्रसूता को इस घटना की जानकारी हो गई। प्रसूता की हालत बिगड़ने पर एम्बुलेंस से महिला जिला अस्पताल भेजा गया। इस मामले में परिजनों ने पुलिस में केस दर्ज कराया है। एसपी केपी सिंह ने बताया कि नवजात के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

श्रीलंकाई नौसेना ने 14 मछुआरों को पकड़ा, परिजनों ने किया विरोध प्रदर्शन

चेन्नई। श्रीलंकाई नौसेना ने 14 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया और उनकी नौकाओं को भी जब्त कर लिया है। श्रीलंकाई नौसेना की इस कार्रवाई के बाद मछुआरों के परिवारों और स्थानीय लोगों ने तमिलनाडु के पुदुकोट्टई जिले के जेगथापट्टिनम में रविवार को विरोध प्रदर्शन किया। बता दें कि मछुआरों को शनिवार रात गिरफ्तार किया गया था। अब लोगों का कहना है कि मछली पकड़ने के लिए समुद्र में प्रवेश करने और अपनी आजीविका चलाने के बारे में मछुआरे चिंतित हैं। उसके सामने गंभीर स्थिति पैदा हुई, लेकिन, राज्य और केंद्र सरकार ध्यान नहीं दे रही है। मछुआरों की तीन नौकाओं को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा जब्त कर लिया था। भले ही मछुआरों को श्रीलंका में कुछ दिनों बाद रिहा कर दिया जाए लेकिन हमारी नौकाओं को नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि 14 मछुआरों की गिरफ्तारी के विरोध में मछुआरे और उनके परिवार के सदस्य सड़कों पर बैठकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार करने और नेदुनथीवु के पास मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया। तमिलनाडु के तटीय पुलिस अधिकारियों ने कहा कि गिरफ्तार मछुआरों को श्रीलंका के कांकेसंथुराई नौसैनिक अड्डे पर ले जाया गया। गौरतलब है कि तमिलनाडु के करीब 84 मछुआरे श्रीलंकाई अधिकारियों की हिरासत में हैं। गिरफ्तारियों के कारण तमिलनाडु के रामनाथपुरम, नागापट्टिनम और पुदुकोट्टई जैसे तटीय जिलों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है।

ज्ञानवापी : सुनवाई की तारीख तय की, सरकार और मसाजिद कमेटी को समन जारी

वाराणसी। काशी विश्वनाथ धाम के नाम पर समस्त अधिग्रहित भूमि का स्वामित्व विश्वनाथ मंदिर के पक्ष में घोषित करने व अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद से जमीन की अदला बदली को चुनौती देने वाले वाद पर सुनवाई होगी।सिविल जज (सीनियर डिवीजन) हितेश अग्रवाल ने इस वाद को सुनवाई के लिए मंजूर करते हुए विपक्षी प्रदेश सरकार, काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट और अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद को सूचित करने के लिए सम्मन जारी का आदेश दिया है। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 11 अक्टूबर की तिथि मुकर्रर की है।वकील नित्यानन्द राय की ओर से दाखिल वाद में कहा गया है कि प्लाट संख्या 8276 (ज्ञानवापी परिक्षेत्र में स्थित) का स्वयं को मालिक बताते हुए अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा खरीदे गये भवन संख्या सीके 38/12,13 से अदला-बदली कर ली।उसके द्वारा सीके 31/19 को प्लाट संख्या 8276 पर अवस्थित बताया मगर कोई प्रमाण नहीं दिया गया। काशी विश्वनाथ कारिडोर को बनाने में हुई जल्दीबाजी का फायदा उठाते हुये अदला-बदली का षड्यंत्र रचा। जल्दबाजी में उत्तर प्रदेश सरकार व अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद के बीच दस जुलाई 2021को उपनिबंधक (द्वितीय) के यहां अदला-बदली का निबंधन हुआ जो गलत है।

साइबर फ्रॉड में गंवा दिए 60 लाख, सदमे में कर ली आत्महत्या!

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में साइबर फ्रॉड में 60 लाख रुपये गंवाने के बाद एक व्यक्ति ने होटल में आत्महत्या कर ली। स ने बताया कि गणेशपेठ इलाके में स्थित एक होटल में व्यक्ति (51) को बेहोशी की हालत में पाया गया था। पुलिस ने बताया कि साइबर फ्रॉड का शिकार हुए 60 लाख रुपये गंवाने के बाद एक 51 वर्षीय एक व्यक्ति ने होटल में आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में फार्मासिस्ट के रूप में काम करने वाले अक्षय बहेकर के रूप में हुई है जो दो दिन पहले गणेशपेठ इलाके में स्थित होटल राजधानी में बेहोशी की हालत में मिला था। होटल के कर्मचारियों के अनुसार वह 3 सितंबर की शाम को होटल में आया था, लेकिन उसके बाद वह कमरे के बाहर नहीं निकला। वहीं गणेशपेठ थाने के एक अधिकारी ने बताया कि अंदर से की एक्टिविटी नहीं मिलने पर होटल प्रबंधन ने मास्टर चाबी से कमरा खोला तो वह बेहोशी की हालत में थे। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उन्हें मृतक घोषित कर दिया। कमरे से मिले सुसाइड नोट से पता चला है कि उसने ऑनलाइन जालसाजों के कारण 60 लाख रुपये गंवा दिए थे। अधिकारी ने बताया कि संदेह है कि मृतक ने कोई जहरीला पदार्थ खाया था। मामले की आगे जांच की जा रही है। साथ ही पुलिस की टीम फ्रॉड के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है।

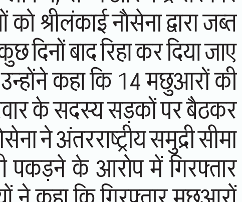

बीएसएफ ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर 43 बांग्लादेशी पासपोर्ट जब्त किए

कोलकाता। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने कहा कि उन्होंने 43 बांग्लादेशी पासपोर्ट और छह पुलिस क्लीयरेंस प्रमाणपत्र जब्त किए हैं, जब उन्हें पश्चिम बंगाल के उत्तर 24-परगना में भारत-बांग्लादेश सीमा (आईबीबी) के साथ बांग्लादेश में तस्करी के लिए ले जाया जा रहा था। दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के प्रवक्ता ने कहा ?कि नियमित गश्त के दौरान बीएसएफ की एक नाव पार्टी को सोनाई नदी पर तैरता हुआ एक अजीब सफेद बोरा मिला। बोरी को रस्सियों से बांधकर बांग्लादेश की ओर घसीटा जा रहा था। ताराली-1 सीमा चौकी पर तैनात 143 बटालियन बीएसएफ के जवानों ने बोरी को पानी से बाहर निकाला, जिसमें पासपोर्ट और क्लीयरेंस सर्टिफिकेट पाए गए। उन्होंने कहा कि निरीक्षण से पता चला कि पुलिस मंजूरी प्रमाणपत्र पासपोर्ट धारकों द्वारा क्रोएशिया की यात्रा की सुविधा के लिए थे। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग और यूरोपीय संघ द्वारा 2020 के लिए सामने आए आंकड़ों के अनुसार, क्रोएशिया में शायद ही कोई बांग्लादेशी अप्रवासी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा ?कि यह संभव है कि घुसपैठियों के लिए एक ग्रुप द्वारा इस्तेमाल किए गए पासपोर्ट और क्लीयरेंस प्रमाणपत्र क्रोएशिया से स्थानांतरित होने के बाद वापस भेज दिए जाते हैं। कुछ संशोधनों के बाद इनका उपयोग अन्य घुसपैठियों या तस्करी पीड़ितों के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट रूप से एक बड़े रैकेट का हिस्सा है जिसके दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं। बीएसएफ प्रवक्ता ने कहा कि उन्होंने तेंतुलिया में सीमा शुल्क विभाग और स्थानीय पुलिस से संपर्क कर दस्तावेज सौंप दिया है।

जम्मू कश्मीर चुनाव: भाजपा ने बदली रणनीति, गठबंधन के तलाश रही रास्ते

जम्मू (एजेंसी)। बीते दो दशक बाद जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। यहां भारतीय जनता पार्टी अपनी ताकत के साथ चुनाव लड़ रही है। उसे भरोसा है कि उसकी सरकार बनेगी। हालांकि अभी तक भगवा पार्टी एक ही बार सरकार बनाने में सफल रही है, वह भी पीडीपी के साथ गठबंधन में। इस चुनाव में भाजपा अपने दम पर किस्मत आजमा रही है। इस बीच नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने दावा किया है कि भाजपा जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए पीपुल्स कॉन्फ्रेंस और अपनी पार्टी जैसी पार्टियों के साथ चुनाव बाद गठबंधन कर सकती है। बता दें कि भाजपा के अपने घोषणापत्र में 25 वादे हैं। मुख्य रूप से महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण, कश्मीरी पंडितों की वापसी, मंदिरों के जीर्णोद्धार और आतंकवाद का सफाया करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। आपको जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव 18, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को तीन चरणों में होने हैं।

उमर अब्दुल्ला ने गंदेरबल के शालबुग में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनाने के लिए अन्य पार्टियों के साथ-साथ निर्दलीय उम्मीदवारों के साथ गठबंधन करने को तैयार है। उन्होंने कहा, गृह मंत्री अमित शाह उन पार्टियों के नाम ले रहे थे जिनके साथ वे सरकार नहीं बनाएंगे। उन्होंने इंजीनियर रशीद की पार्टी, अपनी पार्टी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस समेत कई पार्टियों का नाम नहीं लिया। इसका मतलब है कि कल अगर भाजपा चाहेगी तो उनके साथ सरकार बना सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, दो सीटों से निर्दलीय उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ रहे उमर अब्दुल्ला ने कहा कि भाजपा स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने वालों के साथ भी गठबंधन कर सकती है।कांग्रेस और एनसी पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने कहा था कि दोनों पार्टियां पुरानी व्यवस्था को वापस लाना चाहती हैं और पाकिस्तान के साथ बातचीत शुरू करना चाहती हैं। हालांकि, अमित शाह ने कहा कि जब तक शांति स्थापित नहीं हो जाती तब तक पाकिस्तान के साथ कोई बातचीत नहीं हो सकती। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों दलों के घोषणापत्रों का उद्देश्य आतंकवाद फैलाना, गुज्जरों, बकरवाल, पहाड़ी और दलितों से आरक्षण छीनना, अपराधियों को रिहा करना और पाकिस्तान के साथ एलओसी व्यापार शुरू करना है।

पश्चिमी महाराष्ट्र में राहुल गाँधी की यात्रा से कांग्रेस को मिली एक नई ऊर्जा

मुंबई,। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के सांगली जिले का दौरा किया. इसके बाद एक तरह से आगामी विधानसभा चुनाव अभियान का नारियल फोड़ दिया गया, जिसकी प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर व्यक्त की गयी। हालांकि इस दौरे में शिवसेना (ठाकरे) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, कुछ अन्य नेता अनुपस्थित रहे। लेकिन महाविकास अघाड़ी के बाकी दल के नेता मंच पर थे। राहुल गांधी ने देश की राजनीतिक और सामाजिक स्थिति को जिस प्रकार से स्पष्ट किया उससे सत्तारूढ़ दल में बेचैनी छा गई है। उन्होंने मोदी सरकार की आलोचना करते हुए कहा, पहले आप गलती करें और फिर माफी मांगने का समय आ जाए। राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र के डीएनए में कांग्रेस है, जिससे कांग्रेस और कार्यकर्ताओं को ताकत मिलेगी। आपको बता दें कि लोकसभा चुनाव के दौरान सांगली निर्वाचन क्षेत्र पूरे राज्य में मशहूर हो गया था. कांग्रेस का गढ़ रहे इस जिले में एक बार फिर कांग्रेस का सांसद बना. अब जब विधानसभा की बयार चल रही है, तो ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि सांगली का चुनाव फिर से लोकसभा की तरह दिलचस्प होगा। लोकसभा चुनाव के दौरान यहां कांग्रेस एकजुट होकर लड़ी और जीत हासिल की. विधान सभा में वह प्रयोग दोहराया जाएगा या नहीं, इस पर अब लोगों का ध्यान है. बहरहाल आज की तस्वीर ये है कि सांगली दिल्ली तक खबरों में बना रहेगा। वहीं राहुल की यात्रा ने पश्चिमी महाराष्ट्र में कांग्रेस को एक नई ऊर्जा और ताकत दिया है और कार्यकर्ता भी रिचार्ज हो गये हैं।

चिराग पर नकेल कसने की तैयारी-चाचा पारस को जल्द बनाया जा सकता है राज्यपाल

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान केंद्र सरकार के कई कई महत्वपूर्ण फैसलों पर सवाल खड़ा कर चुके हैं। चिराग ने केंद्र सरकार के महत्वपूर्ण फैसले जैसे कि वक्फ बिल और सरकारी नौकरी में लैटरल एंट्री का विरोध किया था। साथ ही सुप्रीम कोर्ट के अनुसूचित जाति और जनजाति कोटा में सब कैटिगरी और क्रीमी लेयर को चिन्हित करने के फैसले का भी विरोध किया था। चिराग के इन सभी कदम से बीजेपी जाहिर तौर पर असहज महसूस कर रही थी। इसी कारण से चिराग को नियंत्रित करने के लिए उनके चाचा, जिससे उनकी पुरानी अदावत है का राजनीतिक तौर पर एक्टिवेट किया जा रहा है। पशुपति पारस का कद बढ़कर बीजेपी चुनाव पासवान को स्पष्ट संदेश देना चाहती है कि चिराग पासवान केंद्र सरकार के महत्वपूर्ण फैसलों में ज्यादा दखलअंदाजी ना करें।

चिराग के बयानों को देखते हुए अब बीजेपी उन पर लगाम लगाने की तैयारी में है और उनके चाचा पशुपति पारस को अब एक बार फिर से एनडीए में तरजीह दी जा सकती है। माना जा रहा है कि पशुपति पारस, जो पिछले कुछ महीनो से राजनीति में हाशिए पर पड़े हैं उन्हें जल्द ही किसी राज्य का राज्यपाल या फिर किसी महत्वपूर्ण केंद्रीय बोर्ड का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। बीजेपी अगर पशुपति पारस का कद बढ़ाकर उन्हें किसी राज्य का राज्यपाल या किसी केंद्रीय बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त करती है तो जाहिर सी बात है कि पशुपति पारस का कद बढ़ने से वह चिराग पासवान के बराबर आ जाएंगे और फिर भाजपा पशुपति पारस के जरिए चिराग पर नियंत्रण रखना चाहती है। पशुपति पारस पिछले कुछ महीनो से राजनीति में हाशिए पर पड़े हुए हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में एनडीए में रहते हुए भी बीजेपी ने उन्हें बिहार में एक भी सीट लड़ने को नहीं दी जिसको लेकर पशुपति पारस ने अपनी नाराजगी व्यक्त की थी मगर फिर भी वह एनडीए में बने हुए हैं।

पिछले दिनों पशुपति पारस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी दिल्ली में मुलाकात की थी जिसके बाद इस बात को बल मिला कि जल्द ही पारस का कद बढ़ाया जा सकता है और उन्हें किसी राज्य का राज्यपाल या केंद्रीय बोर्ड का अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

आखिरकार कंगना की इमरजेंसी पर चली सेंसर की कैंची, लगाए गए तीन कट

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्ट्रेस और भाजपा सांसद कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी 6 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसके रिलीज पर रोक लगा दी गई। विवाद के कारण इसकी रिलीज पर रोक लगने से पहले, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) की जांच समिति ने इस शर्त पर इसे यूए सर्टिफिकेशन के लिए मंजूरी दे दी है, लेकिन रिलीज के पहले इसमें 10 बदलाव किए गए हैं। इसकी लिस्ट सेंसर बोर्ड की तरफ से मेकर्स को भेज दी गई है। इमरजेंसी में तीन कट भी लगाएंगे गए और इसे यूए सर्टिफिकेट दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, इसमें तीन सीन काटे गए हैं, जो सीबीएफसी को आपत्तिजनक लगे। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के भारतीय महिलाओं के लिए बोले गए अपमानजनक शब्दों और विंस्टन चर्चिल के भारतीयों के लिए कहा गया खरगोशों की तरह प्रजनन शामिल है।हाल ही में कंगना ने ट्विटर पर कहा था, उनके साथ सेंसर बोर्ड के लोगों को भी बहुत धमकियां मिल रही हैं। हम पर

श्रीमती गांधी की हत्या, जरनैल सिंह भिंडरावाले और पंजाब में हुए दंगे न दिखाने का दबाव है। मैं समझ नहीं पा रही हूं कि फिर हम क्या दिखाएं। मुझे नहीं पता कि फिर क्या दिखाएं कि फिल्म अचानक से ब्लैक आउट हो जाती है। ये मेरे लिए अविश्वसनीय वक्त है और मैं देश में इस वक्त जो हालात हैं उन्हें देखकर मुझे दुख महसूस हो रहा है।कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी की कहानी देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने पीएम पद पर रहते हुए साल 1975 से लेकर 1977 तक 21 महीने की इमरजेंसी देश में लागू कर दी थी। इसको लेकर उस दौरान इंदिरा गांधी की खूब आलोचना हुई थी। फिल्म में कंगना इंदिरा गांधी के किरदार में हैं।

पीएफआई की साजिश के तहत बढ़ रही है हरिद्वार की जनसंख्या : मंत्री गिरिराज सिंह

पटना। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के एनआरसी वाले बयान पर अभी बवाल शांत भी नहीं हुआ था कि उन्होंने एक बार फिर से हरिद्वार में बढ़ती जनसंख्या से जुड़ी बड़ी बात कही है। गिरिराज सिंह ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर हरिद्वार में बढ़ी जनसंख्या के पीछे की मुख्य वजह पीएफआई की साजिश को बताया है गिरिराज सिंह ने अपने पोस्ट में आंकड़ों का जिक्र करते हुए बताया कि किस तरह से मुस्लिम आबादी बढ़ी है और यह एक तरह से पीएफ़आई की बड़ी साजिश के तहत किया जा रहा है। गिरिराज सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा- भारत के सभी सनातनियों-तथाकथित सेक्युलरों-हरिद्वार की जनसंख्या नहीं बढ़ी है, बल्कि यह पिछले कुछ समय से पीएफआई जैसे संगठनों द्वारा बढ़ाई गई है। क्या हरि का द्वार इस इस बुरी नज़र से बच पाएगा?

गया वो वक्त जब कश्मीरी नेता 3-3 बयान जेब में रखकर चलते थे: डॉ. जितेंद्र सिंह

जम्मू (एजेंसी)। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि अफजल की फांसी में भाजपा कहां से आ गई? वह समय चला गया कि जब कश्मीरी राजनेता अपनी जेब में तीन अलग-अलग बयान लेकर घूमते थे। कश्मीर में अलग, जम्मू में अलग और दिल्ली में अलग बयान देते थे लेकिन आज रियल टाइम रिपोर्टिंग होती है जिससे अब ये नेता जनता को गुमराह नहीं कर सकते। अनुच्छेद 370 पर अलग रुख पर उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के 70 फीसदी मतदाता युवा हैं और उन्हें नेशनल कॉन्फ्रेंस की राजनीति रास नहीं आ रही है।

गौरतलब है कि उमर अब्दुल्ला ने बीते शुक्रवार कहा था कि जम्मू-कश्मीर सरकार का अफजल गुरु की फांसी से कोई लेना-देना नहीं था। अगर होता तो राज्य सरकार की अनुमति से ऐसा करना पड़ता, जिसके बारे में, मैं आपको स्पष्ट शब्दों में बता सकता हूं कि ऐसा नहीं होता। हम ऐसा नहीं करते। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि अफजल गुरु को फांसी देने से कोई उद्देश्य पूरा हुआ है। केंद्र सरकार ने अफजल गुरु को फांसी देने के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार की अनुमति या सहमति नहीं ली थी। इस जितेंद्र सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर अफजल गुरु की फांसी पर कश्मीर के लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आज उमर कह रहे हैं कि वह कभी भी अफजल गुरु को फांसी नहीं होने देते, लेकिन जगजाहिर है कि उनकी सहमति से ही अफजल को फांसी दी गई थी। डॉ. जितेंद्र ने कहा कि उस समय की अखबारों में भी खबरें छपी थी और टीवी चैनलों पर भी खबरें आई थी कि उस समय की यूपीए सरकार में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अफजल गुरु को फांसी देने से पहले जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री की सहमति पहले ले ली थी।शनिवार को भाजपा के छन्नी हिम्मत स्थित मीडिया वॉर रूम में संवाददाता सम्मेलन में डॉ. जितेंद्र ने कहा कि 2013 में केंद्र में यूपीए की सरकार थी। उमर जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री थे। उनके पिता डॉ. फारूक अब्दुला मनमोहन सिंह सरकार में कैबिनेट मंत्री थे।

ममता को झटका: कोलकाता हत्याकांड से दुखी टीएमसी सांसद ने दिया इस्तीफा

-एक्स पर लिखा-न्याय के लिए लोगों का साथ देने के लिए छोड़ रहा राजनीति

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद जवाहर सरकार ने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इसके साथ ही उन्होंने राजनीति छोड़ने का भी ऐलान कर दिया है। जवाहर ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को पत्र लिखकर इस फैसले की जानकरी दी। उन्होंने पत्र में आरजी कर अस्पताल में हुई घटना का जिक्र भी किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि घटना को लेकर सरकार के कदम अपर्याप्त हैं, जिससे वह बहुत आहत हैं जिसकी वजह से वह पार्टी से इस्तीफा दे रहे हैं। जवाहर ने रविवार को एक्स पर अपने पत्र को साझा करते हुए लिखा- मैं मुख्य रूप से आरजी कर अस्पताल में हुई भयानक रेप-हत्या मामले के बाद जन आंदोलन को पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा गलत तरीके से संभालने के कारण सांसदी से इस्तीफा दे रहा हूं। उन्होंने आगे लिखा कि राजनीति भी छोड़ रहा हूं, न्याय के लिए लोगों के संघर्ष में उनके साथ खड़ा होने के लिए। मूल्यों के प्रति मेरी प्रतिबद्धता अपरिवर्तित है। उन्होंने लिखा मुझे लगता है कि अगर भ्रष्ट डॉक्टरों के गुट को ध्वस्त कर दिया

जाता और इस निंदनीय घटना के तुरंत बाद अनुचित प्रशासनिक कार्रवाई करने वालों को दंडित किया जाता तो राज्य में सामान्य स्थिति बहाल हो सकती थी। मेरा मानना है कि आंदोलन की मुख्यधारा गैर-राजनीतिक और स्वतःस्फूर्त है और इसे राजनीतिक बताकर टकराव का रुख अपनाना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि बेशक विपक्षी दल मुश्किल हालात का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन युवा और आम लोग जो हर दूसरे दिन सड़कों पर आंदोलन कर रहे हैं, उन्हें प्रोत्साहित नहीं करते। वे राजनीति नहीं चाहते हैं, वे न्याय और सजा चाहते हैं। यह आंदोलन जितना अभय के पक्ष में है, उतना ही राज्य सरकार और पार्टी के खिलाफ भी है। इसके लिए तुरंत सुधार की जरूरत है, नहीं तो सांप्रदायिक ताकतें इस राज्य पर कब्जा कर लेंगी।

रिश्तों के बहाने अजित पवार ने कही बड़ी बात बोले- परिवार तोड़ने वाले को लोग नकार देते हैं

गढ़चिरौली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी उठापटक की संभावना बनने लगी है। कब कौन सी बाजी पलट जाए कोई नहीं जानता। कुछ इसी तरह के संकेत भी मिल रहे हैं। विपक्षी एमवीए एक ओर जहां शिंदे सरकार पर लगातार हमला कर रही है। दूसरी और महायुति सरकार के घटक दल आपस में ही भिड़ रहे हैं। इस बीच महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी नेता अजित पवार के एक बयान से हर कोई हैरान है। एनसीपी द्वारा आयोजित जनसम्मान रैली को संबोधित करते हुए अजीत पवार ने पार्टी नेता और राज्य मंत्री धर्मराव बाबा आत्रम की बेटी भाग्यश्री को शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) में जाने से रोकने की कोशिश की। आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में भाग्यश्री और उनके पिता के बीच संभावित मुकाबले को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं।

अजित पवार ने कहा है कि उन्हें अपनी गलती का अहसास हो गया है कि समाज को परिवारों में दरार पसंद नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे पता लग गया है कि जो लोग ऐसा करते हैं, समाज उसे माफ नहीं करता है। बेटी को उसके पिता से ज्यादा कोई प्यार नहीं कर सकता। बेलगाम में उसकी शादी करने के बावजूद, धर्मराव गढ़चिरौली में उसके साथ खड़े रहे और उसे जिला परिषद का अध्यक्ष बनाया। अब भाग्यश्री अपने ही पिता के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार हैं। क्या यह सही है? आपको अपने पिता का समर्थन करना चाहिए और उन्हें जीतने में मदद करनी चाहिए क्योंकि केवल उनके पास ही क्षेत्र का विकास करने की क्षमता और दृढ़ संकल्प है। समाज कभी भी अपने परिवार को तोड़ना स्वीकार नहीं करता है।उनका इशारा हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में उनकी पत्नी सुनेत्रा और चचेरी बहन सुप्रिया सुले के बीच मुकाबले की ओर था। एक महीने से भी कम समय में यह दूसरी बार है जब एनसीपी नेता पवार ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि उन्होंने अपने चाचा शरद पवार की बेटी एनसीपी (सपा) नेता सुले के खिलाफ अपनी पत्नी को मैदान में उतारकर गलती की है और कहा कि राजनीति को घर में प्रवेश नहीं करना चाहिए।

भेड़िये के बाद अब सियारों का आतंक, हमले में 5 बच्चे समेत कई घायल, गांवों में फैली दहशत

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश में सियार और भेड़ियों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। लाख प्रयास के बाद भी आए दिन घटनाएं हो रही हैं। बीते 4 दिन में दो अलग-अलग जगहों पर सियार पांच बच्चों पर हमला कर लहूलुहान कर चुका है। इन बच्चों को बचाने गए परिजनों पर भी सियार ने हमला कर दिया। साथ ही राह चलते बुजुर्गों को भी काट लिया। इस तरह अब तक सियार के हमले से एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो चुके हैं। सियार, भेड़िया के ही वंशज माने जाते हैं। इन्हें गीदड़ भी कहा जाता है। फिलहाल हमले के बाद से पूरे जिले में भेड़िए के हमले की भी अफवाह खूब उड़ रही है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डीएफओ मनीष सिंह ने बताया की सियार के हमले लगातार हो रहे हैं। सियार भी भेड़िया की प्रजाति में आते हैं। अभी तक जितने लोग भी घायल हुए हैं। वह ज्यादा गंभीर घायल नहीं हैं। हम मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सियार आक्रामक इसलिए हुए हैं, क्योंकि बारिश हो रही है। मनीष सिंह के मुताबिक सियार के मांद में पानी भर गया है। जिससे ये बाहर आकर टहल रहे हैं। वहीं इस समय सियार का मीटिंग पीरियड भी होता है। ऐसे में मीटिंग पीरियड के समय यह आक्रामक हो जाते हैं। फिलहाल हम इन पर नजर रखे हुए हैं। सियार और भेड़िया नदी व नहरों के किनारे रहते हैं।